निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 13 दिसम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 206 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

हजारीबाग में मिली पाल कालीन अति प्राचीन उमा महेश्वर की मूर्ति

संक्षिप्त समाचार

मैरिज हॉल में मिला रेलकर्मी का शव

गोड्डा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर स्थित सिंह विवाह भवन में एक बंद कमरे से 40 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। दरवाजा अंदर से बंद था। घटना की सूचना मिलते ही विवाह भवन के संचालक अजय कुमार सिंह ने तत्काल मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और बंद कमरे के दरवाजे की छिटकनी तोड़ कर शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान मुंगेर निवासी विजय कुमार सिंह के रूप में हुई है।

तीन माह से लापता युवक का नरकंकाल बरामद

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ में तीन माह से लापता सोनू राम का कंकाल मिलने के बाद परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने शुक्रवार को सुभाष चौक को जाम कर दिया। परिजनों की मुख्य मांगें मुआवजे और कथित हत्यारे रणजीत को फांसी देने की हैं। यह घटना तब सामने आई जब गुरुवार रात नौ बजे रामगढ़ थाना क्षेत्र के धंधार पोखर के पास पानी से भरे एक गड्ढे से पुलिस ने एक नर कंकाल बरामद किया। कंकाल के पास से कुछ कपड़े भी मिले थे। नर कंकाल मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जमा हो गए थे जहां पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

आपस में टकराने के बाद दोनों हाइवा जलकर स्वाहा

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के डाड़ी प्रखंड स्थित हेसालौंग पंचायत के पंडराबौन जंगल से गुजरने वाली गिद्दी-नया मोड़ सड़क पर दो हाइवा की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई और वे पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास से गुजरने वाले वाहन चालक और राहगीर दूरी बनाकर रुक गए जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। दुर्घटना के बाद दोनों हाइवा के चालक कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

केंदुआडीह में 12वें दिन भी गैस रिसाव जारी

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के केंदुआडीह में गैस रिसाव का संकट लगातार गहराता जा रहा है। शुक्रवार को 12वें दिन भी गैस रिसाव को रोकने में सफलता नहीं मिल पाई है। इधर क्षेत्र में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर खतरनाक बना हुआ है जिससे स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश बढ़ रहा है। स्थानीय निवासी दीनानाथ सिंह ने बताया कि इलाके में जहरीली गैस का रिसाव जारी है। विशेषज्ञों द्वारा मिट्टी भरने का काम धीमी गति से हो रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि जिस स्थान से गैस का रिसाव हो रहा है, उसके ठीक सामने एक दीवार है। जब तक उस दीवार को हटाकर गहराई तक मिट्टी नहीं भरी जाती, स्थिति गंभीर बनी रहेगी।

2027 में होने वाली जनगणना के लिए कैबिनेट से 11718 करोड़ की मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी। कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति को भी मंजूरी दी है। सरकार ने खोपरा 2025 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को भी नीतिगत मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनगणना 2027 की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास होगा। जनगणना 2027 अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना केंद्र का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए यह तिथि 1 अक्तूबर 2026 को होगी। वैष्णव ने कहा कि जनगणना 2027

दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना होगी। इसे अप्रैल से सितंबर 2026 तक अंजाम दिया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गिनती होगी। यह फरवरी 2027 से शुरू होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों में सितंबर 2026 से शुरू होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने 'कोयला लिंकेज नीति में सुधारः कोलएसईटीयू' को भी नीतिगत मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि भारत कोयले के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। 2020 में कोयले का वाणिज्यिक खनन शुरू हुआ, जिससे घरेलू कोयले की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। भारत ने 2024-25 में पहली बार एक वर्ष में एक अरब टन कोयले के उत्पादन का आंकड़ा पार किया। 2024-25 में कुल उत्पादन 1.048 अरब टन रहा। खपत के प्रतिशत के रूप में आयात लगातार घट रहा है। 2024-25 में आयात में 7.9% की कमी आई जिसके परिणामस्वरूप लगभग 60,700 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। रेल-कोयला साझेदारी के बारे में बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष रेलवे के जरिए 823 मिलियन टन कोयले का परिवहन किया गया। घरेलू बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार रिकॉर्ड उच्च स्तर पर है।

कोयला कारोबारी के ठिकानों पर इडी की रेड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर धनबाद में कार्रवाई की है। शुक्रवार की सुबह ईडी ने कोयला कारोबार और आउटसोर्सिंग से जुड़े कई बड़े ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। एजेंसी की टीम डेको आउटसोर्सिंग के संचालक और ट्रांसपोर्टर मनोज अग्रवाल के ठिकानों पर तलाशी ले रही है। यह कार्रवाई अवैध कोयला कारोबार के जरिए हुई कथित मनी लांड्रिंग जांच का हिस्सा बताई जा रही है। सुबह करीब 7 बजकर 30 मिनट पर ईडी की गाड़ियां धनसार स्थित मनोज अग्रवाल के आवास पर पहुंचीं। कुछ ही देर में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने परिसर को घेर लिया और अधिकारी घर के अंदर दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच में जुट गए। ईडी की इस छापेमारी ने शहर में हलचल बढ़ा दी है। अचानक हुई कार्रवाई से कोयला कारोबार से जुड़े

लोगों में बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। इलाके में सुबह से ही ईडी की मौजूदगी को लेकर चर्चा तेज है और स्थानीय लोग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जानकारी के अनुसार बीते माह धनबाद में लगभग 18 ठिकानों पर हुई बड़ी रेड से मिले दस्तावेजों और वित्तीय गतिविधियों की पड़ताल के आधार पर यह कार्रवाई आगे बढ़ाई गई है। ईडी की टीम कई घंटों से लगातार तलाशी अभियान में लगी हुई है और आगे भी कार्रवाई जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

रांची से लखनऊ के बीच चलेगी ट्रेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची से लखनऊ के बीच नई ट्रेन चलेगी। यह पलामू-अयोध्या के रास्ते लखनऊ जाएगी। वहीं रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस रोजाना चलेगी। सप्ताह में तीन दिन लोहरदगा-पलामू के रास्ते और चार दिन हजारीबाग-कोडरमा होकर जाएगी। यह जानकारी पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने दी। वहीं सिकंदराबाद मंडल के काजीपेट-बल्हारशाह रेलखंड के अंतर्गत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण जनवरी-फरवरी में कई ट्रेनें रद्द रहेंगी। इधर पलामू सांसद ने कहा कि वे हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, चतरा सांसद कालीचरण सिंह और जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो के साथ बुधवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले थे। इसी मुलाकात में यह

सहमति बनी। उन्होंने बताया कि कोहरे के कारण रद्द की गई झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस को शुरू करने की सहमति भी दी है। रक्षा राज्य मंत्री व रांची सांसद संजय सेठ ने भी गुरुवार को रेल मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने हटिया-आनंद विहार सुपर फास्ट एक्सप्रेस को जयपुर तक चलाने की मांग की। साथ ही रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू करने का आग्रह किया।

इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग कलस्टर की स्थापना से होगा रोजगार का सृजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने आज अपने मंत्री कार्यालय कक्ष में अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को लेकर अहम बैठक की। इस बैठक में बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह भी शामिल हुईं। श्वेता सिंह ने 11 दिसंबर 2025 को गैर-सरकारी संकल्प विधानसभा के पटल पर रखा था, जिसके बाद संबंधित विभागीय मंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को अवगत कराते हुए 12 दिसंबर 2025 को विशेष समीक्षा बैठक बुलाने की बात कही थी। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग कलस्टर की स्थापना से जुड़े सभी प्रमुख बिंदुओं पर बैठक में चर्चा की गई। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक यह कॉरिडोर 740 वर्ग किमी क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। इस योजना

के तहत 2021 में इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग कलस्टर का प्रस्ताव भेजा गया था। इस योजना के लिए बोकारो स्टील प्लांट द्वारा उपलब्ध कराई गई जमीन के मूल्यांकन और लागत निर्धारण को लेकर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा गया था। राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि भूमि का मूल्यांकन मौजूदा सर्किल रेट के आधार पर ही होना चाहिए। इसी संबंध में विभागीय मंत्री ने भू-अभिलेख निदेशक तथा बोकारो उपायुक्त को आवश्यक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। राज्य के उद्योग मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि इस परियोजना को लेकर मुख्यमंत्री अत्यंत गंभीर हैं। इसे जल्द से जल्द धरातल पर लाने की तैयारी तेज होनी चाहिए। उन्होंने बोकारो स्टील प्लांट से मिली जमीन के मूल्यांकन की रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने और इसकी जानकारी उन्हें अलग से देने का भी निर्देश दिया। बैठक में उद्योग मंत्री ने कहा कि यदि यह परियोजना बोकारो में लागू होती है तो इससे भारी मात्रा में निवेश का मार्ग खुलेगा और बोकारो स्टील प्लांट को भी लाभ मिलेगा। बोकारो और आस पास के इलाकों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। राज्य की औद्योगिक छवि भी मजबूत होगी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त भागीदारी की इस योजना को मील का पत्थर बताया। उद्योग मंत्री ने कहा कि बोकारो विधायक श्वेता सिंह लगातार इस परियोजना की प्रगति पर सवाल उठा रही थीं। विधानसभा में संकल्प के माध्यम से उन्होंने मामले को आगे बढ़ाया। इसी के बाद सरकार ने विस्तृत समीक्षा बैठक बुलाने का निर्णय लिया, उनकी भूमिका प्रशंसनीय है।

पलामू के सभी सीएचसी में खुलेंगे बेबी केयर यूनिट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर, लेस्लीगंज, पांकी, मनातू, पाटन, विश्रामपुर और हरिहरगंज में जल्द ही बेबी केयर यूनिट शुरू किए जाएंगे। फिलहाल जिले के किसी भी सीएचसी में बेबी केयर यूनिट उपलब्ध नहीं है जिसके कारण नवजात बच्चों को गंभीर जोखिम उठाना पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार योजना के पहले चरण में उन सभी सीएचसी में यूनिट खोली जाएगी जहां फिलहाल बेबी केयर की सुविधा नहीं है। इसका उद्देश्य प्रसव के तुरंत बाद नवजात की विशेषज्ञ देखभाल है ताकि जच्चा और बच्चा एक ही स्थान पर सुरक्षित रहें। पलामू जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रति माह

औसतन 200 से 300 तक प्रसव होते हैं। इनमें कई नवजात ऐसे होते हैं जिन्हें जन्म के तुरंत बाद विशेष निगरानी की आवश्यकता होती है लेकिन बेबी केयर यूनिट नहीं होने के कारण इन बच्चों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संचालित एसएनसीयू में भेजना पड़ता है। इसी वजह से मां और बच्चा अलग हो जाते हैं जिससे स्तनपान प्रभावित होता है। चिकित्सकों के अनुसार डिब्बे के दूध पर निर्भरता बढ़ने से नवजात की इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और बार-बार बीमार पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संचालित एसएनसीयू तक ले जाने में देरी और अलगाव की समस्या के कारण पलामू में प्रति माह 8 से 10 नवजातों की मौत दर्ज की जाती है। विशेषकर असामान्य या कमजोर जन्मे बच्चों के लिए प्रारंभिक कुछ घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। बेबी केयर यूनिट स्थापित होने से इन मौतों को रोकने में बड़ी मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग इन यूनिटों को प्रसूति वार्ड के ठीक पास स्थापित करेगा ताकि जच्चा और बच्चा दोनों एक ही जगह पर रह सकें। पलामू जिले के हुसैनाबाद और छतरपुर में संचालित अनुमंडलीय अस्पताल में बेबी केयर यूनिट खोले गए थे। वहां पर जरुरी संसाधन भी उपलब्ध कराए गए थे लेकिन शिशु रोग विशेषज्ञ समेत आवश्यक स्टाफ की कमी के कारण यूनिट संचालित ही नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण इनका लाभ वहां के लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

कोडीन कफ सिरप मामले में ताबड़तोड़ छापेमारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार से जुड़े मामले में ईडी ने रांची में भी छापेमारी शुरू की है। ईडी की टीम रांची के तुपुदाना स्थित एक फैक्ट्री को सर्च दी है। ईडी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह रेड लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची सहित कई शहरों में जारी है। कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार से जुड़े मामले में ईडी की टीम कई वाहनों और सुरक्षा के साथ शुक्रवार को तुपुदाना स्थित शैली ट्रेडर्स पहुंची। हालांकि फैक्ट्री के अंदर जाने के लिए टीम को इंतजार करना पड़ा। शैली ट्रेडर्स में फिलहाल कड़ी सुरक्षा के बीच एजेंसी अपनी जांच कर रही है। इसी वर्ष में एमपी के गुना और विदिशा में संदिग्ध तौर पर कोडीन और कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने के बाद कई बच्चों की मौत और गंभीर बीमारियां सामने आईं थी। इसके बाद पूरे नेटवर्क की जांच शुरू हुई। रिपोर्टों के बाद यह साफ हुआ कि केवल एक जहरीला सिरप ही नहीं बल्कि बड़े पैमाने पर कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी का रैकेट चल रहा था। इसकी सप्लाई मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में हो रही थी। जांच के बाद यह बात सामने आई कि इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड बनारस का शुभम जायसवाल है जिसने फर्जी फर्मों और नकली बिलिंग के माध्यम से कोडीन कफ सिरप की बड़े पैमाने पर खेपें उठवाईं और अलग-अलग राज्यों व पड़ोसी देशों में सप्लाई की। जांच एजेंसियों के अनुसार वह रांची से कोलकाता होकर दुबई भाग गया और वर्तमान में वहीं छिपा है। इस मामले की जांच ईडी भी कर रही है। इस काले धंधे में एक हजार करोड़ से ज्यादा की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आने की बात कही जा रही है।

झारखंड कांग्रेस में बढ़ती खींचतान से हाईकमान चिंतित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस इन दिनों आंतरिक खींचतान के कारण असहज स्थिति से गुजर रही है। पार्टी के वरिष्ठ और प्रभावी नेताओं के बीच जारी बयानबाजी, कटाक्ष और सार्वजनिक मंचों पर हो रही तकरार ने संगठन की एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा के भीतर और बाहर लगातार सामने आ रहे मतभेदों ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भी चिंतित कर दिया है, जिसके बाद अब दिल्ली में समन्वय बैठक बुलाने की तैयारी शुरू हो गई है। विधानसभा के शीत सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के साथ कांग्रेस कोटे से सरकार में शामिल मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के बीच सवाल-जवाब को लेकर तकरार हुआ। इससे कांग्रेस असहज स्थिति में है। इस तरह की घटनाओं से न सिर्फ सत्तारूढ़ गठबंधन बल्कि विपक्ष भी कांग्रेस की आंतरिक कमजोरी को भुनाने में लगा है। सदन के बाहर भी कई बार मीडिया के सामने दिए गए बयानों में परस्पर विरोधाभास देखने को मिला है, जिसने नेतृत्व की परेशानी बढ़ा दी है। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मध्यस्थता की कोशिशें शुरू की हैं। संगठन में समन्वय की जिम्मेदारी संभालने वाले कुछ नेताओं ने सभी पक्षों से बातचीत की है ताकि विवाद को बढ़ने से रोका जा सके। इन प्रयासों के बावजूद परिस्थितियों में जल्दी सुधार नहीं हुआ है जिसके चलते अब पार्टी का राष्ट्रीय आलाकमान खुद दखल देने की तैयारी में है। जल्द ही झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को दिल्ली तलब किया जा सकता है, जहां पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी बात सुनी जाएगी और आपसी मतभेद दूर करने की कोशिश की जाएगी। पार्टी चाहता है कि आगामी चुनावी वर्ष को देखते हुए संगठन में अनुशासन और एकजुटता कायम रहे। केंद्रीय नेतृत्व साफ कर चुका है कि आंतरिक विवाद सार्वजनिक रूप से नहीं आने चाहिए और किसी भी तरह की असहमति को पार्टी मंच पर ही सुलझाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन की राजनीति पर निर्भर है। ऐसे में पार्टी के भीतर उभर रहे ऐसे विवाद उसकी स्थिति को और कमजोर कर सकते हैं। यदि समय रहते विवाद नहीं सुलझे तो इसका असर आने वाले दिनों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

रांची के लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस रद्द

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक स्थित लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एसएसपी की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। कई तरह के विवादों में नाम आने के बाद रांची के अरगोड़ा चौक स्थित लिकर बार एंड रेस्टोरेंट का लाइसेंस रांची डीसी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आदेश पत्र में बताया गया है कि यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर उत्पाद अधिनियम की धारा 42 के तहत की गई है। एसएसपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अरगोड़ा चौक का रास्ता बेहद व्यस्त है और वीवीआईपी आवागमन का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में बार के कारण अक्सर होने वाले झगड़े से कानून-व्यवस्था पर गंभीर खतरा बना रहता है। रिपोर्ट के अनुसार बार संचालक की ओर से ट्रांसजेंडर (टीजे) बुलाकर डांस एवं डांस क्लब का आयोजन बार-बार किया जाता था। इस दौरान ग्राहकों के बीच कई बार मारपीट और हंगामा हो चुका है। प्रशासन ने माना है कि बार में लगातार हो रहे झगड़े और सड़क पर उत्पन्न विवाद से किसी भी समय बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है। इसलिए सार्वजनिक सुरक्षा को देखते हुए लाइसेंस निलंबित करने का निर्णय लिया गया। आदेश में एसएसपी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि ऐसे आयोजनों से ट्रैफिक बाधित होती है और कानून-व्यवस्था संभालने में पुलिस बल पर अतिरिक्त दबाव बनता है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

हजारीबाग एसपी ने अपराध गोष्ठी में दिए कड़े निर्देश, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। दिनांक 12 दिसंबर 2025 को आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने सभी थाना प्रभारीयों एवं पुलिस पदाधिकारियों को कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए। बैठक में जिले की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं जनविश्वास बढ़ाने के लिए 10 बिंदुओं पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

एसपी ने महिला प्रताड़ना, हिंसा तथा एससी/एसटी से संबंधित मामलों में 60 दिनों के भीतर कार्रवाई व निष्पादन सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया। साथ ही चोरी, लूट, छिनतई और गृहभेदन जैसे मामलों में फरार अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी के आदेश भी दिए गए। वर्ष 2025 के पूर्व लंबित सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया। इसके अलावा सभी थानों में जमानती, गैर-जमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की-जब्ती के लंबित मामलों को विशेष अभियान चलाकर निपटाने का निर्देश दिया गया। सिविल कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा कर सभी मानकों को पूरा करने पर जोर दिया गया। नशाखोरी के पदार्थों की खरीद-बिक्री में शामिल गिरोहों पर भी कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए गए। एसपी ने संगठित अपराध, अवैध खनन और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के खिलाफ उउअ के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध कोयला, बालू एवं पत्थर उत्खनन पर पूर्ण रोक लगाने के लिए संबंधित अंचल अधिकारी एवं जिला खनन विभाग के साथ समन्वय कर अभियान चलाने को कहा गया। सभी थाना प्रभारीयों को साइबर अपराध से संबंधित लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन कर दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि थाना प्रभारियों को आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर समय पर समाधान सुनिश्चित करना होगा। अपराध गोष्ठी में दिए गए ये निर्देश हजारीबाग जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

वार्षिक माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र, संबद्ध स्कूल कॉलेज व मूल्यांकन केंद्र तय करने हेतु समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट कला, वाणिज्य, विज्ञान परीक्षा 2026 के लिए परीक्षा केंद्र, संबद्ध स्कूल कॉलेज और मूल्यांकन केंद्र तय करने हेतु एक समिति की बैठक की। वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 की फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण एवं मूल्यांकन केंद्रों के चयन को लेकर बैठक में तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया।

बैठक में झारखंड जैक के दिशा-निर्देशों के तहत विद्यालयों की आधारभूत संरचना, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही पूर्व की परीक्षा केंद्रों और वर्तमान की परीक्षा केंद्रों की भी समीक्षा की गई तथा कुछ नए परीक्षा केंद्रों को चयनित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा सभी प्रखंडों से प्राप्त विद्यालयों की उपयुक्तता संबंधी रिपोर्टों की जांच की गई, जिसमें कक्ष क्षमता, विद्युत सुविधा, परीक्षा संचालन हेतु आवश्यक अन्य सुविधाओं का परीक्षण किया गया तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सांसद प्रतिनिधि, गिरिडीह, कोडरमा विधायक प्रतिनिधि, धनवार, गिरिडीह, बगोदर, गांडेय, जमुआ और डुमरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अभय कुमार का झामुमो महानगर समिति के द्वारा बुके दे कर स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झामुमो जिला कार्यलय गिरिडीह मे अभय कुमार का आगमन हुआ जो पूर्व मे झारखण्ड कांग्रेस छात्र संगठन के महासचिव पद पर थे और कुछ दिन पूर्व ही उन्होंने झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नगर विकाश मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के समक्ष रांची झामुमो की सदस्ता ग्रहन की थी।

आज जिला कार्यलय मे झामुमो महानगर समिति के द्वारा बुके दे कर और पार्टी का पट्टा पहना का उनका स्वागत किया गया जिसमे मुख्य रूप से महानगर समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार रॉकी कोषाध्यक्ष हरिमोहन कंधवे जी उपाध्यक्ष ब्रजमोहन तुरी समेत झामुमो महानगर समिति के अन्य कार्यकर्त्ता भी उपस्थित रहे।

अवैध माइका खनन और भंडारण के विरुद्ध चला छापेमारी अभियान, चार गोदामों से 400 टन माइका जब्त

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। तिसरी प्रखंड में माइका के अवैध खनन और भंडारण को लेकर एक बार फिर प्रशाशन ने छापेमारी अभियान चलाया है। खोरीमहुआ एसडीएम अनिमेष रंजन के नेतृत्व में तिसरी सीओ अखिलेश प्रसाद, थाना प्रभारी रंजय कुमार सहित पुलिस बल की टीम ने तिसरी के गम्हरियाटांड़ स्थित चार अवैध माइका गोदामों में छापेमारी की है, जहां से लगभग चार सौ टन माइका सहित संबंधित उपकरण जब्त किया गया है। जानकारी देते हुए एसडीएम अनिमेष रंजन ने बताया कि अवैध उत्खनन को लेकर विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज तिसरी में छापेमारी की गई है, जहां एक गोदाम में लगभग 200 टन माइका एवं दो अन्य गोदामों में 70 से 80 टन कर के माइका जब्त किया है।

नॉर्थ बंगाल, बिहार व झारखंड के बीएसएफ पेंशनभोगियों के लिए हजारीबाग में 20 को राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल (BSF) 20 दिसंबर 2025 को प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, मेरु हजारीबाग में राष्ट्रव्यापी पेंशन अदालत का आयोजन करने जा रहा है। इस विशेष अदालत का उद्देश्य नॉर्थ बंगाल, बिहार और झारखंड के इस्त्र्ह पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की पेंशन संबंधी शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है।

यह पेंशन अदालत बुधवार, 20 दिसंबर 2025 को सुबह 09:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस दौरान पेंशन, पारिवारिक पेंशन तथा अन्य वित्तीय लंबित मामलों का निराकरण एक ही मंच पर किया जाएगा।

कार्यक्रम में DDO, PAO तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, ताकि शिकायतों का मौके पर निपटारा किया जा सके। अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

प्रशिक्षण केंद्र, BSF हजारीबाग में इसके लिए एक विशेष पेंशन प्रकोष्ठ बनाया गया है, जिसके नोडल अधिकारी समादेष्टा श्री सुनील कुमार हैं। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए पेंशनभोगी BSF हेल्प डेस्क नंबर 06546-236776 पर संपर्क कर सकते हैं।

BSF ने सभी पात्र पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे अपनी पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए इस महत्वपूर्ण पहल का लाभ जरूर उठाएँ।

इनर व्हील क्लब गिरिडीह सनशाइन की सराहनीय पहल महिलाओं के खिलाफ हिंसा बंद करने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा आज ऑरेंज द वर्ल्ड 'स्टॉप वायलेंस अगेंस्ट वीमेन' अभियान के तहत 30 बालिकाओं को नारंगी एप्रन वितरित किए गए। इस अवसर पर क्लब की ओर से बालिकाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से एक निःशुल्क कुकिंग क्लास की भी शुरूआत की गई है।

यह कक्षाएँ सप्ताह में एक दिन रोटरी आई हॉस्पिटल हॉल में आयोजित होंगी, जिन्हें क्लब की स्वयं की सदस्याएँ प्रशिक्षित करेंगी कार्यक्रम के दौरान 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकें' विषय पर एक जागरूकता वार्ता भी आयोजित की गई, जिसमें लड़कियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। वक्ताओं ने बताया कि समाज में हिंसा और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना हर लड़की का अधिकार है और जागरूकता ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है क्लब अध्यक्ष ने कहा कि यह पहल लड़कियों को न केवल आत्मविश्वास देगी, बल्कि उन्हें कौशल विकास के माध्यम से भविष्य में स्वयं का छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए भी प्रेरित करेगी। इन गतिविधियों के माध्यम से क्लब का उद्देश्य बालिकाओं को सक्षम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है इनर व्हील क्लब गिरिडीह सनशाइन की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दनुआ घाटी में खतरनाक मोड़ पर पलटी रिफाइंड ऑयल लदी पिकअप, चालक-खलासी घायल

चौपारण (हजारीबाग)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दनुआ घाटी के हथिया बाबा मंदिर के पास शुक्रवार को एक पिकअप वाहन पलटने से अफरा-तफरी मच गई। बरही से रफीगंज की ओर जा रही रिफाइंड तेल से भरी पिकअप तीखे मोड़ पर चालक का नियंत्रण छूटने से सड़क किनारे उलट गई। हादसे में चालक और खलासी को हल्की चोटें आईं, हालांकि बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद चौपारण पुलिस भी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारू किया।

ऑनलाइन उपलब्ध हुई 2003 एस आईआर मतदाता सूची, गिरिडीह उपायुक्त ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव ने मतदाताओं को एक अहम सूचना देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने विभिन्न राज्यों की पिछली एस आईआर मतदाता सूची अब ऑनलाइन उपलब्ध करा दी है।

झारखंड का पिछला एस आईआर वर्ष 2003 में आयोजित हुआ था, और उस समय निबंधित सभी मतदाता अब सीईओ झारखंड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम आसानी से खोज सकते हैं। मतदाता अपने मोबाइल या कंप्यूटर से जिला, विधानसभा क्षेत्र, नाम और कैप्चा भरकर 'शो' बटन पर क्लिक करते ही अपना विवरण प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा बूथ संख्या और क्रमांक संख्या के जरिए भी नाम की खोज की जा सकती है। साथ ही, 2003 एसआईआर की पूरी मतदाता सूची का पीडीएफ भी वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है, जिससे मतदाताओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो उपायुक्त ने आगे बताया कि यदि कोई मतदाता उस समय झारखंड से बाहर किसी अन्य राज्य में निबंधित था, तो वह वोटर्स.ईसीआई. गोव. इन पर उपलब्ध 'सर्च योर नाम इन लास्ट एसआईआर' विकल्प का उपयोग कर अपना विवरण देख सकता है। निर्वाचन आयोग ने यह सुविधा इसलिए शुरू की है ताकि देशभर के सभी मतदाताओं को अपने पुराने रिकॉर्ड तक आसानी से पहुंच मिल सके। किसी भी समस्या की स्थिति में मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर कॉल कर सकते हैं या अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर समाधान पा सकते हैं। यह पहल न केवल पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक है बल्कि मतदाताओं को अपने निर्वाचन संबंधी दस्तावेजों को समझने और अपडेट करने में भी बड़ी मदद देगी।

उपायुक्त ने दिया बढ़ती ठंड व शीतलहरी को देखते हुए नगर निगम समेत सभी प्रखंडों में अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। उपायुक्त रामनिवास यादव ने नगर निगम समेत सभी प्रखंडों में बढ़ती ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है।

■ जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके

इस आलोक में जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके। शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर और बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं। इन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर संबंधित अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रशासनिक टीमों को निरंतर अपने संबंधित क्षेत्र में सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सकें।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में डिस्चार्ज व आईपीडी शुल्क में अवैध वसूली का खुलासा, सांसद प्रतिनिधि ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अव्यवस्थाओं और मनमानी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल के ज्यादातर वार्डों में मरीजों को डिस्चार्ज करते समय 100 रुपये अवैध रूप से वसूलने की गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। गरीब एवं सामान्य मरीजों से इस प्रकार की मनमानी वसूली अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही को दर्शाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि अवैध वसूली इतनी खुलकर हो रही है कि दारू (हजारीबाग) प्रखंड के एक पत्रकार के पिता के डिस्चार्ज के समय उनकी पत्नी से फोन पे के माध्यम से 100 रुपये वसूले गए। जानकारी के अनुसार कुछ वार्डों को छोड़कर लगभग पूरे अस्पताल में यह वसूली नियमित रूप से की जा रही है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण संबंधी कार्यों की प्रगति को लेकर प्रखंड कार्यालय में उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ व बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एसआईआर संबंधी कार्यों की प्रगति को लेकर आज प्रखंड कार्यालय गिरिडीह में उप निर्वाचन पदाधिकारी रंथू महतों ने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही मैपिंग कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते सभी को कड़े शब्दों में निर्देशित किया गया कि मैपिंग कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही नहीं बरती जाय। समीक्षा के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने एवं सुनियोजित तरीके से मैपिंग का कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य एक अत्यंत संवेदनशील एवं जिम्मेदारीपूर्ण प्रक्रिया है। अतः मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाना चाहिए। अतः सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों यह सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची के अद्यतन में कोई त्रुटि न रहे। मैपिंग और पुनरीक्षण कार्यों को समय सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए।

मैपिंग कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करें

सुकन्या लक्ष्मी जन सहयोग फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बाल विवाह रोकथाम जागरूकता रैली का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सुकन्या लक्ष्मी जन सहयोग फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय उदनाबाद और उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोयमारा के संयुक्त सहयोग से बाल विवाह रोकथाम जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

संस्था के कुल 13 कर्मी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और बच्चों तथा ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया रैली सुबह विद्यालय परिसर से शुरू होकर उदनाबाद और कोईमारा विद्यालयों के आसपास के कई गाँवों से होकर गुजरी। लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए टीम ने घर-घर, दुकानों, रास्तों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को बाल विवाह की कानूनी स्थिति, इसके दुष्परिणाम, और एक बच्ची के भविष्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया सुकन्या संस्था की टीम ने बच्चों को सुरक्षित रखते हुए उन्हें उनके-अपने विद्यालय तक पहुँचाया और स्कूल प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया। रैली के दौरान बच्चों ने 'बाल विवाह बंद करो, बेटियों को पढ़ने दो, 18 वर्ष से पहले शादी अपराध है' जैसे नारे लगाए, जिससे पूरे क्षेत्र में जागरूकता का माहौल बना संस्था के सदस्यों ने बताया कि बाल विवाह समाज की एक गंभीर समस्या है और इसे रोकने के लिए समाज, विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुकन्या संस्था लगातार विभिन्न जिलों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को शिक्षित और सशक्त बनाने का कार्य करती रही है स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और संस्था द्वारा जारी जागरूकता कार्यक्रमों में सहयोग देने की बात कही। रैली सफलतापूर्वक संपन्न हुई और दोनों विद्यालयों की भागीदारी से कार्यक्रम और भी प्रभावी रहा और बच्चों तथा ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया सुकन्या संस्थ की टीम ने बच्चों को सुरक्षित रखते हुए उन्हें उनके-अपने विद्यालय तक पहुँचाया और स्कूल प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया।

रैली के दौरान बच्चों ने 'बाल विवाह बंद करो, बेटियों को पढ़ने दो, 18 वर्ष से पहले शादी अपराध है' जैसे नारे लगाए, जिससे पूरे क्षेत्र में जागरूकता का माहौल बना संस्था के सदस्यों ने बताया कि बाल विवाह समाज की एक गंभीर समस्या है और इसे रोकने के लिए समाज, विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुकन्या संस्था लगातार विभिन्न जिलों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को शिक्षित और सशक्त बनाने का कार्य करती रही है स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और संस्था द्वारा जारी जागरूकता कार्यक्रमों में सहयोग देने की बात कही। रैली सफलतापूर्वक संपन्न हुई और दोनों विद्यालयों की भागीदारी से कार्यक्रम और भी प्रभावी रहा।संस्था के संस्थापिका शिल्पा कुमारी संयोजक अमित कुमार, संतोष प्रमाणिक, मनौवर आलम, रेश्मि कुमारी, पूनम कुमारी, भारती कुमारी, धीरेंद्र कुमार, करुणा सिंह, सुनीता कुमारी वर्मा, नीलम शर्मा, गीता पांडेय, मनोरमा देवी।

उपायुक्त के जनता दरबार में आमजनों ने रखी अपनी समस्याएं, दिए समाधान के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन एवं शिकायतों के साथ उपस्थित हुए।

उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं संवेदनशील निपटारे का निर्देश दिया। जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, आपूर्ति व्यवस्था, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, विद्यालय में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के संबंध में,रोजगार एवं विभिन्न योजनाओं से जुड़ी आवेदन सामने आईं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदन निर्धारित समयसीमा में निष्पादित किए जाएं।

आज आए प्रमुख मामले एवं दिए गए निर्देश

कटकमसांडी के लुपुंग गांव के ग्रामीणों ने लुपुंग मुख्य मार्ग से रनवागढ़ा तक सड़क निर्माण कराने के संबंध में आवेदन दिया,इस पर उपायुक्त ने सीओ/बीडीओ से इस संबंध में रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया तथा जिला योजना पदाधिकारी को सीओ/बीडीओ से फॉलोअप करने का निर्देश दिया। राजकीय मध्य विद्यालय,पेटो (केरेडारी) के प्रधानाध्यापक रामेश्वर राम ने एनटीपीसी के सीएसआर मद से रा. म. वि, पेटो मे शौचालय, भवन एवं आधारभूत संरचना के निर्माण कार्य कराने के संबंध में आवेदन दिया,इस पर उपायुक्त ने डीपीओ को इन बिंदुओं पर विस्तृत रिपोर्ट समर्पित कर अग्रेत्तर कार्रवाई का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व आयुष्मान कार्ड के बारे में दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर चैनपुर स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । मौके पर पारा लीगल वॉलेंटियर उमेश उपाध्याय व बहादुर प्रसाद गुप्ता ने लोगों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी दी। कहा कि समाज के कमजोर व हाशिए पर स्थित वर्गों के लिए स्वास्थ्य संबंधी अधिकार व विभिन्न सरकारी योजनाओं संचालित किया जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए तक मुफ्त

इलाज की व्यवस्था दी जाती है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड जरूर बनाएं व आयुष्मान कार्ड से अपना इलाज कराए। उन्होंने अस्पताल में फ्री दवा व जांच के बारे में भी जानकारी दी। विश्रामपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के अंतर्गत गुर्दा रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस व जांच के बारे में बताया गया। पाटन स्वास्थ केंद में गर्भवती महिलाओं को निशुल्क प्रसव नवजात शिशु की निशुल्क देखभाल व इन योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली नगद सहायता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही पीएमजेएवाई के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल, सूचीबद्ध लोगों को कार्ड जेनरेशन के बारे में बताया गया। तरहसी स्वास्थ्य केंद्र में पात्रता के बारे में लोगों को निशुल्क अधिकार मातृ, बाल स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओ के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर अस्पताल कर्मी के अलावे दर्जनों रोगी व उनके साथी उपस्थित थे।

पलामू में भारतीय जनता पार्टी के 16 मंडल अध्यक्षों का चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी झारखण्ड के प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के अनुमोदन व जिला पर्यवेक्षक की सहमति के पश्चात पलामू में भाजपा संगठन पर्व के अन्तर्गत अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हो गई।

जिला चुनाव प्रभारी सुरेश साहू, सह चुनाव प्रभारी लवली गुप्ता एवं नरेंद्र पांडे, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी सहित सभी वरिष्ठ नेता व सक्रिय कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पलामू के 16 मंडल अध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई। इनमें विश्वजीत सिंह को पांकी मंडल अध्यक्ष बनाया गया। सगालीम मंडल अध्यक्ष राकेश कुमार राम, लेस्लीगंज मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता, कुंदरी मंडल अध्यक्ष काशीनाथ

विश्वकर्मा, लोहरसी मंडल अध्यक्ष रोशन सिंह, मनातू मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव, तरहसी मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साव, सतबरवा मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार, मेदिनीनगर ग्रामीण उत्तरी मंडल अध्यक्ष सुनील तिवारी, मेदिनीनगर दक्षिणी शहर मंडल अध्यक्ष सरवन गुप्ता, मेदिनीनगर सदर पोलपोल मंडल अध्यक्ष आनंद सिंह, विश्रामपुर नगर मंडल अध्यक्ष ज्वाला गुप्ता, ऊंटारी रोड मंडल अध्यक्ष रघुवीर चंद्रवंशी, नावा बाजार मंडल अध्यक्ष महादेव यादव, पंड़वा मंडल अध्यक्ष वशिष्ठ कुमार, हुसैनाबाद नगर मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता को बनाया गया।

वृद्धाआश्रम में डॉ अमरेंद्र कुमार ने की वृद्धों की आंखों की जांच, दी दवाएं

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा के निर्देश व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन के निर्देशन में गुरुवार को बारालोटा स्थित वृद्धाआश्रम में आंख जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में बृद्धाआश्रम में रह रहे वृद्धों के आंखों की जांच की। साथ ही दवा वितरण किया गया। मौके पर पारा लीगल वोलेंटियर ने वृद्धाआश्रम

में रह रहे लोगों से हाल-चाल जाना। साथ ही उनके समस्याओं से रूबरू हुए । चिकित्सकों ने उन्हें दवा के अलावे सुरक्षित रहने की सलाह दी। इस मौके पर डॉ शिल्पा हेम्ब्रम, बृद्धा आश्रम के कर्मी शनि ओझा, हर्षिता पांडेय, विजय श्रीवास्तव, गायत्री श्रीवास्तव व पारा लीगल वॉलिंटियर सतीश वैद्य व पंकज कुमार दुबे उपस्थित थे।

हजारीबाग में मिली पाल कालीन अति प्राचीन उमा महेश्वर की मूर्ति, सैकड़ों वर्ष पुरानी है प्रतिमा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड का हजारीबाग जिला एक ऐतिहासिक जिला है। इसकी मिट्टी में न जाने इतिहास के कितने पन्ने अभी भी छिपे हैं। कटकमदाग प्रखंड के गोदखर गांव के अंबेडकर नगर में खुदाई के दौरान एक अति प्राचीन मूर्ति मिली है। यह शायद 9वीं और 10वीं सदी के बीच की है. जाने-माने आर्कियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज मिश्रा ने इसका दावा किया है।

हजारीबाग एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर चर्चा में है। दरअसल, हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड के गोदखर गांव में खुदाई के दौरान पाल वंश के समय की एक अति प्राचीन मूर्ति, उमा

महेश्वर, मिली है। यह शायद 9वीं और 10वीं सदी के बीच की है। रांची यूनिट के जाने-माने आर्कियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज मिश्रा ने यह दावा किया है।

गोदखर गांव के अंबेडकर नगर की रहने वाली धनवा देवी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था। वह अपना आवास बनाने के लिए नींव के लिए जेसीबी से खुदाई करा रही थी। तभी उन्हें मिट्टी में दबी यह अति प्राचीन मूर्ति मिली। जैसे ही यह खबर पूरे इलाके में फैली, वहां के लोगों ने मुरारी सिंह को इसकी जानकारी दी। मुरारी सिंह ने रांची यूनिट के जाने-माने आर्कियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज मिश्रा को फोटो और वीडियो भेजे। फोटो और वीडियो देखने के बाद, उन्होंने यह नतीजा निकाला कि यह मूर्ति शायद 9वीं से 10वीं सदी की है, जो उमा महेश्वर की है।

मूर्ति मिलने से पूरे इलाके में चर्चा का बाजार गर्म है। जिसके जमीन से मूर्ति निकली है, उसने इसे अपने घर में संभाल कर रखा है और पूजा-पाठ भी शुरू कर दिया है। लोग इसे देखने के लिए उमड़ रहे हैं। गांव वालों का कहना है कि उन्हें गांव में एक मंदिर बनाकर उसकी प्राण-प्रतिष्ठा करनी चाहिए। कुछ लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अब आगे क्या होगा। एक स्थानीय व्यक्ति ने पूरी बात बताते हुए कहा कि जमीन की खुदाई के दौरान यह मूर्ति मिली है।

हजारीबाग के छड़वा डैम में अति प्राचीन अवशेष बिखरे पड़े हैं, जहां आर्कियोलॉजिस्ट स्टडी के लिए गए थे, लेकिन अभी तक यहां अन्वेषण का काम शुरू नहीं हुआ है। दूसरी ओर, हजारीबाग के बहुरनपुर में बुद्ध की एक अति प्राचीन मूर्ति मिली थी. ऐसे में यह क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टिकोण से बेहद समृद्ध है. सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि मिट्टी में दबी हजारों साल पुरानी धरोहर विश्व पटल के सामने आ सके।

झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आज पहुंचेंगे दुमका

राष्ट्रीय लोक अदालत का करेंगे वर्चुअल उद्घाटन, परिसंपत्तियों का भी करेंगे वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान शनिवार को दुमका पहुंचेंगे जहां वह राज्य भर के अदालतों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। साथ ही स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज कम एंपावरमेंट कैंप में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम शहर के कन्वेंशन हॉल में किया जा रहा है। इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दी जानकारी

दुमका व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधांशु कुमार शशि ने जानकारी दी कि झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान कल

दुमका आएंगे। यहां के कन्वेंशन हॉल में वे राज्य के सभी जिलों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम का वर्चुअल उदघाटन करेंग। साथ ही स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज कम एंपावरमेंट कैंप में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लोगों को विधिक जागरूकता के लिए कानूनी जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही सरकार के विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगा कर संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। लोगों को बताया जाएगा कि सरकार की जो योजनाएं चल रही हैं, आप उसका लाभ कैसे लें। इस मौके पर चीफ जस्टिस के साथ झारखंड उच्च न्यायालय के तीन जस्टिस न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश आनंदा सेन और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव भी मौजूद रहेंग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि कार्यक्रम की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें जिला प्रशासन का काफी सहयोग प्राप्त हुआ है।

डीसी-एसपी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने भी अपनी तैयारी की है। इसे लेकर जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा और एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी अधिकारियों को उनके ड्यूटी में सजग रहने का निर्देश दिया गया।

18 दिसंबर से स्कूली फुटबॉल इवेंट का आगाज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड को 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2025-26 के तहत स्कूल गेम्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एसजीएफआइ ने इस वर्ष फुटबॉल, तीरंदाजी, शतरंज, साइक्लिंग (ट्रैक एवं रोड) और हॉकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी प्रदान की है। इन सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से आयोजित होगा। प्रतियोगिताएं रांची के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव, बीआईटी मेसरा के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्टेडियम समेत अन्य स्टेडियम में आयोजित होगी। इसमें देश के सभी राज्यों और अलग अलग बोर्ड की 44 इकाइयों से खिलाड़ी भाग लेंगे।

साहिबगंज के पश्चिमी फाटक पर होगा आरओबी का निर्माण, चैती दुर्गा के पास का अंडरपास भी खुलेगा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। शहर में अक्सर लगने वाली जाम की समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन और रेलवे ने पहल की है। जल्द ही चैती दुर्गा के पास का अंडरपास खोल दिया जाएगा। छोटे वाहनों का इस मार्ग से परिचालन हो सकेगा। पूर्व में यह मार्ग चालू था जिसे बाद में बंद कर दिया गया था।

रेलवे क्रासिंग पर अक्सर लगने वाले जाम तथा रेलवे से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान के लिए शुक्रवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक हुई। जिसमें डीआरएम मनीष गुप्ता, एसपी अमित कुमार सिंह, झामुमो के केंद्रीय कमेटी सदस्य पंकज मिश्रा आदि शामिल हुए। इस

दौरान पूर्वी व पश्चिमी फाटक पर आरओबी के निर्माण में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा कुछ नई ट्रेनों के परिचालन पर भी चर्चा हुई। आरओबी के संबंध में पूछे जाने पर डीआरएम ने बताया कि रेलवे की ओर से इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जैसे ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया यहां के स्थानीय प्रशासन के द्वारा पूरी की जाएगी, रेलवे ओवर ब्रिज के टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर देगी। रेलवे स्कूल का भी डीआरएम ने जायजा लिया। उन्होंने बताया कि आगामी सेशन से लड़कियों का एडमिशन होगा। यह पूरी तरह से सीबीएससी बोर्ड हो चुका है। साहिबगंज जिले से संबंधित मुद्दों पर मालदा मंडल रेल प्रबंधक से विस्तार से चर्चा हुई। वार्ता काफी सकारात्मक रही। एक-दो माह में इसका परिणाम दिखेगा। कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त बोगियां जोड़ी जाएगी तो कुछ नए रूट पर ट्रेनों का परिचालन होगा, ऐसा आश्वासन डीआरएम ने दिया है। दोनों रेलवे क्रासिंग पर जल्द ही ओवरब्रिज का निर्माण शुरू होगा।

उपमुख्यमंत्री से रालोमो जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिला राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भेंट कर प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत बातचीत की। मुलाकात के दौरान सोनू कुशवाहा ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकासात्मक अभियानों और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास की तेजी से बढ़ती राह पर है और सरकार का प्रयास सराहनीय है। सोनू कुशवाहा ने नालंदा जिले में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान का मुद्दा भी प्रमुखता से

उठाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शहर को व्यवस्थित और सुगठित बनाना है, लेकिन इस प्रक्रिया में गरीब और जरूरतमंद परिवारों का विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि अतिक्रमण हटाने से पहले गरीब परिवारों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए। उनके लिए वैकल्पिक आजीविका संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे रोजगार और जीविकोपार्जन की समस्या से न जूझें। सोनू कुशवाहा ने कहा कि सरकार विकास कार्य के साथ-साथ सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता को भी प्राथमिकता दे रही है, ऐसे में गरीबों का हित सर्वोपरि होना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं के सम्मान और सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार की सफलता में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पल्स पोलियो अभियान को लेकर निकाली जागरुकता रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। 14 से 18 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से हिलसा प्रखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कुमार वरनाला के नेतृत्व में आशा व स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाल कर लोगों से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। रैली की शुरुआत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कैम्पस से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में आशा व स्वास्थ्य कर्मी हाथों में बैनर लिए नारे लगाते हुए क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों से गुजरते रहे। रैली के माध्यम से लोगों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पोलियो एक खतरनाक संक्रामक बीमारी है, जो बच्चों को आजीवन अपंग बना सकती है, लेकिन समय पर दी गयी पोलियो खुराक से इससे पूर्ण रूप से बचाव संभव है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कुमार वरनाला ने बताया कि 14 से 18 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायेंगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो की बूंदें पूरी तरह सुरक्षित व प्रभावी हैं, इसलिए हर परिवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे इस अभियान के दौरान अपनी खुराक अवश्य लें। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता तभी संभव है, जब सभी अभिभावक जिम्मेदारी के साथ स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग करेंगे। इस मौके पर आरआई के नोडल पदाधिकारी डॉ गौरी शंकर, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पूनम सागर, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक संजीव कुमार अकेला, एमएफपीडब्ल्यू रंजीत रंजन, डब्लूएओं दिनेश कुमार सिन्हा, निम्न वर्गीय लिपिक संजय कुमार सिन्हा, रंजीत कुमार, मुकेश कुमार इत्यादि शामिल थे।

दिल्ली में कांग्रेस की 'वोट चोर-गद्दी छोड' महारैली में पांच हजार से अधिक कार्यकर्ता होंगे शामिल

रांची/नबिटा ब्यूरो। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 14 दिसंबर (रविवार) को होने वाली कांग्रेस की 'वोट चोर-गद्दी छोड़' महारैली में शामिल होने के लिए झारखंड से कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का दिल्ली कूच शुरू हो गया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने राज्य से कम से कम पांच हजार कार्यकर्ताओं को रैली में शामिल कराने का लक्ष्य रखा है। विभिन्न साधनों से कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शुक्रवार को प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना हो गई। रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में वोटों की हेराफ़ेरी के जरिए भाजपा ने सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा हमारे नेता राहुल गांधी ने बिहार में 'वोट चोर-गद्दी छोड़' अभियान चलाया था, जिसे जबरदस्त सफलता मिली।

चालक को बाइक सवार युवकों ने मारा ताबड़तोड़ चाकू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा में एक युवक को ताबड़तोड़ चाकू मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया, जिसे चिंताजनक हालत में रेफर किया गया है। यह घटना जिले के हिसुआ थानाक्षेत्र के राजगीर रोड की है, जिसमें बताया गया कि ट्रैक्टर चालक युवक पर तीन हमलावरों ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, हमलावरों ने युवक के पेट में चाकू मारा और फिर सिर पर ईंट-पत्थर से भी वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए हिसुआ सामुदायिक अस्पताल लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए नवादा रेफर किया गया है।

घायल युवक की पहचान हिसुआ थानाक्षेत्र के नसरपुर फुलवरिया गांव

निवासी बंगाली यादव के 30 वर्षीय पुत्र केदार यादव के रूप में हुई है। यह घटना हिसुआ के राजगीर रोड स्थित फैमिली मेगा मार्ट के पास हुई। हमलावरों की पहचान नसरपुर फुलवरिया गांव के ही रामाशीष यादव, टेनी यादव और योगिंद्र यादव के रूप में हुई है। तीनों ने मिलकर केदार यादव पर हमला कर दिया। उन्होंने केदार को ट्रैक्टर से नीचे उतारा, उसके सिर पर पत्थर से वार किया और पेट में चाकू घोंप दिया। हमला करने के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। जब तक स्थानीय लोग कुछ समझ पाते और मदद के लिए पहुंचते, तब तक हमलावर भाग चुके थे। वहीं जख्मी युवक के परिजन ने आरोप लगाया है कि यह घटना का अंजाम जमीन विवाद को लेकर दिया गया है। हिसुआ अंचलाधिकारी सौरव सुमन और हिसुआ थानाध्यक्ष पर जख्मी के परिजन तथा पूर्व मुखिया कन्हैया कुमार बादल ने गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इनकी निष्क्रियता और पक्षपात के कारण ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ा है।

रोजगार मेला का आयोजन 13 दिसम्बर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, नवादा द्वारा श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आईटीआई) नवादा के प्रांगण में एकदिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में रस्तोगी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, छत्तीसगढ़ द्वारा मोबिलाइजर, जीडीए स्टाफ, मोबाइल तकनीशियन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन के कुल 70 पदों पर भर्ती हेतु रिक्तियों की अधिसूचना जारी की गई है। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं अथवा बारहवीं उत्तीर्ण निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थियों को 12,000 से 20,000 तक वेतन के साथ ईपीएफ, ईएसआईसी तथा आवास सुविधा उपलब्ध होगी तथा आयु सीमा 18 से 50 वर्ष तक निर्धारित की गई है। मोबिलाइजर पद का कार्यस्थल नवादा एवं पटना रहेगा, जबकि जीडीए स्टाफ, मोबाइल तकनीशियन एवं सहायक इलेक्ट्रिशियन पदों के लिए कार्यस्थल पूरे भारत में रहेगा। रोजगार कैम्प में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र की छायाप्रति, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो तथा बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि को संयुक्त श्रम भवन के प्रांगण में उपस्थित होना होगा। यह कैम्प पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक संचालित होगा। केवल वही अभ्यर्थी कैम्प में भाग ले सकेंगे जो नियोजनालय पोर्टल पर पूर्व से निबंधित हैं। जो अभ्यर्थी निबंधित नहीं हैं वे पोर्टल पर स्वयं अथवा जिला नियोजनालय, नवादा के माध्यम से अपना निबंधन कराकर कैम्प में भाग ले सकते हैं। नियोजक निजी क्षेत्र के हैं तथा नियोजन की शर्तों एवं नियमों के लिए वही उत्तरदायी रहेंगे; जिला नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विस्थापितों ने निकाली शव यात्रा

नबिटा ब्यूरो

बोकारो। जिले में डीपीएलआर के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ विस्थापित नौजवान संघर्ष मोर्चा के बैनर तले विस्थापितों ने बोकारो डीसी का पुतला बनाकर शव यात्रा निकाली, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पूर्व से घोषित कार्यक्रम के तहत निर्धारित विस्थापित बोकारो हवाई अड्डा के समीप भारी संख्या में लोग पहुंचे और शव यात्रा की तैयारी करने लगे। शव यात्रा निकालते तभी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में दलबल के साथ आए पुलिस के द्वारा यात्रा को रोक दिया गया। विस्थापित नेता अरूण कुमार महतो का आरोप है कि डीपीएलआर भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है जहां अधिकारी के द्वारा नियम विरूद्ध पर्चा काटा जा रहा है। विस्थापित नेता ने कहा कि प्रशासन के द्वारा शव यात्रा को रोक कर हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों को भी छीना जा रहा है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/719, दिनांक 11.12.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3512; कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के संवेदनशील एलसी गेट में सीसीटीवी की स्थापना के प्रस्ताव के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 4,87,076; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 9,800; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.01.2026 को 15.00 बजे। **क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3516; कार्य का नाम:** बीडब्ल्यूएन यार्ड में सीसीटीवी की स्थापना के प्रस्ताव के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 7,94,086; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 15,900; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 02.01.2026 को 15.00 बजे। **क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3569-आर2; कार्य का नाम:** (i) एईएन/बीडीसी के अधीन बीडीसी (3 अदद), एमवाईएम (1 अदद) एवं बीओआई (1 अदद) में 50000 गैलन क्षमता की आरसीसी ओएच टैंक द्वारा स्टील ओएच टैंक के प्रतिस्थापना के साथ पाइपलाइन एवं अन्य आनुषंगिक कार्यों के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (ii) एईएन/बीडब्ल्यूएन के अधीन बीडब्ल्यूएन (4 अदद) में 50000 गैलन क्षमता की आरसीसी ओएच टैंक द्वारा स्टील ओएच टैंक के प्रतिस्थापना के साथ पाइपलाइन एवं अन्य आनुषंगिक कार्यों के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (iii) डीईएन/1/एचडब्ल्यूएच के अधीन एलएलएच (2 अदद), एसएचई (1 अदद) एवं टीएके (1 अदद) में 50000 गैलन क्षमता की आरसीसी ओएच टैंक द्वारा स्टील ओएच टैंक के प्रतिस्थापना के साथ पाइपलाइन एवं अन्य आनुषंगिक कार्यों के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 30,65,655; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 61,300; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 01.01.2026 को 15.00 बजे। **समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 180 दिन। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-455/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डाटा आपरेटर को रिश्वत लेते निगरानी ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। विशिष्ट शिक्षकों से वेतन निर्धारण के नाम पर 14 हजार रिश्वत ले रहा अकोढ़ीगोला बीआरसी में तैनात कंप्यूटर डेटा ऑपरेटर चंदन कुमार शर्मा को निगरानी की टीम ने शुक्रवार को उसके आवास के पास से गिरफ्तार कर लिया। निगरानी टीम बीईओ के डेहरी स्थित आवास पर भी पहुंची जहां वे गायब मिले। यह कार्रवाई मध्य विद्यालय बांक के विशिष्ट शिक्षक सुनील कुमार की शिकायत पर हुई है। निगरानी डीएसपी विंध्याचल प्रसाद ने बताया कि 24 नवंबर को शिक्षक सुनील कुमार द्वारा विभाग को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया था कि उनका तथा अन्य नौ विशिष्ट शिक्षकों का वेतन निर्धारण करने के लिए प्रति शिक्षक 15 सौ रुपये की दर से कुल 15 हजार रुपये की रिश्वत बीईओ कार्यालय के ऑपरेटर चंदन कुमार द्वारा मांगी जा रही है।शिकायत की पुष्टि होने के बाद निगरानी विभाग द्वारा विशेष धावा टीम का गठन उनके नेतृत्व में किया गया। आज सुबह टीम ने अकोढ़ी गोला में गुड्डू कुमार के आवास के सामने

बीईओ हुए गायब

जहां कंप्यूटर ऑपरेटर रहता है वहां जाल बिछाई। शिक्षक सुनील कुमार को केमिकल लगे पांच सौ रुपये के नोट उपलब्ध कराए गए थे। चंदन कुमार शर्मा को जैसे ही शिक्षक 14 हजार रुपये रिश्वत दिए उसी समय उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

निगरानी डीएसपी ने बताया कि चंदन कई विशिष्ट शिक्षकों से वेतन निर्धारण की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर अवैध वसूली कर रहा था। टीम द्वारा मौके से आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण भी जब्त किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार डेटा ऑपरेटर ने बीईओ के लिए पैसा लेने की बात बताई है।

इसके बाद निगरानी की टीम उसे लेकर बीईओ प्रणव कुमार से पूछताछ के लिए उनके डेहरी स्थित आवास पर पहुंची। जहां बीईओ गायब मिले। बताया जाता है कि चंदन की गिरफ्तारी की भनक लगते ही बीईओ अपने घर से फरार हो गए। फिलहाल उनका मोबाइल बंद आ रहा है।

शिकायतकर्ता शिक्षक के अनुसार मध्य विद्यालय बांक के 10 विशिष्ट शिक्षकों का वेतन निर्धारण को लेकर 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। उन्होंने बीईओ से बात की तो उन्होंने ऑपरेटर चंदन कुमार से मिल लेने की बात कही। जिसकी जानकारी निगरानी को दी गई। बीईओ की कार्यशैली से परेशान शिक्षक तीन माह से निगरानी विभाग द्वारा उन्हें ट्रैप कराने का प्रयास कर रहे थे। दबी जुबान शिक्षकों का कहना है कि बस वे कुछ न कुछ कमी निकाल शिक्षकों को परेशान करते व उनका आर्थिक दोहन करते रहते थे। नियमानुकूल कार्य के लिए भी उनके कार्यालय में बिना चढ़ावा कुछ नहीं होता था। इसी बीच चुनाव हो जाने के कारण शिक्षक मौके की तलाश में लगे हुए थे। जिस विद्यालय के शिक्षक बीईओ को सबक सिखाने में लगे हुए थे, उसी विद्यालय में कार्यरत डेटा ऑपरेटर की पत्नी पूजा कुमारी को भी इस कार्रवाई की भनक नहीं थी। जब उन्हें अपने पति की रिश्वत लेते गिरफ्तारी की जानकारी हुई तो वह भी हतप्रभ रह गई।

शिक्षक ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। किशनगंज के एक सरकारी स्कूल में पदस्थापित शिक्षक 48 वर्षीय रामप्रवेश कुमार ने फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। वे मूल रूप से खगड़िया जिले के मोरकाही थाना अंतर्गत बछौता वार्ड नंबर आठ के रहने वाले थे। वे किशनगंज जिले के एक सरकारी स्कूल में शिक्षक पद पर तैनात थे।

स्वजनों ने बताया कि गुरुवार देर रात वे किशनगंज से घर आए थे। लोगों का कहना है कि खाना खाकर कमरे में सोने चले, पत्नी दूसरे कमरे में बच्चों के साथ सोई थी। सुबह उठने पर देखा कि रामप्रवेश कुमार पंखे की कुंडी में फंदा लगाकर लटके हुए हैं।

घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया। लोगों की भीड़ लग गई। लोग तरह-तरह की चर्चा करते नजर आ रहे थे। मोरकाही पुलिस भी पहुंची और आरंभिक तौर पर स्वजनों से पूछताछ बाद पोस्टमार्टम हेतु शव को सदर अस्पताल भेज दिया गया।

पति को सोता छोड़ पत्नी हुई प्रेमी के साथ फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगहा। पुलिस जिले के धनहा थाना क्षेत्र के एक गांव से एक महिला पति को बिस्तर पर छोड़ कर प्रेमी के साथ नकद व गहना लेकर फरार हो गई है। इस संबंध में उक्त महिला के पति ने धनहा थाने में प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसके प्रेमी के साथ उसकी पत्नी को नामजद किया है।

दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि घटना दो दिसम्बर की रात है। जब पति-पत्नी रात में खाना खाने के बाद सो गए तो देर रात बाद पत्नी उसे छोड़ कर अपने प्रेमी व मुसहरी निवासी विजय कुशवाहा के साथ फरार हो गई।

प्राथमिकी में यह भी बताया गया है कि उसकी पत्नी डेढ़ लाख का गहना के साथ 50 हजार रुपये नकद भी लेकर गई है। सुबह होने पर उसकी खोजबीन किया तो जानकारी मिली उसे विजय कुशवाहा अपने साथ

लेकर फरार हुआ है। जिसमें विजय की पत्नी मधु देवी भी शामिल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरी ओर, पठखौली थाने के डुमवलिया मोहल्ले में रास्ते से कुर्सी नहीं हटाने को लेकर मारपीट की घटना घटित हुई है। इस संबंध में बेतिया के मटियरिया थाने के महुई निवासी अरुण कुमार महतो ने एससीएसटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए नरईपुर निवासी मुन्ना यादव, विक्की यादव आदि को नामजद किया है। जिसमें आरोप है कि आठ दिसम्बर की सुबह अरुण कुमार महतो अपने किराया के मकान पारस नगर से अपने दोस्त व डुमवलिया निवासी राहुल कुमार दूबे के घर गया था।

उसी दौरान उक्त लोग वहां पहुंचे और उनके साथ मारपीट करने लगे। मारपीट होने के कारण यह है कि सात दिसम्बर को दोनों लोग राहुल कुमार दूबे के घर से बाइक से कही जा रहे थे। उसी दौरान मुन्ना यादव व अन्य लोग रास्ते पर कुर्सी लगाकर बैठे थे। जिससे बाइक को निकलने में परेशानी हो रही थी। जिसे देख राहुल ने कुर्सी को हटाने को कहा तो उसी क्रम में दोनों तरफ से विवाद हुआ था।

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बहेरा थाना क्षेत्र में गोसाईडीह के पास चल रहा अवैध नर्सिंग होम में इलाज के दौरान हुई लापरवाही से 25 वर्षीय कविता देवी की मौत हो गई। मामला सामने आने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतका के पति नकुल कुमार झारखंड के हंटरगंज थाना के, नावाडीह निवासी ने बहेरा थाना में गुरुवार को आवेदन देकर क्लीनिक संचालकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

नकुल कुमार के अनुसार वे अपनी पत्नी कविता को उपचार के लिए क्लीनिक में भर्ती कराए थे। यहां स्व घोषित चिकित्सक धीरज कुमार भारती और सुमित्रा यादव द्वारा बिना किसी जांच-पड़ताल और कागजी प्रक्रिया के बेहोशी का इंजेक्शन देकर बच्चेदानी का ऑपरेशन कर दिया गया।

परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद कविता को होश नहीं आया। बार-बार पूछने पर भी दोनों चिकित्सक केवल आश्वासन देते रहे, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ती गई। रात में हालत गंभीर होने पर दोनों चिकित्सक अपने वाहन स्कॉर्पियो से कविता को मगध मेडिकल कॉलेज लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों लोग मौके से फरार हो गए। परिजन जब एम्बुलेंस से वापस क्लीनिक पहुंचे तो क्लीनिक बंद मिला।

सूचना पर बहेरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्लीनिक को सील कर दिया और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई। जांच में अवैध पैथोलॉजिकल और अल्ट्रासाउंड संचालन से जुड़े कागजात भी बरामद हुए। प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि फरार दोनों चिकित्सक और सहयोगियों की तलाश जारी है। मामले में दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बालू के अवैध खनन को ले शीतयुद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के बीच बालू के अवैध खनन को लेकर शीतयुद्ध चल रहा है। दोनों आमने-सामने की लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं, लेकिन अवैध खनन के मामले में एक दूसरे के विभागों को संकेत में जिम्मेवार भी ठहरा रहे हैं। सम्राट गृह मंत्री हैं। इसी विभाग को कानून व्यवस्था की जवाबदेही है। पुलिस उन्हीं के पास है। सिन्हा खनन एवं भूतत्व विभाग के मंत्री हैं। वे पुलिस पर बालू माफियाओं की मदद करने का खुला आरोप लगा रहे हैं। इसी बुधवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आर्थिक अपराध इकाई में एक टास्क फोर्स का गठन किया। इसे बालू के अवैध कारोबार के अलावा जमीन माफिया की संपत्ति और गठजोड़ का पता लगाने की जिम्मेवारी दी गई है।

टास्क फोर्स का नेतृत्व डीआईजी डॉ. मानवजीत सिंह ढिल्लो कर रहे हैं। टीम में एसपी राजेश कुमार, के अलावा चार डीएसपी औरपांच

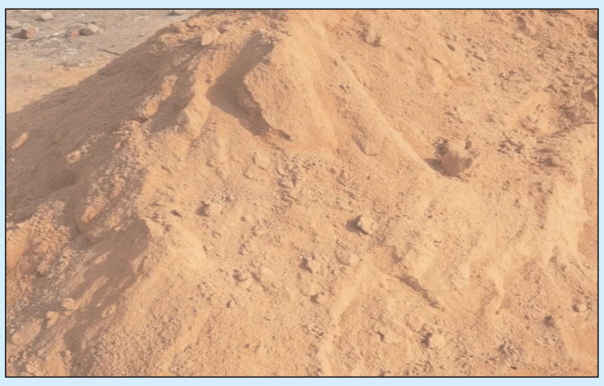

इंस्पेक्टरों को शामिल किया गया है। बालू माफियाओं पर कार्रवाई के लिए खनन एवं भूतत्व विभाग में भी एक विकसित तंत्र है। इसके अगले दिन गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने संवाददाता सम्मेलन बुलाया। आरोप लगाया कि कुछ थाना क्षेत्रों में बिना नंबर प्लेट वाले बालू लदे ट्रैक्टर आसानी से निकल जा रहे हैं। गृह विभाग को इस मामले में विशेष रूप से सक्रिय भूमिका निभाने और पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि बालू के अवैध कारोबार में थाना, प्रखंड या अंचल की संलिप्तता सामने आती है, तो तुरंत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कहा है कि खनन विभाग की टीम को हर जिले से पर्याप्त सहयोग मिले। शिकायत मिले तो तुरंत कार्रवाई हो। कुल मिलाकर ही बालू के अवैघ खनन को लेकर दोनों उप मुख्यमंत्रियों का विभाग अलग-अलग अभियान चला रहा है, क्योंकि अतीत में दोनों विभागों- पुलिस और खनन के अधिकारियों का नाम बालू के खेल में आता रहा है। गृह और खनन मंत्रालय की जिस तरह अलग-अलग तैयारी हो रही है, भविष्य में इन दोनों के बीच टकराव की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा पहली बार 17 मार्च 2021 को विधानसभा में टकराए थे। उन दिनों सिन्हा विधानसभा अध्यक्ष और सम्राट पंचायती राज मंत्री थे। सिन्हा का कहना था कि पंचायती राज विभाग से समय पर प्रश्नों का आनलाइन उत्तर नहीं आता है। चौधरी कह रहे थे कि उत्तर समय पर आता है। आज भी आता है। सिन्हा ने प्रतिवाद किया। सम्राट बोले-ज्यादा व्याकुल नहीं होना है।सिन्हा ने चौधरी से अपने शब्द वापस लेने को कहा। चौधरी अड़ गए। सिन्हा अध्यक्ष के आसन से उठ कर अपने कक्ष में चले गए। बाद में सम्राट के कहा कि विस अध्यक्ष को आहत करने का उनका कोई इरादा नहीं है।

2908 अपात्र कार्ड धारियों को जारी हुआ नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अपात्र लोगों द्वारा गलत जानकारी देकर बनाए गए राशन कार्डों पर अब प्रशासन सख्त हो गया है।

कोईलवर प्रखंड में ऐसे लाभार्थियों की पहचान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जिनके पास पात्रता नहीं होने के बावजूद वे सरकारी अनाज का उठाव कर रहे थे।

प्रखंड के 122 पीडीएस दुकानों में 35 हजार 6 सौ 38 कार्डधारी है। जिनमें 2908 राशन कार्डधारकों को अपात्र की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी भोजपुर द्वारा ऐसे कार्डधारकों को नोटिस भेजकर उनका राशन कार्ड विलोपित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जारी लिस्ट में तीन पहिया, चार पहिया वाहन रखने वाले, परिवार के किसी सदस्य का दस हजार से ऊपर मासिक आय, टैक्स पेयर, पांच कमरे का पक्का मकान, केसीसी धारक, सरकारी सेवक, एक लाख बीस हजार से अधिक आय वाले कार्डधारक या सदस्य राशन लेने की श्रेणी में नहीं आते हैं, जो सही जानकारी को छिपा कर लंबे समय राशन का उठाव कर रहे थे।

एमओ ने बताया कि जो 2908 कार्डधारक और उनके सदस्य इस श्रेणी में आते है, उन्हें अनुमंडलाधिकारी, आरा द्वारा नोटिस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। नोटिस मिलने के बाद ऐसे कार्डधारकों को एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण देना होगा। जवाब नहीं देने पर उनका राशनकार्ड को निरस्त कर उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

जिसे लेकर प्रखण्ड आपूर्ति कार्यालय कोईलवर में एमओ द्वारा पीडीएस दुकानदारों को ऐसे कार्डधारकों नोटिस भरने का निर्देश दिया गया है। जिस नोटिस को दिसम्बर महीने के अंत तक भेजा जायेगा।

एमओ मनीषा सिंह ने बताया कि कार्रवाई पूरी होने के बाद वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को लाभ सुनिश्चित करने के लिए नई सूची को अपडेट किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस में आंतरिक खींचतान से पार्टी हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस इन दिनों आंतरिक खींचतान के कारण असहज स्थिति से गुजर रही है। पार्टी के वरिष्ठ और प्रभावी नेताओं के बीच जारी बयानबाजी, कटाक्ष और सार्वजनिक मंचों पर हो रही तकरार ने संगठन की एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विधानसभा के भीतर और बाहर लगातार सामने आ रहे मतभेदों ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भी चिंतित कर दिया है, जिसके बाद अब दिल्ली में समन्वय बैठक बुलाने की तैयारी शुरू हो गई है।

विधानसभा के शीत सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के साथ कांग्रेस कोटे से सरकार में शामिल मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के बीच सवाल-जवाब को लेकर तकरार हुआ। इससे कांग्रेस असहज स्थिति में है।

इस तरह की घटनाओं से न सिर्फ सत्तारूढ़ गठबंधन बल्कि विपक्ष भी कांग्रेस की आंतरिक कमजोरी को भुनाने में लगा है।

सदन के बाहर भी कई बार मीडिया के सामने दिए गए बयानों में परस्पर विरोधाभास देखने को मिला है, जिसने नेतृत्व की परेशानी बढ़ा दी है।

झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मध्यस्थता की कोशिशें शुरू की हैं। संगठन में समन्वय की जिम्मेदारी संभालने वाले कुछ नेताओं ने सभी पक्षों से बातचीत की है ताकि विवाद को बढ़ने से रोका जा सके। इन प्रयासों के बावजूद परिस्थितियों में जल्दी सुधार नहीं हुआ है, जिसके चलते अब पार्टी का राष्ट्रीय आलाकमान खुद दखल देने की तैयारी में है।

जल्द ही झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को दिल्ली तलब किया जा सकता है, जहां पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी बात सुनी जाएगी और आपसी मतभेद दूर करने की कोशिश की जाएगी। पार्टी चाहता है कि आगामी चुनावी वर्ष को देखते हुए संगठन में अनुशासन और एकजुटता कायम रहे।

केंद्रीय नेतृत्व साफ कर चुका है कि आंतरिक विवाद सार्वजनिक रूप से नहीं आने चाहिए और किसी भी तरह की असहमति को पार्टी मंच पर ही सुलझाया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन की राजनीति पर निर्भर है। ऐसे में पार्टी के भीतर उभर रहे ऐसे विवाद उसकी स्थिति को और कमजोर कर सकते हैं। यदि समय रहते विवाद नहीं सुलझे तो इसका असर आने वाले दिनों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

फिलहाल कांग्रेस आलाकमान पर सबकी नजरें टिकी हैं, जो यह तय करेगी कि झारखंड कांग्रेस अपनी आंतरिक चुनौतियों से कैसे निपटती है और संगठन में एकजुटता बहाल हो पाती है या नहीं?

बीडीओ ने किया विद्यालय का निरीक्षण

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर प्रखंड के जाकर धर्मपुर पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय छावनी का शुक्रवार को बीडीओ आलोक कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की उपस्थिति, पढ़ाई की स्थिति, मध्यान्ह भोजन, भवन व्यवस्था तथा साफ-सफाई सहित विभिन्न बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई बीडीओ आलोक कुमार ने विद्यालय में शिक्षण कार्य को और अधिक बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर की जांच कर शिक्षकों को नियमित रूप से समय पर विद्यालय पहुंचने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से निरंतर संवाद बनाने का की बात कही। निरीक्षण के क्रम में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता और भंडारण व्यवस्था को भी देखा गया। बीडीओ ने रसोईघर की साफ-सफाई और मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने स्कूल परिसर की स्वच्छता पर असंतोष जताते हुए तत्काल सुधार करने को कहा।

प्रॉपर्टी डीलर की अपहरण के बाद हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में एक प्रॉपर्टी डीलर की अपहरण के बाद निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। शुक्रवार की देर रात युवक का शव बिहार थाना क्षेत्र स्थित डॉक्टर कॉलोनी (चुना गली, गढ़पर) के एक मैदान में संदिग्ध स्थिति में मिला। मृतक की पहचान 23 वर्षीय मंटू कुमार उर्फ गोलू, निवासी कोकलक चक, नूरसराय के रूप में की गई। वह पिछले करीब दो महीने से धनेश्वर घाट मोहल्ले में किराए के एक मकान में रह रहा था और स्थानीय स्तर पर प्रॉपर्टी का काम करता था।

परिजनों ने बताया कि मंटू कल शाम से लापता था। देर रात किसी ने स्वजन को फोन कर मैदान में शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मंटू को मृत अवस्था में देखा तो चीख-पुकार मच गई।

परिवार का कहना है कि मृतक के शरीर पर जगह-जगह गंभीर चोटों के निशान हैं, विशेषकर पीठ, हाथ और पैरों पर गहरे काले निशान दिखाई दे रहे हैं।

इससे आशंका है कि उसकी हत्या से पहले बदमाशों ने हाथ-पैर बांधकर बेरहमी से पिटाई की और प्रताड़ित किया। परिवार ने आशंका जताई है कि प्रॉपर्टी विवाद या किसी पुराने झगड़े को लेकर उसकी अपहरण कर हत्या की गई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, शव को रात के अंधेरे

में मैदान के बीचोंबीच फेंका गया है, जिससे साफ जाहिर होता है कि बदमाश घटना को अंजाम देने के बाद जल्दबाजी में वहां से फरार हुए होंगे।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने बताया कि अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से औपचारिक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और मृतक के संपर्क सूत्रों के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई तेज की जाएगी। हत्या की इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई है और लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

धारदार हथियार से हमला, इलाज के दौरान मौत

अररिया। शुक्रवार की अहले सुबह भरगामा थाना क्षेत्र के भरगामा पंचायत के वार्ड-4 (संथाल टोला) निवासी 60 वर्षीय उपेन्द्र हैम्ब्रम को भैंस चराने के दौरान अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से सर पर प्रहार कर घायल कर दिया। परिजनों द्वारा घायल उपेन्द्र हैम्ब्रम को ईलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सक उपेन्द्र हैम्ब्रम की हालत गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार घायल की मौत अररिया अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। सूचना मिलने के बाद भरगामा थाना पुलिस उपेन्द्र हैम्ब्रम के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने हेतु अररिया भेज दिया है। घटना के मद्देनजर मृतक उपेन्द्र हैम्ब्रम का छोटा भाई की पत्नी सुर्यमुनी देवी ने भरगामा थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई है। घटना के संन्दर्भ में बताया जा रहा है कि उपेन्द्र हैम्ब्रम शुक्रवार की अहले सुबह भैंस चराने घर से पश्चिम बांध पर गया था। इसी क्रम में तीन अज्ञात अपराधियों ने उपेन्द्र हैम्ब्रम से जोर जबरदस्ती भैंस छीन लिया। विरोध करने पर अपराधियों ने जान मारने की नियत से धारदार हथियार से सर पर प्रहार किया।

नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

फर्जी नियुक्ति पत्र से कराया योगदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। रेलवे में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के बदमाशों ने नगर थाना क्षेत्र के वार्ड 40 सर्वोदय नगर निवासी बेरोजगार युवक को 3 लाख 20 हजार का चूना लगाया है। ठगों ने 3.20 लाख रुपये लेकर युवक को फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया और हावड़ा के लिलुआ वर्कशॉप में योगदान भी करा दिया। वर्कशॉप में कार्यरत अन्य कर्मियों द्वारा उनकी नियुक्ति का सत्यापन नहीं होने पर रेलवे निगरानी विभाग से न्याय की गुहार लगाई गई।

सर्वोदय नगर निवासी अरुण कुमार सिंह के पुत्र सुमन कुमार ने नगर थाना में पश्चिम बंगाल राज्य के कोलकाता स्थित बालीगंज रास बेहरी रोड निवासी कबीर दास व शेख अब्दुल मलिक को नामजद आरोपित बनाया है।मिली जानकारी के अनुसार, कोलकाता निवासी दोनों आरोपितों ने बीते वर्ष सर्वोदय नगर आकर सुमन कुमार को रेलवे में नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगी की। सुमन ने दो सितंबर 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक ठगों के बताए खाते में 10 बार में तीन लाख 20 हजार रुपये जमा करा दिया।

ठगों ने लिए गए रुपये के एवज में उन्हें रेलवे का फर्जी नियुक्ति पत्र भेजा, इसमें हावड़ा के लिलुआ वर्कशॉप में योगदान का निर्देश था। दोनों ठगों ने उन्हें लिलुआ वर्कशाप में योगदान भी कराया लेकिन इसके बाद फरार हो गए।वर्कशॉप में कार्यरत कर्मियों व अधिकारियों ने सत्यापन में नियुक्ति पत्र फर्जी पाया और इसके बाद युवक ने रेलवे निगरानी से संपर्क किया। रेलवे निगरानी की सलाह पर ही सुमन ने नगर थाना पहुंच ठगी की प्राथमिकी अंकित कराई है। पुलिस आरोपितों के मोबाइल नंबर के आधार पर उनका सुराग तलाश रही है।

ठंड में अलाव के लिए तरस रहे गोड्डावासी, लगा रहे गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान नौ डिग्री तक पहुंच गया है। कड़ाके की ठंड में भी ईसीएल की राजमहल परियोजना अबतक जनता के लिए अलाव की व्यवस्था को कोयला उपलब्ध नहीं करा रही है।

जबकि गोड्डा नगर परिषद की मानें तो अब तक दो बार पत्र देकर कोयला की मांग ईसीएल से की जा चुकी है। ईसीएल प्रबंधन इस पर कोई पहल नहीं कर रहा है। अबतक कोयला नहीं मिला है जिसके कारण गोड्डा शहर के चौक-चौराहों पर अबतक कोयला से अलाव नहीं जल पा रहा है।

वहीं कोयला न मिलने की स्थिति में नगर परिषद ने शहर के चार पांच चौक-चौराहों पर लकड़ी से अलाव जलाना शुरू किया है जो नाकाफी साबित हो रहा है। वहीं दूसरी ओर ईसीएल की राजमहल परियोजना से हर दिन जुगाड़ गाड़ी,

9 डिग्री पहुंचा पारा

मोटरसाइकिल,साइकिल सहित अन्य स्त्रोत से प्रतिदिन सैकड़ों टन कोयले की चोरी हो रही है।

इसे रोकने में नाकाम ईसीएल प्रबंधन आम जनता के अलाव के कोयला देने में आनाकानी कर रहा है। इसे लेकर लोगों में काफी नाराजगी है। यही नहीं गोड्डा नगर परिषद क्षेत्र होकर भी हर दिन दर्जनों मोटरसाइकिल चोरी के कोयला की ढुलाई हो रही है लेकिन एक्शन जीरो है।

वहीं समाजसेवी सौरभ पराशर उर्फ बच्चू झा ने ईसीएल के इस कृत्य की कड़ी आलोचना की है व कहा है कि बड़े लोगों व बड़े कंपनी के लिए ईसीएल समय पर कोयला दे रही है और आम जनता के अलाव के लिए ईसीएल कोयला देने में आनाकानी कर रहा है जो निंदनीय है जबकि कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

पत्नी ने लगाया हत्या की साजिश का आरोप

भागलपुर। जिले की ओद्योगिक थाना क्षेत्र के ज्योति बिहार कालोनी में रह रही रूबी देवी ने अपने पति राम निवास कुंवर पर दूसरी शादी कर लेने और उसकी हत्या कराने की साजिश रचने का आरोप लगा केस दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नीरज कुमार के समक्ष पति की शिकायत लेकर पहुंची रूबी देवी ने महिला पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में थानाध्यक्ष को जानकारी दी कि उसके पति उसके रहते दूसरी शादी कर ली है। पति नवगछिया के गोपालपुर सैदपुर के रहने वाले हैं। उसकी शादी 1999 में 10 तोले सोने समेत अन्य सामानों को उपहार के रूप में उसके घर वालों ने पति को दी थी।शादी बाद ससुराल पहुंची और कालांतर एक पुत्र पैदा लिया। उसके बाद उसके पति राम निवास कुंवर ने दूसरी शादी कर ली। उसे घर पर ही रखने लगे। विरोध करने पर पति, सौतन, देवर राम उदित कुंवर उर्फ पप्पू, गोतनी पप्पी देवी, भगनी कुमकुम कुमारी, भगनी के पति उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। तब जब वह उक्त घटनाक्रम की रिपोर्ट थाने में की तो पति समेत ससुराल वालों ने इस बात के लिए सामाजिक स्तर पर समझौता कराया कि वह उसे पूरे मान-सम्मान के साथ रखेंगे।

जदयू ने चार जिला अध्यक्षों को हटाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चुनाव में दल व गठबंधन के साथ खड़ा नहीं रहने के आरोप में जदयू ने शुक्रवार को अपने चार जिलाध्यक्षों को पदमुक्त कर दिया। जिन जिलों के जदयू जिलाध्यक्षों को हटाया गया है उनके विरुद्ध संबंधित जिले में स्थित विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जदयू के प्रत्याशियों ने पार्टी को लिखित रूप से शिकायत की थी।

जदयू ने बगहा, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय व भोजपुर जिले में नए जिला अध्यक्ष की तैनाती कर दी। इन्हें कार्यकारी अध्यक्ष का जिम्मा दिया गया है।बगहा में पूर्व विधायक प्रभात रंजन, पूर्वी चंपारण जिले में रतन सिंह पटेल, बेगूसराय में पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय तथा भोजपुर में भीम सिंह पटेल को जदयू का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

जदयू सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिन जिलाध्यक्षों के खिलाफ शिकायत की गयी थी उन्हें जदयू ने प्रदेश कार्यालय में सुनवाई के लिए बुलाया था। कई जिलाध्यक्षों की सुनवाई अभी नहीं हुई है।

आरंभिक रिपोर्ट के आधार पर जिन जिलाध्यक्षों को हटाया गया है उन पर अंतिम सुनवाई के बाद आरोप सिद्ध होने पर दल से बाहर किए जाने की भी कार्रवाई हो सकती है।

जदयू के संबंधित पदाधिकारी ने कहा कि जिन लोगों ने पार्टी को परिवाद पत्र दिया है उन्हें बुलाकर इस बाबत गठित कमेटी बात भी कर रही है। जिनके खिलाफ आरोप है उन्हें भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा।

CMYK

नेशनल मखाना बोर्ड की पहली बैठक में मखाना क्षेत्र के समग्र विकास हेतु महत्वपूर्ण निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। नेशनल मखाना बोर्ड की पहली बैठक 12 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव देवेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बिहार के कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार और बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर के कुलपति डी. आर. सिंह सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। यह बैठक भारत में मखाना क्षेत्र के वैज्ञानिक, तकनीकी और बाजार उन्मुख विकास की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण आधारशिला मानी जा रही है। बैठक में केंद्रीय मखाना विकास योजना और नेशनल मखाना बोर्ड के क्रियान्वयन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की गई। राज्यों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा विभिन्न घटकों पर बजट आवंटन को मंजूरी दी गई। निर्णयों में मखाना उत्पादन बढ़ाने, तकनीक हस्तांतरण, बाजार विस्तार, सब्सिडी प्रावधान, स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं जिनसे किसानों और नए उद्यमियों को सीधे लाभ मिलेगा। बैठक में राज्यों की बीज आवश्यकता को एकीकृत करने और गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराने के लिए बिहार के सबौर स्थित कृषि विश्वविद्यालय और अन्य शोध संस्थानों की प्रमुख भूमिका पर जोर दिया गया। राज्य कृषि विश्वविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और एनआरसी मखाना दरभंगा को विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षणकर्ताओं को मखाना मूल्य श्रृंखला की नवीनतम तकनीकों पर प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी सौंपी गई जिससे पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों क्षेत्रों में उत्पादन का दायरा बढ़ सके। बोर्ड ने मखाना आधारित आवश्यकता-आधारित अनुसंधान, उन्नत खेती और प्रसंस्करण तकनीक, ग्रेडिंग, ड्राइंग, पॉपिंग और पैकेजिंग के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, बाजार संबंध और निर्यात अवसरों को मजबूत करने पर विशेष बल दिया। इन प्रयासों से मखाना उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी घरेलू तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने का लक्ष्य तय किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा 15 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के बाद 2025-26 के केंद्रीय बजट में की गई घोषणा को अब पूर्ण रूप दिया जा रहा है। सरकार ने 476.03 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक संचालित होने वाली केंद्रीय मखाना विकास योजना को मंजूरी दी है। इस योजना से अनुसंधान, बीज उत्पादन, किसानों की क्षमता वृद्धि, कटाई और प्रसंस्करण तकनीक, मूल्य संवर्धन, विपणन और निर्यात को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक ने भारत के मखाना क्षेत्र के लिए एक समन्वित, वैज्ञानिक और बाजार उन्मुख विकास का व्यापक रोडमैप तैयार किया है, जिससे आने वाले वर्षों में मखाना उद्योग को नई गति और वैश्विक पहचान प्राप्त होने की उम्मीद है।

विमला फाउंडेशन ने किया पर्यावरण कल्याण एवं उत्तम स्वास्थ्य विषय पर सेमिनार का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विमला फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर (राज्य स्वास्थ्य समिति), शास्त्री नगर, पटना में 'पर्यावरण कल्याण एवं उत्तम स्वास्थ्य' विषय पर एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर विमला फाउंडेशन ने लेमन एंटरटेनमेंट और अर्बन औरा के साथ मिलकर भविष्य में सामाजिक सरोकारों को एक व्यापक अभियान के रूप में आगे बढ़ाने की अपनी योजना साझा की। विमला फाउंडेशन के सचिव आशुतोष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक समाज में स्वास्थ्य और पर्यावरण एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं, इसीलिए सामूहिक प्रयास ही सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। विमला फाउंडेशन के सचिव आशुतोष कुमार ने कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में पर्यावरण और स्वास्थ्य के विषयों पर सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त हो सके। सेमिनार में पहुंचे वक्ता वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन सिंह ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण को व्यापक मुहिम के तौर पर चलाना होगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि हम स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल और हरित परिवेश चाहते हैं तो हमें आज ही छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे। उन्होंने प्लास्टिक उपयोग में कमी, पौधरोपण, जल संरक्षण और शहरी कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अगले वक्ता के तौर पर भाजपा नेता व मेयर प्रतिनिधि शिशिर कुमार ने स्वास्थ्य और पर्यावरण के परस्पर संबंधों पर कहा कि दूषित पर्यावरण सीधे हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता, फेफड़ों के स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को प्रभावित करता है। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है जब हमारे आसपास का पर्यावरण भी स्वस्थ हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम के पर्यावरण संरक्षण अभियान में लोग सतत उनका सहयोग करें। अगली वक्ता के तौर पर राज्य स्वास्थ्य समिति एवं परिवार कल्याण संस्थान की निदेशक डॉ पूनम रमण ने सामुदायिक भागीदारी और जन-जागरूकता को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलाव सरकारें नहीं, समाज मिलकर लाता है। जब युवा, महिलाएं, स्थानीय संगठन और आम लोग एक साथ खड़े होते हैं, तब पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में स्थायी परिवर्तन दिखाई देता है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के निधन पर राजेश राम सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के पूर्व गृहमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता शिवराज पाटिल का 90 वर्ष की आयु में आज लातूर, महाराष्ट्र में निधन हो गया। उनके निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से हमने अपना अभिभावक खो दिया। दुःख के इस घड़ी में बिहार कांग्रेस परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें हिम्मत दें। मृत आत्मा की शांति की कामना करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नगर पालिका से अपनी सियासी पारी शुरू करने वाले दिवंगत नेता शिवराज पाटिल ने संसद तक का सफर तय किया। केंद्र में मंत्री बनने से लेकर लोकसभा के स्पीकर और राज्यपाल तक रहे। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज घर पर ही चल रहा था। सत्तर के दशक में सियासत में कदम रखा और विधायक से लेकर सांसद और देश के गृहमंत्री बनने तक का सफर तय किया। फर्श से अर्श तक का सियासी सफर तय किया और राजनीति की बुलंदी तक पहुंचे। वे साफ-सुथरी छवि के नेता रहे। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी, स्व. राजीव गांधी और स्व. डॉ. मनमोहन सरकार में वे मंत्री रहे। इसके अलावे पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक भी रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके निधन की निकट भविष्य में पूर्ति नहीं हो सकती। शोक व्यक्त करने वाले प्रमुख नेताओं में विधान परिषद में दल के नेता व पूर्व अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, कपिलदेव प्रसाद यादव, अजय चौधरी, प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, असित नाथ तिवारी सहित अन्य नेतागण है।

एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स सफलतापूर्वक किया पूरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2025 के चौथे संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया जिसमें छह सेक्टर के 10 विजेताओं और उभरती महिला फाउंडर्स के लिए दो स्पेशल रिकग्निशन अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2025 को एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी एएमसी ने मिलकर आयोजन किया था जिसमें ग्रुप की दूसरी कंपनियों- एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एर्गो, एचडीएफसी सिक्योरिटीज और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट किया। इस एडिशन में देश के 290 से ज्यादा शहरों के 1600 से अधिक स्टार्टअप्स ने रूचि दिखाई थी। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड (ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर) आशीष पार्थसारथी ने कहा कि आज यहां स्टार्टअप्स को पहचान देना और भारत की अगली पीढ़ी की कॉर्पोरेशन बनने की उनकी यात्रा में उनका सपोर्ट करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

हर आपदा में मदद के लिए तैयार हैं आपदा मित्र : सूर्यकांत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, मेरा युवा भारत एवं बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 125 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। राज्यनिदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि मेरा युवा भारत युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत बड़ा मंच है। आपदा मित्र किसी भी आपात स्थिति में लोगों को मदद करेंगे और आपदा के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सूबे के युवाओं से आह्वान किया कि आप माय भारत पोर्टल पर अपना निबन्धन आवश्य करायें। एसडीआरएफ के प्रशिक्षक राहुल कुमार ने बाढ़ और भूकम्प से बचाव के विषय पर विस्तार से बताया और बचाव के उपाय पर बल दिया। प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ युवा मंडल पुरुस्कार से सम्मानित प्रेम यूथ फाउंडेशन के दो दर्जन से अधिक स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। मौके पर प्रशिक्षक योगेंद्र प्रसाद, कार्यक्रम समन्वयक प्रियंका कुमारी, आपदा मित्र आर्यन रंजन, सुजीत कुमार, प्रिंस कुमार, कृति, संगीत, सपना, दिव्या, तन्नू, आयुष, हिमांशु समेत सैकड़ों आपदा मित्र शामिल हैं।

बिहार में जैविक कृषि का विस्तार,जैविक कॉरिडोर योजना बनी किसानों की नई पहचान

गंगा किनारे के खेती क्षेत्रों में पर्यावरण-सुरक्षित कृषि मॉडल को नई रफ्तार : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि राज्य में जैविक कृषि को बढ़ावा देने हेतु जैविक कॉरिडोर योजना के तहत किसानों एवं किसान समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर जैविक खेती की जा रही है। इन सभी किसानों को प्रथम वर्ष का सी-1 प्रमाण-पत्र बसोका द्वारा निर्गत किया जा चुका है तथा द्वितीय वर्ष का सी-2 प्रमाणन जारी करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। व्यक्तिगत किसानों को प्रोत्साहन के रूप में ग्यारह हजार पांच सौ रुपये प्रति एकड़ (अधिकतम 2.5 एकड़) तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही विपणन, ब्रांडिंग, दस्तावेजीकरण, ई-कॉमर्स एवं स्टार्ट-अप नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए भी सहायता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा बिहार राज्य जैविक मिशन का गठन कर जैविक खेती की आधारभूत संरचना को मजबूत बनाया गया है। पटना के फतुहा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में आदर्श जैविक प्रक्षेत्र स्थापित किया गया है जहां किसान जैविक खेती की प्रक्रियाओं, तकनीकों और बाजार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार जैविक उत्पादों की गुणवत्ता, मानकीकरण और मूल्य संवर्धन के प्रति अत्यंत संवेदनशील है तथा किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण, किसान चौपाल और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर क्षमता वर्धन किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य के 38 जिलों में वर्मी कम्पोस्ट एवं बायोगैस इकाइयों की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। ''पक्का वर्मी कम्पोस्ट इकाई योजना'' के अंतर्गत 75 घन फीट क्षमता की इकाई पर 50 प्रतिशत या अधिकतम पांच हजार रुपये अनुदान दिया जाएगा तथा वर्ष 2025-26 में बीस हजार इकाइयों के निर्माण हेतु 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं गोबर/बायोगैस संयंत्र योजना के अंतर्गत 2 घन मीटर क्षमता वाले संयंत्र पर बाईस हजार पांच सौ रुपये अनुदान का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त एफपीओ, किसान समूहों और स्टार्ट-अप्स के लिए एक हजार से तीन हजार मेट्रिक टन क्षमता वाली व्यावसायिक वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों पर 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत परंपरागत कृषि विकास योजना के तृतीय चरण के लिए 12 गंगा किनारे के जिलों में 2356.20 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें 14 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कार्यरत समूहों को प्रति हेक्टेयर सोलह हजार पांच सौ रुपये की दर से सहायता सीधे किसानों के बैंक खाते में दी जाएगी।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया-कोडरमा-धनबाद रेलखंड का किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया-कोडरमा-धनबाद रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली तथा रेलवे ट्रैक के रख-रखाव सहित संरक्षा एवं सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं का गहन मुआयना किया। वापसी में, महाप्रबंधक द्वारा झाझा-किउल-राजेन्द्र पुल-बरौनी रेलखंड का भी विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। बंधुआ-कोडरमा-धनबाद रेलखंड के विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान ट्रेन की गति जब 150 किमी/घंटा तक पहुंची, तब भी 'ग्लास में पानी पूर्णतः स्थिर रहा'।

यह धनबाद मंडल की उत्कृष्ट ट्रैक संरचना, सुदृढ़ पथ-रक्षण व्यवस्था तथा अत्याधुनिक रेलवे अवसंरचना की उच्च गुणवत्ता का स्पष्ट प्रमाण है। बेहतर सवारी गुणवत्ता धनबाद मंडल द्वारा अपनाई गई उन्नत प्रक्रियाओं, सतत रख-रखाव प्रबंधन तथा संरक्षा-उन्मुख कार्यप्रणाली का परिणाम है।

चर्चित लेखिका भावना शेखर का कथा संग्रह 'मोह-मोह के धागे' लोकार्पित

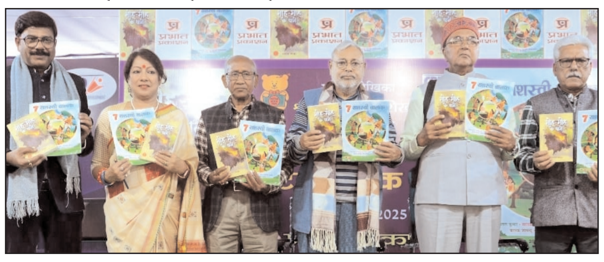

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना पुस्तक मेले में चर्चित लेखिका कहानीकार भावना शेखर की दो पुस्तकों का लोकार्पण प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कथा संग्रह मोह मोह के धागे और साथ यशस्वी बालक का लोकार्पण मुख्य मंच पर कथाकार ऋषिकेश सुलभ, शिवदयाल, अनिल विभाकर, डॉ भगवती प्रसाद द्विवेदी, डॉ ध्रुव कुमार, डॉ पीयूष कुमार ने संयुक्त रूप से किया। भगवती प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि मोह मोह के धागे में उनकी 15 नई कहानियां संग्रहित है, वहीं 'सात यशस्वी बालक' में देश के उन सात युग प्रवर्तक लोगों की बचपन की कहानी है जिन्होंने अद्भुत कार्य किए हैं और ऐसी पुस्तकें हर घर में पहुंचनी चाहिए।

39वां वर्द्धमान महावीर स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वर्द्धमान महावीर का जीवन त्याग, तपस्या, अहिंसा और आत्मसंयम से परिपूर्ण था। उन्होंने तीस वर्ष की आयु में राजसी जीवन त्यागकर कठोर तपस्या के पश्चात ज्ञान प्राप्त किया तथा आध्यात्मिक मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने मानव के कल्याण के लिए पंचशील सिद्धांत दिया -ये सभी बातें 39वां वर्द्धमान महावीर स्मृति अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय दशदिवसात्मक संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कही। अपने उद्घाटन भाषण में माननीय सदस्य (प्रशासकीय) राज्यलोक सेवा न्यायाधीकरण उत्तर प्रदेश एवं प्रधान संरक्षक आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान डॉ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि वर्द्धमान महावीर ने अहिंसा परमो धर्मःका संदेश दिया जिसमें विचार, वचन और कर्म में अहिंसा को सर्वोच्च नैतिक गुण बतलाया। मुख्यातिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान के समर्पित सदस्य साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ अरविन्द कुमार तिवारी ने कहा कि विहार संस्कृत संजीवन समाज एवं आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान संस्कृत भाषा को जन -जन की भाषा हो, इसके लिए सराहनीय योगदान कर रहा है। उन्होंने वर्द्धमान महावीर के पंचशील सिद्धांत की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रो रागिनी वर्मा संस्कृत विभागाध्यक्ष गंगा देवी महिला महाविद्यालय पटना, अभियान के उपाध्यक्ष उग्र नारायण झा एवं डॉ लीना चौहान, जगत नारायण लाल महाविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ अवन्तिका कुमारी, डॉ नीरा कुमारी, महेश मिश्र, डॉ दीप्ति कुमारी, रामनाथ पाण्डेय, राहुल कुमार, मुरलीधर शुक्ल, डॉ रागनी कुमारी, आयुष नन्दन सहित अनेक वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए तथा महावीर के उपदेशों एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ लीना चौहान एवं ऐक्य मन्त्र डॉ नीरा कुमारी प्रस्तुत किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा की दनारा शाखा, दनियावां का उद्घाटन

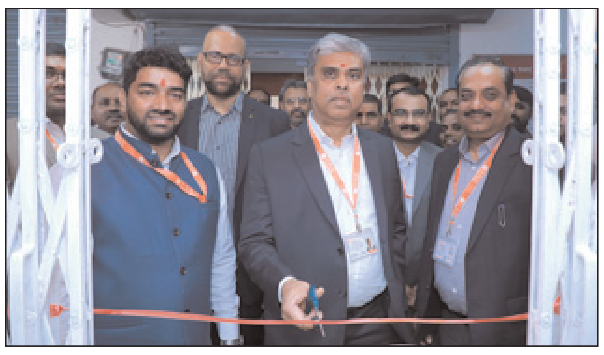

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंक ऑफ बड़ौदा की दनारा शाखा, दनियावां का शुभारंभ किया गया। शाखा का उद्घाटन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, पटना अंचल सुब्रत कुमार स्वाईं द्वारा किया गया। इस अवसर पर राकेश रंजन सिंह, उप महाप्रबंधक (पटना अंचल), नलिन कुमार (क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र), संजय कुमार राय (उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, पटना क्षेत्र) सहित बैंक के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे।

इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अंचल प्रमुख ने बैंक ऑफ बड़ौदा पटना अंचल की 319वीं एवं पटना क्षेत्र की 58वीं शाखा को ग्राहकों को समर्पित किया एवं उन्हें आश्वस्त किया कि बैंक इस शाखा के माध्यम से ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय से अनुरोध किया है कि वे बैंक से जुड़कर अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करें। उन्होंने यह भी कहा कि शाखा में हर स्तर पर उत्कृष्ट ग्राहक सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहकों ने अपने खाते खोले तथा बैंक द्वारा दी जा रही सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

मगही भाषा में शॉर्ट फिल्म बनाइए, 25 हजार रुपये तक मिलेंगे पुरस्कार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। यदि आप मगही भाषा में मगध की संस्कृति पर आधारित सकारात्मक लघु फिल्म बनाते हैं तो आपको 25 हजार रुपये तक का पुरस्कार मिल सकता है। मगही भाषा और साहित्य-संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मगही कनेक्शन' संस्था ने मगही शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता की आधिकारिक घोषणा की है जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में 25,000 रुपये की नकद धनराशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा वहीं द्वितीय पुरस्कार में 15,000 रुपये और तृतीय पुरस्कार स्वरूप 11,000 रुपये की नकद धनराशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा शीर्ष 5 प्रतिभागियों को बतौर प्रशंसा पुरस्कार 5100 रुपये की नकद धनराशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। मगही फिल्म प्रेमियों और नए फिल्मकारों के लिए यह महोत्सव अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर है। मगही कनेक्शन के रविशंकर उपाध्याय, उज्ज्वल कुमार और विजेता चंदेल आदि ने आज गांधी संग्रहालय, गांधी मैदान में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि मगही में साफ सुथरी और सकारात्मक फिल्मों का निर्माण हो, इसके लिए मगही कनेक्शन संस्था द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गयी है। समाज की यह भूमिका होती है कि यदि भाषा व संस्कृति को लेकर युवा वर्ग या आमजन अच्छा काम कर रहे हैं तो अच्छे कदम को प्रोत्साहित किया जाए। इसी के तहत यह पहल की गयी है।

15 को मनेगा भगवान चन्द्रप्रभु एवं पार्श्वनाथ का जन्म और तप कल्याणक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु और तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म और तप कल्याणक एक ही दिन (पौष कृष्ण एकादशी) सोमवार 15 दिसम्बर को भक्ति एवं श्रद्धा से मनाया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जैन संघ के मीडिया सचिव एम पी जैन ने बताया कि भगवान चंद्रप्रभु और पार्श्वनाथ दोनों का जन्म चंद्रपुरी में हुआ था और इसी दिन उन्होंने दीक्षा लेकर तपस्या शुरू की जिससे जैन समाज में यह महोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पटना के सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में दोनों भगवानों का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन आदि कार्यक्रम किये जायेंगे। मौके पर बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने कहा कि भगवान चंद्रप्रभु का जन्म चन्द्रपुरी, वाराणसी (वर्तमान उत्तर प्रदेश) में राजा महासेन और रानी लक्ष्मण देवी के यहां पौष कृष्ण एकादशी को हुआ था तथा इनका तप कल्याणक (दीक्षा) भी इसी तिथि को चंद्रपुर में हुआ था। तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी (काशी नगर) में पौष कृष्ण एकादशी को हीं हुआ था। इसके साथ तप कल्याणक (दीक्षा) भी इसी तिथि को हुआ था। तीर्थ क्षेत्र कमिटी के सभी क्षेत्रों पर धूमधाम से यह दिवस मनाया जाएगा।

मानवाधिकार दिवस पर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच स्टेशनरी सामग्री का वितरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर सुगा देवी सीताराम प्रणामी ट्रस्ट एवं आपका लाइब्रेरी, पुरानी जक्कनपुर (रामललाखन महतो फ्लैट) की ओर से पुरानी जक्कनपुर देवी स्थान स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के तहत विद्यालय के सभी बच्चों को कॉपी, पेंसिल, इरेजर, कटर एवं अन्य स्टेशनरी सामग्री दी गई, ताकि बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़े और वे शिक्षा के महत्व को समझते हुए आगे बढ़ें। ट्रस्ट एवं लाइब्रेरी के सदस्यों ने बताया कि शिक्षा हर बच्चे का मूल मानवाधिकार है और इसी संदेश को मजबूत करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु आगामी दिनों में कलर कॉम्पटीशन (रंग प्रतियोगिता) कराने की भी तैयारी की जा रही है। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि इस वितरण कार्यक्रम में सहयोग देने वाले अमितराज अकेला, मुकुल कुमार, अशोक चौधरी, मंगल जी, सिपाही जी एवं सागर जी ने अपनी उपस्थिति एवं सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में ट्रस्ट ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

संपादकीय

एसआईआर अभियान की चुनौतियां, बीएलओ पर बढ़ते दबाव से हालात क्यों बने खतरनाक?

देश के कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम जारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे अंजाम देने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों यानी बीएलओ के सामने अब भी कई तरह की चुनौतियां और मुश्किलें पेश आ रही हैं। कुछ राज्यों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि काम से उपजे तनाव और दबाव की वजह से परेशान होकर कई बीएलओ ने आत्महत्या कर ली या फिर नौकरी से इस्तीफा दे दिया।इस मसले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन आयोग को काम के तनाव को कम करने के लिए कुछ निर्देश दिए थे। फिर भी हालत यह है कि देश के कई इलाकों में बीएलओ को लगातार दबाव के बीच काम करना पड़ रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए लोगों के घरों में आखिर उन्हें ही जाना पड़ता है, जहां कभी उन्हें अलग-अलग कारणों से धमकी देने की खबरें आई हैं। वहीं सीमित अवधि में काम निपटाने का तनाव भी उन्हें मुश्किल में डाल रहा है। इसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बीएलओ और अन्य अधिकारियों को 'धमकी' दिए जाने के मामले को गंभीरता से लिया और आयोग से कहा कि वह ऐसी घटनाओं को अदालत के संज्ञान में लाए, अन्यथा अराजकता फैल जाएगी।निर्वाचन आयोग के तहत चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का प्रारूप पहले ही ऐसा तय किया जाना चाहिए था, जिससे काम करने वाले व्यक्ति से लेकर आम जनता तक को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। मगर इसके लिए शीर्ष अदालत को आयोग को काम करने के तरीके के बारे में बताना पड़ता है। इस बीच आयोग ने पुनरीक्षण अभियान के लिए एक सप्ताह का समय बढ़ाया, लेकिन इतने व्यापक काम को बहुत कम समय में पूरा करने का दबाव बनाया जाएगा, तो उसमें चूक की आशंका बनी रहेगी।सवाल है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने कामकाज का यह कैसा प्रारूप तैयार किया है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का सारा बोझ प्रकारांतर से बीएलओ को ही उठाना पड़ रहा है। ज्यादा काम की वजह से अगर कोई चूक होती है तो एक ओर उन्हें आयोग की ओर से कार्रवाई का डर रहता है, तो दूसरी ओर आम नागरिक भी उनसे ही सवाल करते हैं। वैसे सरकार ने 5 राज्यों में एसआईआर की तारीख आगे बढ़ा दी।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

(रमेश सर्राफ धमोरा)

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्टीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद

14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्टीय और अन्तरर्राष्टीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सरकारी तंत्र की लापरवाही का नतीजा

(हिमांशु कुमार)

गोवा के अरपोरा स्थित 'बर्च बाइ रोमियो लेन' नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लग गई थी। आग की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कई विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। मृतकों में पर्यटक और क्लब कर्मचारी शामिल हैं। कुछ पर्यटक बाहर निकल गए, लेकिन कई लोग नीचे बने किचन की ओर भागे और वहीं फंस गए। बाद में कई की मौत दम घुटने से हुई। इस दर्दनाक अग्निकांड के बाद राज्य सरकार एक्शन मेंआई है। गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है और मालिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। यहां सवाल उठता है कि राज्य सरकार ने पहले सतर्कता क्यों नहीं बरती थी? क्या इस हादसे की पूरी जिम्मेदारी लापरवाह प्रशासन और उसके कर्मचारियों की नहीं मानी जानी चाहिए?

प्राथमिक जांच में पता चला है कि आग ऊपरी मंजिल से शुरू हुई और संकरे दरवाजों की वजह से कई लोग बाहर नहीं निकल पाए। जो लोग नीचे की ओर गए, उन्हें हवा नहीं मिली और उनकी मौत हो गई। आग बुझाने में भी बड़ी मुश्किलें सामने आई। सबसे बड़ी कठिनाई तो यह रही कि क्लब तक पहुंचने वाली गली बेहद संकरी थी और प्रवेश- निकास के लिए एक ही रास्ता था। इससे लोग एक साथ बाहर नहीं निकल पाए और अंदर धुआं भरते ही कई लोगों का दम घुट गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी क्लब तक पहुंच ही नहीं पाई और उन्हें करीब 400 मीटर दूर रोकना पड़ा। इससे बचाव कार्य धीमा हुआ और नुकसान बढ़ गया। क्या यह क्लब को लाइसेंस और एनओसी देने वाली सरकार की एजेंसियों का अपराध नहीं है? क्यों इन संस्थाओं ने ऐसे नाइट क्लब के लिए अनुमति प्रदान की ?

खबर है कि अब क्लब के निर्माण पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या यह आपत्ति पहले नहीं की जा सकती थी और उसके निर्माण या उसे अनुमति देने को रोका नहीं जाना चाहिए था? अरपोरा-नगोआ पंचायत के सरपंच के अनुसार, नाइट क्लब के पार्टनर्स में पहले से विवाद चल रहा था और उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें की थीं। पंचायत ने क्लब का निरीक्षण किया था और पाया था कि उसे निर्माण की अनुमति नहीं मिली थी। इस पर पंचायत ने ढहाने का नोटिस भी जारी किया था, लेकिन उच्च अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी। इन तमाम लापरवाहियों के मद्देनजर यह स्पष्ट है कि गोवा का यह हादसा सरकारी तंत्र की लापरवाही और अक्षमता की वजह से हुई है। अगर सरकारी तंत्र और संबंधित प्राधिकरण अपना काम ठीक से करते रहते, तो यह नौबत ही नहीं आती।

नवाबों का शहर' ही नहीं, ये भी है लखनऊ की पहचान, यूपी की राजधानी का रोचक इतिहास

शुभ

'नवाबों का शहर' के नाम से मशहूर लखनऊ की विरासत कहीं अधिक गहरी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ यह संस्कृति, इतिहास और आर्किटेक्चर की शान है। यह शहर अपने खास तौर-तरीकों, खाने, संगीत और प्रसिद्ध इमारतों के लिए जाना जाता है। भारत की आजादी की लड़ाई में इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। इसलिए इस जीके के आर्टिकल में यूपी की राजधानी का रोचक इतिहास और इसके बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

'शिराज-ए-हिंद' नाम से भी पहचान

लखनऊ एनआईसी.इन के अनुसार, लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है। यह हमेशा से एक बहुसांस्कृतिक शहर रहा है। यहां शिष्टाचार, सुंदर बाग-बगीचे, कविता, संगीत और स्वादिष्ट खाना बहुत समय के साथ विकसित हुआ। इसे 'नवाबों का शहर' कहा जाता है। इसके अलावा इसे 'पूर्व का गोल्डन सिटी' और 'शिराज-ए-हिंद' भी कहा जाता है।

लखनऊ का इतिहास क्या है?

लखनऊ का नाम प्राचीन समय में 'लखनपुरी' था। यह भगवान राम के भाई लक्ष्मण के सम्मान में रखा गया था। शहर का इतिहास सूर्यवंशी राजवंश और कोसल के प्राचीन महाजनपद से जुड़ा है। हालांकि, अभिलेखों के अभाव के कारण जिले के वर्तमान स्वरूप में इसके गठन की सही तिथि की जानकारी नहीं है। 1350 ई. के बाद लखनऊ पर कई शासकों का शासन रहा, जिसमें दिल्ली सल्तनत, मुगल साम्राज्य, अवध के नवाब और ब्रिटिश राज शामिल है। अवध के नवाबों ने लखनऊ को कला, संस्कृति और वास्तुकला का केंद्र बनाया। नवाब आसफ-उद-दौला और नवाब सादत अली खान ने बड़े इमामबाड़ा, बिबियापुर कोठी और कई भव्य महल बनवाए। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लखनऊ की पहचान

आज का लखनऊ आधुनिक प्रशासन, शिक्षा, व्यापार और संस्कृति का केंद्र है। इसके ऐतिहासिक स्मारक, जैसे बड़े इमामबाड़ा, और पारंपरिक अवधी व्यंजन, शहर की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। लखनऊ प्राचीन परंपराओं और आधुनिक विकास का संगम और उत्तर भारत का एक अनूठा शहर है।

लखनऊ से जुड़े तथ्य

लखनऊ की उत्पत्ति सूर्यवंशी राजवंश (इक्ष्वाकु वंश) से जुड़ी है। अवध की राजधानी शुरू में फैजाबाद थी, लेकिन नवाब आसफ-उद-दौला ने 1775 में लखनऊ को राजधानी बनाया।

लखनऊ भव्य वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें महल, इमामबाड़ा, कर्बला और स्मारक शामिल हैं।

ब्रिटिश काल में कुछ स्मारक और अभिलेख 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में नष्ट हो गए

आधुनिक लखनऊ में विधि, प्रशासन, शिक्षा और वाणिज्य का केंद्र है। साथ ही मेट्रो, शॉपिंग मॉल और आधुनिक आवासीय परिसरों के कारण शहर आधुनिक रूप में विकसित हुआ।

लखनऊ की पारंपरिक अवधी संस्कृति और आतिथ्य कला आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

शहर का अतीत और आधुनिकता का संयोग लखनऊ को नगरीय पुनर्जागरण का जीवंत उदाहरण बनाता है।

भरगामा थाना में जनता दरबार लगा एसपी ने सुनी लोगों की फरियाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। राज्य पुलिस मुख्यालय के आदेश पर अररिया एसपी अंजनी कुमार ने शुक्रवार को भरगामा थाना में जनता दरबार लगाकर लोगों की फरियाद सुनी। इस दौरान एसपी ने कहा कि भरगामा थाने में लगाये गए इस जनता दरबार का मकसद पब्लिक को बेहतर सुविधा प्रदान करना है। ताकि, उन्हें एसपी और डीएसपी कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। इसके अलावा थानों का निरीक्षण करना और पुलिस पदाधिकारियों की कार्यशैली पर नजर रखना है।

एसपी ने कहा कि जनता दरबार सप्ताह में दो थानों में लगाया जाएगा और इसकी सूचना आमजनों को दो दिन पहले दे दी जाएगी। एसपी ने अधिक से अधिक लोगों को जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं का निपटारा कराने की अपील की है। बताया जाता है कि पुलिसिंग व्यवस्था को आम लोगों के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से सरकार की ओर से यह नई व्यवस्था दी गई है। खासकर सुदूर देहाती थाना में लगने वाले जनता दरबार में ग्रामीण इलाके के लोगों को सुलभ तरीके से न्याय मिलेगा और उन्हें फारबिसगंज या अररिया जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बता दें कि भरगामा थाना में लगे जनता दरबार में आये अधिकांश मामले मारपीट,जमीन विवाद से जुड़े थे। इस मौके पर एसडीपीओ मुकेश कुमार साह, थानाध्यक्ष राजेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष सोनू कुमार, एसआइ गुड्डू कुमार, रौशन कुमार आदि मौजूद थे।

जिले में औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए मंत्री को मांग पत्र सौंपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला औद्योगिक नियोजक संघ के अध्यक्ष विकास सिंह के नेतृत्व मेंभारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री बिहार सरकार डॉ. दिलीप जायसवाल साथ पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई डलसानिया का स्टेशन पर संघ स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पार्टी के अध्यक्ष मनोज राय एवं अध्यक्ष विकास सिंह के नेतृत्व में युवा कार्यकारी अध्यक्ष प्रिंस सिंह, प्रवक्ता विवेक सिंह राठौड़, संघ के सचिव नौशाद सिद्दीकी,असद इकबाल, मौसम कुमार सिंह, राजेश शर्मा, गौरव साह, मोहन वाधवानी, श्रीकांत शर्मा, रमाकांत कुशवाहा, प्रेम कुमार साह, पिंटू सिद्दीकी, भीम पमनानी, राकेश शर्मा, डॉ. अविनाश कुमार, बद्री साह के साथ मंत्री डॉ. जायसवाल को एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें औद्योगिक प्रांगण क्षेत्र विजय बाबू के पोखर पर बियाडा विभाग के जमीन पर उद्यमियों के सुविधा के लिए फोरलेन से औद्योगिक प्रांगण क्षेत्र तक रोड का कनेक्टिविटी, बिहार सरकार के द्वारा सर्विस सुविधा की व्यवस्था, स्टांप ड्यूटी में कटौती, उद्यमियों को उद्योग लगाने में बिहार सरकार की ओर से हर सुविधा तथा भारत सरकार का एक आरबीएचएम जूट मिल जो 8 जनवरी 2016 से बंद है। लगभग 55 एकड़ खाली पड़ी जमीन पर बिहार सरकार और भारत सरकार के संयुक्त प्रयास से पुनः जूट मिल या कोई बड़ा उद्योग लगाने की दिशा में पहल करने का अनुरोध किया है। अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि एक समय था जब कटिहार जिले की पहचान उद्योग नगरी के रूप में थी और आज

एक समय है जब कटिहार जिला उद्योग विहीन होते जा रही है। अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि इनके उद्योग मंत्री बनने से सीमांचल के लोगों में एक उत्साह का माहौल है। उनके उद्योग मंत्री बनने से निश्चित रूप से कटिहार जिला सहित सीमांचल कोसी कमिश्नरी बिहार में उद्योग का जाल बिछेगा और विशेष कर कटिहार जिला में उनके सतत प्रयास से अगर उद्योग लगता है तो हजारों मजदूरों के घर में एक बार फिर से चूल्हा जलेगा एवं उनके बच्चे परिवार को रोजगार का साधन उपलब्ध हो जाएगा। मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने मांग पत्र पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि जल्द ही उद्योग मंत्री से बियाडा विभाग के जमीन औद्योगिक प्रांगण क्षेत्र एवं बंद पड़े आरबीएचएम जूट मिल के खाली परी लगभग 55 एकड़ जमीन का निरीक्षण करने का अनुरोध करेंगे।

बिजली मिस्त्री को ग्रामीणों ने बंधक बनाया

छुड़ाने गई पुलिस से भी अभद्र व्यवहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के कोढ़ा प्रखंड के बिनोदपुर पंचायत के चुरली घाट में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जहां कुछ ग्रामीणों के द्वारा एक युवक को बंधक बनाकर रखा गया था जिसकी सूचना रौतारा पुलिस प्रशासन को दी गई। मामला यह था कि चंदवा पंचायत के चंदवा चौक के समीप ट्रैक्टर और पिकअप में थोड़ी सी टक्कर हो गई। जिसमें ट्रैक्टर ड्राइवर ने अपने परिजनों को बुलाकर पिकअप पर सवार सभी बिजली मिस्त्री को मारपीट कर घायल कर दिया एवं श्रवन कुमार नामक व्यक्ति को बंधक बनाकर अपने घर चुरली घाट लाया गया।

साथ में पिकअप वैन भी लाया गया। जिस पर बिजली मरम्मति से

जुड़े कई उपकरण मौजूद थे। मामला रौतारा पुलिस तक पहुंची। प्रशासन के द्वारा अविलंब चुरली घाट पहुंचकर बंधक बनाए गए युवक को मुक्त करने का प्रयास किया गया। जहां गांव के ही कुछ मनचले के द्वारा रौतारा पुलिस पदाधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए श्रवण कुमार नामक व्यक्ति को बुरी तरह से मारपीट किया गया। आखिरकार कड़ी मशक्कत के बाद रौतारा प्रशासन के द्वारा बंधक बनाए गए युवक को मुक्त कराकर अपने साथ थाने ले गई। इस घटना में कई व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गए जिन्होंने रौतारा थाने में आवेदन दर्ज कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है। वही मामले पर प्रभारी एसपी सह सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में है। रौतारा थाना की डायल 112 टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक को बंधक बना कर रखा गया है उसे छुड़ाने गई डायल 112 के टीम के साथ ग्रामीण उलझ गए थे । इस पर वादी के फर्द बयान तथा पुलिस पदाधिकारी के बयान पर मामला दर्ज कर छापेमारी की जा रही है।

बालू का अवैध खनन व परिवहन किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : एसडीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। अवैध बालू और मिट्टी खनन व परिवहन तथा भंडारण पर रोक लगाने के लिए गुरुवार को फारबिसगंज अनंमुडल पदाधिकारी रंजीत कुमार रंजन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चालाया गया।

छापेमारी दल में शामिल खनिज विकास पदाधिकारी, खान निरीक्षक और सिचाई विभाग के एसडीओ ने फारबिसगंज अनुमंडल अंतर्गत रामपुर शाखा नहर का औचक निरीक्षण किया। हालांकि एसडीएम के निरीक्षण के दौरान कोई वक्ति नहर के आस-पास अवैध खनन करते हुए नहीं पाया गया। लेकिन एसडीएम का कहना है कि प्रशासन को रामपुर नहर के आस-पास से प्रायः सूचना प्राप्त होती रहती है कि नहर के बांध को अवैध खनन कत्ताओं के द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया

जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन के द्वारा अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों तथा वाहनों को स्थानीय स्तर पर चिन्हित किया जा रहा है, जिसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रंजीत कुमार रंजन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र में बालू, मिट्टी समेत अन्य खनिजों का अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। बता दें कि अररिया जिलान्तर्गत दोनों अनुमंडलों में जिला प्रशासन के द्वारा अवैध खनन स्थल को चिन्हित कर योजना तैयार किया जा रहा है। उक्त स्थलों पर लगातार विशेष अभियान चलाकर छापेमारी की जाएगी। जिससे की अवैध खनन, परिवहन पर पुर्णतः अंकुश लग सके। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा अररिया जिलान्तर्गत बालू मिट्टी के अवैध खनन पर अंकुश लगाने हेतु छापेमारी की कार्रवाई जारी रहेगी और इसमें संलिप्त वाहनों एवं शामिल अपराधियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिससे सरकारी राजस्व में भी वृद्धि होगी तथा सरकारी संपत्ति का दुरूपयोग होने की संभावना भी नहीं रहेगी। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अररिया जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अबतक अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध 416 स्थलों पर छापेमारी,66 वाहन जप्त तथा 03 प्राथमिकी एवं 100.8 लाख रुपये जुमार्ना राशि की वसुली की गई है।

एडीआरएम ने दिया आश्वासन : लंबित एनओसी का मामला जल्द सुलझेगा

लंगड़ा बागान की सड़क और नालों पर भी हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। शहर के रेलवे क्षेत्र के सड़क और नाला की समस्या को लेकर नगर आयुक्त संतोष कुमार ने अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज कुमार सिंह के साथ एक बैठक की। इस बैठक में रेलवे क्षेत्र के वार्ड पार्षद दिनेश कुमार पांडेय तथा पार्षद हर्षवर्धन अग्रवाल मौजूद रहे।

बैठक मे मुख्यत नगर निगम क्षेत्र में रेलवे से संबंधित लंबित अनापत्ति प्रमाण पत्र के मामलों पर चर्चा किया गया। जो काफी समय से अटके हुए थे। जिससे हजारों निवासियों को असुविधा हो रही थी। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने रेलवे द्वारा लंबित सभी एनओसी से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से एडीआरएम के समक्ष रखा। इस

दौरान वार्ड पार्षद दिनेश कुमार पांडे ने भी वार्ड नंबर 13, वार्ड नंबर 14, वार्ड नंबर 15, वार्ड नंबर 39, वार्ड नंबर 18 और वार्ड नंबर 16 के कई दिनों से लंबित एनओसी मामलों की सूची प्रस्तुत की। बैठक मे एडीआरएम ने इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह इन सभी बिंदुओं पर मंडल रेल प्रबंधक से बात करेंगे और इन सभी वार्डों के निवासियों को जल्द से जल्द एनओसी दिलवाने के लिए तत्काल पहल करेंगे। बैठक के दौरान लंगड़ा बागान क्षेत्र में कुछ सड़क और नाले से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। इस पर भी अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।इसके अलावा, रेल के यूनियन प्रतिनिधियों ने भी रेलवे क्षेत्र में पार्षदों को एनओसी देने की मांग को लेकर रेलवे डीआरएम को एक ज्ञापन सौंपा है।

पल्स पोलियो अभियान 14 की जगह 16 दिसंबर से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में आगामी 14 से 18 दिसंबर तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान को संशोधित करते हुए अब 16 से 20 दिसंबर तक चलाया जाएगा।

इसकी जानकारी देते हुए बीएमसी मधु कुमारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रस्तावित 14 से 18 दिसंबर तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान को संशोधित तिथि 16 से 20 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे। पर्यवेक्षक सभी टीकाकर्मी एवं डिपो होल्डर को इसकी जानकारी दे दी गई हैं ।

नव नियुक्त जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने पदभार संभाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार के नव नियुक्त जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने शुक्रवार को जिले के 50 वें जिलाधिकारी के रूप में अपना पदभार ग्रहण किये। प्रभारी डीएम सह एडीएम डॉ. विनोद कुमार से कार्यभार ग्रहण करने के बाद डीएम ने जिले के वरीय अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त बैठक भी की और उनसे जिले की वर्तमान स्थिति और प्रमुख विकास कार्यों की जानकारी ली।

नव नियुक्त जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि उनकी प्राथमिकता सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना हैं। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना और

जिले के चहुंमुखी विकास को गति देना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सभी चुनौतियों का सामना टीम भावना के साथ करेंगे और कटिहार को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर आईएएस सह बारसोई के एसडीओ आकांक्षा आनंद, नगर आयुक्त संतोष कुमार, डीडीसी अमित कुमार, एडीएम आपदा, सभी वरीय उप समाहर्ता, सदर व मनिहारी एसडीओ सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन होने पर जिला पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। निदेशक अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, बिहार सरकार के निर्देश पर विभाग की ओर से जिले में जनजाति समुदाय के हित में आदि कर्मयोगी योजना का क्रियान्वयन किया गया।

अभियान का उद्देश्य समुदाय आधारित नियोजन, संस्थागत क्षमता निर्माण एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाकर कर जनजातीय विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्तियों तक पहुंचाना है। जिले में अभियान के तहत अनुसूचित जनजाति बाहुल फलका, कोढ़ा, हसनगंज, प्राणपुर आजमनगर, डंडखोरा, बलरामपुर, कटिहार, मनसाही, बरारी, मनिहारी, अमदाबाद, कुसेर्ला प्रखंड के कुल 82 गांवों को शामिल किया गया था। जिसको लेकर ग्रामस्तर पर कार्यशाला का आयोजन एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों की देखरेख में स्वयं सहायता समूहों,स्थानीय स्वयंसेवक तथा फ्रांटलाइन कार्यकताओं के सहयोग से अभियान का बेहतर ढंग से संचालित किया गया। अभियान को लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन होने पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिला को पुरस्कृत किया गया है। उक्त जानकारी जिला सूचना एवं जन-संपर्क कार्यालय ने दी।

जयमाला शिक्षा निकेतन में पूर्व निदेशक के प्रेरक संबोधन कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जय माला शिक्षा निकेतन कटिहार में एक विशेष शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आईएसएम धनबाद एनआईटी तथा हेरियट-वॉट यूनिवर्सिटी यूके के पूर्व निदेशक प्रो. तारकिशोर कुमार ने छात्रों को संबोधित किया।

विद्यालय पहुँचने पर निदेशक डॉ. एसके सुमन ने उन्हें बुके और सौल देकर हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया। वर्ग दशम के अफीफा, करिश्मा, बबीता, अनुष्का, प्रगति, तृषा ने स्वागत गान से अतिथि को अपने तरफ आकर्षित किया।प्राचार्य एके निराला,एसेडमिक एडमिनिस्ट्रेटर एजिकल संगमा, एकेडमिक इंचार्ज रौशन तरुण तथा वरिष्ठ शिक्षक बीके वर्मा, मिथिलेश सिंह, मिथिलेश झा,

अनुरंजन, एन झा, अमित, जयन्त, योगेश,अशोक एवं टी मंडल, लोकनाथ लोकप्रिय, निशा, खुशबू, सीमा, मोनालिसा, नेहा मनीषा, सलोनी, कमरूल, अवराज, सत्येंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। अपने प्रेरक उद्बोधन में प्रो. कुमार ने छात्रों को सबसे पहले 'समय कमाने और समय का सदुपयोग करने' की मूल अवधारणा समझाई। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन ही किसी भी सफलता की पहली और सबसे आवश्यक कुंजी है।उन्होंने छात्रों को यह भी समझाया कि कम अंक आने पर तनाव लेने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अपनी गलतियों से सीखकर और अनुशासन को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने अनेक महान वैज्ञानिकों और खोजकताओं—जैसे जेम्स वॉट, रदरफोर्ड, आइंस्टाइन, थॉमस अल्वा एडिसन आदि—के उदाहरण देकर बताया कि उन्होंने अपने जीवन में कितनी कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने समय और ऊर्जा का सही उपयोग किया। तभी वे महान आविष्कार कर सके। प्रो. कुमार ने कहा कि अनुशासन ही सफलता का सही मार्ग है, और जो छात्र समय का महत्व समझते हैं, वही भविष्य में बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं। सत्र के अंत में विद्यालय परिवार ने उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी विचारों के लिए आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और यादगार सिद्ध हुआ।

कांग्रेस की महारैली में शामिल होने के लिए कार्यकर्ता रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार पासवान 14 दिसंबर 2025 को रामलीला मैदान दिल्ली में आयोजित होने वाली विशाल महारैली में शामिल होने के लिए शुक्रवार को अवध आसाम एक्सप्रेस ट्रेन से कटिहार जंक्शन से नई दिल्ली के लिए अपने कार्यकताओं के साथ रवाना हुए।

इस मौके पर कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार पासवान ने बताया कि वोट चोर गद्दी छोड़ को लेकर आगामी 14 दिसंबर 2025 को रामलीला मैदान दिल्ली में वोट गद्दी छोड़ को लेकर विशाल महारैली का आयोजन किया गया हैं। इसमें केंद्र एवं बिहार में एनडीए सरकार वोट चोरी कर सरकार बनाकर चला रहे हैं एवं चुनाव आयोग कठपुतली हो गई हैं, एनडीए सरकार के आगे चुनाव आयोग कठपुतली हो गई हैं,जो एनडीए सरकार कहती हैं वह कार्य चुनाव आयोग करते हैं और पूरे भारत में लोकसभा के साथ हर राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव में वोट चोरी कर सरकार बना रहे हैं। इसी के खिलाफ में हम सभी कार्यकर्ता विशाल महारैली में शामिल होने रामलीला मैदान दिल्ली जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यकताओं में सुनील रजक, वतन कुमार पासवान,अमन कुमार पासवान, पुरुषोत्तम कुमार पासवान, मोजीबुर रहमान,कमल कुमार राम आदि उपस्थित रहे ।

भागवत कथा कार्यक्रम को लेकर कलश शोभायात्रा निकली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज/कटिहार। हसनगंज प्रखंड में श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यह कलश शोभायात्रा मां दुर्गा मंदिर परिसर से बैंडबाजों के साथ निकाली गई। कलश यात्रा प्रखंड क्षेत्र बाजार,थाना रोड, कोठीटोला सहित विभिन्न मुख्य मार्गों से गुजरती हुई दुर्गा मंदिर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। जहां यजमानों के द्वारा आचार्य सन्तोष जी के नेतृत्व में भागवत की पूजा अर्चना की और पूजन के बाद कलश की स्थापना की गई।

कथा प्रवक्ता श्री प्रेमाचार्य पीताम्बर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में उपस्थित श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत पुराण की जानकारी देते हुए कहा कि श्रीमद्भगवत कथा का

श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है। कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि नारद जी ने भक्ति देवी के कष्ट की निवृत्ति के लिए श्रीमद् भागवत कथा का साप्ताहिक अनुष्ठान किया था। जहां सनत कुमारों ने भागवत का प्रवचन करते हुए नारद के मन का संशय दूर किया। इसी कथा को धुंधकारी प्रेत ने अपने अग्रज से श्रवण किया और प्रेत योनि से मुक्ति पाकर विष्णु लोक को प्राप्त हुए। महाराज श्री ने कहा कि भागवत श्रवण से जीव के सभी पाप कर्म मिट जाते हैं। अंत में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण किया गया। कथा श्रवण के हजारों-हजार की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। इस दौरान अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, शिवशंकर सिंह, सचिव राकेश श्रीवास्तव, प्रकाश यादव, मनोज भगत, महेंद्र वर्मा,अशोक मंडल, अशोक गुप्ता,रवि साह सहित कमिटी के सदस्य व अनेकों श्रद्धालु मौजूद थे। वहीं मौके पर थाना अध्यक्ष दल बल के साथ मुस्तैद दिखे।

जिला परिवहन विभाग ने चलाया वाहन जांच अभियान

वसूला गया लाखों रुपये जुमार्ना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं इसके कारण होने वाली मृत्यु या अन्य घटनाओं में कमी लाने को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन के निर्देश पर परिवहन विभाग की ओर से विभिन्न जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।अपर जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में चलाये गये अभियान में मोटर यान निरीक्षक एवं कई प्रवर्तन अवर निरीक्षक शामिल थे। इस क्रम में चालकों के हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट तथा वाहनों के फिटनेस, प्रदूषण के साथ खतरनाक ड्राइविंग की भी जांच की गई।जानकारी देते हुए डीटीओ ने बताया कि इस दौरान 518 वाहनों की जांच हुई।जिसमें हेलमेट नहीं पहनने के जुर्म में 51 दोपहिया वाहनों से 1,03,000 रुपये, सीट बेल्ट नहीं बांधने के अपराध में 11 चारचक्का वाहनों से 11,000 रुपये जुमार्ना वसूला गया है।तो वहीं ओवरलोडिंग, प्रदूषण, इंश्योरेंस, नीजी वाहनों में वीआइपी स्टीकर लगाने, स्टंटबाजी और लहेरिया कट जैसे अपराधों के लिए वाहनों से 2,20,000 रुपये जुमार्ना किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।डीटीओ ने वाहन चालकों से ड्राइविंग करते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल अवश्य करने

की अपील की है। वहीं उन्होंने सुरक्षित सफर के लिए लाइन डिसीप्लीन का पालन करने तथा अनाधिकृत रुप से रेड ब्लू स्टोब लाइट्स एवं हुटर्स का उपयोग नहीं करने के साथ हीं स्टंटबाजी और लहेरिया कट नहीं करने की भी अपील की है। डीटीओ ने सभी वाहन मालिकों से अपने वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप लगाना सुनिश्चित करने को कहा है ताकि कोहरे में सड़कों पर वाहन चलाने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

खुल गया 10,602.65 करोड़ रुपये के साइज वाला आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट आईपीओ आज खुल गया है। कंपनी के आईपीओ पर निवेशकों को 16 दिसंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड सहित अन्य सभी डीटेल्स का ऐलान पहले ही कर दिया है। बता दें, ग्रे मार्केट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट शानदार प्रदर्शन कर रहा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी आईपीओ का प्राइस 2061 रुपये से 2165 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 6 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 12990 रुपये का दांव लगाना होगा। एनआईआई को 16 लॉट और बीएनआईआई को 77 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। यह आईपीओ 12 दिसंबर से 17 दिसंबर तक खुला रहेगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी आईपीओ का जीएमपी अब भी 100 रुपये से अधिक है। आईपीओवॉच की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 120 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। जोकि 5.54 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। इससे पहले कंपनी के आईपीओ का जीएमपी 85 रुपये प्रति शेयर रहा था। बता दें, 6 दिसंबर को यह आईपीओ ग्रे मार्केट में 340 रुपये के प्रीमियम पर था। यह अबतक का सबसे अधिक जीएमपी रहा है। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 10,602.65 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ के जरिए कंपनी 4.90 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कंपनी ने कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित किया है।

रुपये में आज भी तेज गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर की दहाड़ के आगे रुपया थर-थर कांप रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 90.5175 तक कमजोर हुआ। इससे पहले विनिमय दर 11 दिसंबर को अपने पिछले ऑल टाइम लो लेवल 90.46 से फिसल गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये का कमजोर होना अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इससे आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल से लेकर कई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बता दें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मार्च, 2026 तक टलने की खबरों के बाद रुपये में आज भी तेज गिरावट आई और भारतीय रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अगले साल मार्च तक संपन्न होने की संभावना जताए जाने से निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी।

प्राडा के साथ करार, गोयल बोले- कोल्हापुरी चप्पल का निर्यात सालाना पहुंच सकता है 1 अरब डॉलर तक

मुंबई , एजेंसी।
भारत से कोल्हापुरी चप्पल का निर्यात हर वर्ष 1 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह दावा किया। केंद्रीय मंत्री का यह बयान इटली के फैशन हाउस प्राडा की ओर से दो सरकारी कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद आई। इसमें भारत में निर्मित होने वाली सीमित संस्करण की कोल्हापुरी चप्पल की परियोजना पर सहमति व्यक्त की गई थी। कुछ महीने पहले प्राडा की जमकर आलोचना हुई, जब यह पता चला था कि उसके कुछ डिजाइन पश्चिमी महाराष्ट्र की पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित थे और कारीगरों को इसका श्रेय नहीं दिया गया था। हंगामे के बाद फैशन हाउस ने तुरंत भारत में अपनी टीमें भेजीं। गोयल ने पत्रकारों से कहा कि वह प्राडा और कोल्हापुरी चप्पल निर्माताओं के बीच सहयोग से बहुत खुश है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के जूते-चप्पलों में वैश्विक ब्रांड बनने की क्षमता है। मैंने हमेशा से यह कल्पना की थी कि कोल्हापुरी चप्पलों का भारत से 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हो और मैं चाहता हूं कि दोनों पक्ष इस क्षमता को हासिल

करने के लिए सहयोग करें और काम करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे अपने बचपन में कोल्हापुरी चप्पलें पहना करते थे। उन्होंने आगे कहा कि एक बार किसी को चमड़े के जूतों की आदत हो जाती है, तो वे कुछ और आजमाने की कोशिश नहीं करते। इटली की प्रमुख फैशन कंपनी प्राडा का कोल्हापुरी सैंडल कलेक्शन फरवरी 2026 में प्राडा के 40 चुनिंदा स्टोर्स और उसके ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लॉन्च होने वाला है। प्राडा ने बुधवार को मुंबई में इटली के महावाणिज्य दूतावास में एलआईडीकॉम (संत रोहिदास लेदर इंडस्ट्रीज एंड चार्माकर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) और एलआईडीकार (बाबू जगजीवन राम लेदर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के साथ कोल्हापुरी चप्पल पर अपने काम के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारत पर टैरिफ नहीं, अपनी तरक्की पर ताला लगा रहा है मेक्सिको, चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको ने भी भारत समेत एशिया के कई देशों पर 50 फीसदी तक का टैरिफ लगा दिया है। अब यह सवाल कई लोगों के मन में है कि एक विकासशील देश, जो खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ (आयात शुल्क) का शिकार है, वही टैरिफ दूसरे विकासशील देश पर क्यों लगा रहा है?

मेक्सिको की सीनेट ने उन देशों से आने वाले कई तरह के सामानों पर टैरिफ बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिनके साथ मेक्सिको का कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (मुक्त व्यापार समझौता) नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। यह नया टैरिफ स्ट्रक्चर 1 जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत कुछ सामानों पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जबकि ज्यादातर सामानों पर यह बढ़ोतरी करीब 35 प्रतिशत तक सीमित रहेगी।

क्यों लगाया टैरिफ?: मेक्सिको की सरकार का कहना है कि इस कदम के पीछे अपने उद्योगों को बचाना और आर्थिक नीति को मजबूत करना है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबौम की सरकार का तर्क है कि घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और नौकरियों को बचाने के लिए यह टैरिफ जरूरी है। उनका मानना है कि खासकर ऑटो, टेक्सटाइल, स्टील, प्लास्टिक, फुटवियर और अन्य उपभोक्ता व मध्यवर्ती सामानों के क्षेत्र में विदेशी सामानों से बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा है।

सरकारी अधिकारी यह भी कहते हैं कि इस टैरिफ से व्यापार में असंतुलन को ठीक किया जाएगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इससे मेक्सिकन उत्पादकों को एशियाई देशों से आने वाले सामानों के

मुकाबले एक बेहतर मौका मिलेगा। वहीं आर्थिक रूप से देखें तो मेक्सिको अपनी आमदनी भी बढ़ाना चाहता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि इन नए टैरिफ से साल 2026 में मेक्सिकन सरकार को करीब 3.7 अरब डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। यह पैसा सरकार के वित्तीय घाटे को पूरा करने और बजट की कमी को दूर करने में मदद करेगा।

मेक्सिको के इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। उनका कहना है कि इससे वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। साथ ही, निर्माताओं के लिए लागत बढ़ सकती है और दूसरे देशों के साथ व्यापारिक तनाव भी बढ़ सकता है। आलोचकों का यह भी मानना है कि मेक्सिको को कच्चे माल की लागत बढ़ानी पड़ सकती है और महंगाई बढ़ सकती है, क्योंकि घरेलू उत्पादकों को नए स्रोतों से सामान मंगाना पड़ेगा। रणनीतिक रूप से देखें तो मेक्सिको के इस फैसले में एक मजबूत भू-राजनीतिक पहलू भी है। मेक्सिको का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका है।

अमेरिकी प्रतिबंध के दबाव से घटा रूसी तेल निर्यात
मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी प्रतिबंधों से जुड़े जोखिमों के कारण नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि प्रतिबंधों की चिंताओं की वजह से खरीदारों पर दबाव पड़ा।

मॉस्को का तेल राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पर: एजेंसी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नवंबर में रूसी तेल निर्यात में 420 किलो बैरल प्रति दिन (केबी/डी) की गिरावट आई। कम शिपमेंट और कमजोर कीमतों के संयोजन ने मॉस्को के तेल राजस्व को घटाकर 11 अरब डॉलर कर दिया, जो एक साल पहले की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

आईईए ने कहा कि रूस का कुल तेल निर्यात नवंबर में लगभग 400 किलो बैरल प्रति दिन घटकर 6.9 माइक्रोमीटर प्रति दिन हो गया, क्योंकि खरीदारों ने अधिक कड़े प्रतिबंधों से जुड़े प्रभावों और जोखिमों का आकलन

किया। निर्यात में गिरावट के कारण यूराल कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी गिरावट आई, जो 8.2 डॉलर/बैरल (बैरल का अर्थ लगभग 159 लीटर) गिरकर 43.52 डॉलर/बैरल हो गई। इससे निर्यात राजस्व फरवरी 2022 में यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। बता दें कि अमेरिका ने कई देशों को चेतावनी दी है कि अगर वे रूसी तेल खरीदना जारी रखते हैं तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क और दंडात्मक व्यापार उपायों का सामना करना पड़ सकता है। रूस से तेल की निरंतर खरीद का हवाला देते हुए, अमेरिका ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पहले घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त है। आईईए के अनुसार, नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610 किलो बैरल प्रति दिन की गिरावट आई, जिससे सितंबर के रिकॉर्ड 109 मिलियन बैरल प्रति दिन (एमबीसी) से संचयी गिरावट बढ़कर 1.5 मिलियन बैरल प्रति दिन हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधों से प्रभावित रूस और वेनेजुएला में आपूर्ति में व्यवधान के कारण हुई कुल गिरावट में ओपेक + देशों का योगदान तीन-चौथाई से अधिक रहा। इस समूह ने पिछले दो महीनों में आपूर्ति में आई गिरावट में 80 प्रतिशत का योगदान दिया, जो कुवैत और कजाकिस्तान में हुई बड़ी अनियोजित रुकावटों के साथ-साथ रूस और वेनेजुएला में जारी संकुचन को दर्शाता है।

वर्किंग कैपिटल पर बड़ी राहत, आरबीआई ने कैश क्रेडिट खातों पर लगी पाबंदियां हटाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उद्योग और कारोबार जगत को राहत देते हुए कैश क्रेडिट सुविधाओं पर लगी पाबंदियां हटा दी हैं। बैंकिंग व्यवस्था में बड़े कर्जदारों के लेन-देन पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए अक्टूबर में जारी मसौदा दिशानिर्देशों में कई प्रतिबंध प्रस्तावित किए गए थे। लेकिन स्टेकहोल्डर फीडबैक के बाद आरबीआई ने इन्हें वापस लेने का निर्णय किया है। इससे कामकाज के लिए आवश्यक वर्किंग कैपिटल की उपलब्धता पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

आरबीआई ने स्पष्ट किया कि कैश क्रेडिट खाते संचालन के लिहाज से करंट अकाउंट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट से अलग होते हैं। मसौदा निर्देशों में 10 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज वाले खाताधारकों के लिए लेन-देन करने वाले बैंकों की संख्या सीमित करने का प्रस्ताव था। लेकिन उद्योग संगठनों, बैंकों और अन्य हितधारकों ने कहा कि इससे वर्किंग कैपिटल की उपलब्धता पर असर पड़ेगा। इसी वजह से आरबीआई ने कैश क्रेडिट खातों पर प्रस्तावित पाबंदियां हटाने

का निर्णय लिया। लेन-देन करने वाले बैंक चुनने की अनुमति होगी। साथ ही, यह भी प्रस्तावित था कि किसी भी बैंक को करंट अकाउंट या ओवरड्राफ्ट सुविधा तभी दी जाए जब उसका उधारकर्ता पर कम से कम 10 प्रतिशत फंड-आधारित या कुल एक्सपोजर हो। मसौदा तैयार करने का उद्देश्य बड़े खातों के लेन-देन की निगरानी मजबूत करना था। आरबीआई ने बताया कि मसौदे पर प्राप्त फीडबैक में कई स्टेकहोल्डर्स ने चिंता जताई कि कैश क्रेडिट खातों पर प्रतिबंध से कारोबारियों को वर्किंग कैपिटल जुटाने में दिक्कत हो सकती है। उद्योग जगत का कहना था कि ट्रेडिंग, एमएसएमई और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कैश क्रेडिट अकाउंट वित्तीय प्रवाह बनाए रखने का मुख्य आधार हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में तीन माह की गिरावट के बाद 21 फीसदी बढ़ा निवेश

एम्फी ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।
लगातार तीन महीनों की गिरावट के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश नवंबर, 2025 में मासिक आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये पहुंच गया। यह वृद्धि बताती है कि तमाम चुनौतियों के बावजूद निवेशकों का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई, 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड 42,702 करोड़ रुपये के निवेश के बाद से इसमें लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी।

अगस्त में निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड में 33,430 करोड़ रुपये का निवेश किया था। सितंबर में यह निवेश और घटकर 30,421 करोड़ एवं अक्तूबर में 24,690 करोड़ रुपये रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, निवेश में वृद्धि से म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) नवंबर

में मासिक आधार पर 1.16 फीसदी बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गईं। अक्तूबर में म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां 79.87 लाख करोड़ रुपये रही थी। एम्फी के मुताबिक, खुदरा निवेशकों की भागीदारी में गिरावट से सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश नवंबर में मामूली घटकर 29,445 करोड़ रुपये रह गया। अक्तूबर में निवेशकों ने एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में रिकॉर्ड 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

फ्लेक्सी कैप में निवेश बढ़ा, डेट फंड में घटा

लाभांश प्रतिफल और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) फंड के अलावा अधिकतर सब-कैटेगरी में सकारात्मक रुझान दिखा। फ्लेक्सी कैप फंड में सबसे अधिक 8,135 करोड़ का निवेश आया। हालांकि, यह अक्तूबर के 8,929 करोड़ से 9 फीसदी कम है। डेट म्यूचुअल फंड से 25,692 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जबकि अक्तूबर में 1.6 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ था। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी भारी गिरावट देखी गई। यह अक्तूबर के 7,743 करोड़ के शुद्ध निवेश से घटकर 3,742 करोड़ रह गया।

म्यूचुअल फंड और डीमैट खातों के लिए नामांकन प्रक्रिया की तिथि टली; 26 निवेशकों ने लगाए 4815 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे के तीसरे चरण के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया है। यह पहले 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, नई तिथि की घोषणा बाद में होगी। यह स्थगन डिपॉजिटरी और अन्य हितधारकों की ओर से सामना की जा रही परिचालन संबंधी चुनौतियों के जवाब में किया गया है। सेबी ने रीट और इनविट की परिभाषा में भी बदलाव किया है। एक योग्य संस्थागत खरीदार मानी जाने वाली संस्था रणनीतिक निवेशक के रूप में आवेदन कर सकती है। इसमें सरकारी वित्तीय संस्थानों, पेंशन एवं भविष्य निधि, वैकल्पिक निवेश निधि, राज्य औद्योगिक विकास निगम, पारिवारिक ट्रस्ट और 500 करोड़ से अधिक की कुल संपत्ति वाले पंजीकृत मध्यस्थों सहित अन्य संस्थानों का समूह शामिल है। दिग्गज निवेशकों का म्यूचुअल फंड पसंदीदा निवेश का साधन बन चुका है। इसका उदाहरण यह है कि 10,000 करोड़ रुपये के आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का आईपीओ खुलने से पहले ही 4,815 करोड़ का निवेश किया गया है। शुक्रवार से खुलने वाले इश्यू में झुनझुनवाला परिवार, मधुसूदन केला सहित 26 निवेशकों ने दांव लगाया है।

घाटकोपर की झुग्गी से कहानी शुरू, आज 40 से ज्यादा देशों में फैला है कारोबार

दुबई या संयुक्त अरब अमीरात ही नहीं बल्कि पूरे खाड़ी देशों की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी के चेयरमैन हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
डेन्यूब ग्रुप के संस्थापक रिजवान साजन ने वह दिन देखा है जो किसी को नहीं देखना पड़े। 16 साल की उम्र में पिता का साया सर से हट गया। पिताजी के नहीं रहने के बाद सुबह 4 बजे उठ कर घर-घर दूध और अखबार पहुंचाया। सकड़ों पर चादर बिछा कर त्योहारों में पटाखे और राखियां भी बेचीं। आज रिजवान साजन दुबई या संयुक्त अरब अमीरात ही नहीं बल्कि पूरे खाड़ी देशों की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनी के चेयरमैन हैं। उनकी कंपनी का टर्नओवर 4 बिलियन डॉलर हो गया है। इस समय 40 से अधिक देशों में उनका ग्रुप काम कर रहा है और उनकी कंपनी में करीब 6,000 लोग काम करते हैं। जानते हैं रिजवान साजन की कहानी।

घाटकोपर की झुग्गी से है संबंध

रिजवान साजन का जन्म जब हुआ, तब उनके माता-पिता मुंबई के घाटकोपर इलाके की झुग्गी में रहते थे। उनके पिता की एक छोटी सी नौकरी थी, लेकिन बड़ा परिवार था इसलिए अच्छे इलाके में नहीं रह सकते थे। लेकिन उन्होंने हिम्मत कर महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक योजना में चॉल के लिए आवेदन कर दिया। लॉटरी में उनके नाम चॉल का एक मकान निकल गया। उस समय चॉल का मकान खरीदने में 33 फीसदी सब्सिडी सरकार की तरफ से मिलती थी, 33 फीसदी लोन मिल जाता था और 33 फीसदी खुद चुकाने होते थे। उनके पिता ने 33 फीसदी रकम का इंतजाम किसी तरह किया और चॉल वाला मकान ले लिया।

अग्रसोची थे रिजवान के पिता

रिजवान साजन के पिता की आमदनी भले ही कम थी, लेकिन अग्रसोची थे। इसलिए उन्होंने अपने बेटे का एडमिशन घाटकोपर के मशहूर फातिमा कॉनवेंट स्कूल में कराया। हालांकि, उसका फीस बड़ी मुश्किल से भर पाते थे। लेकिन वहां तो पढ़ते थे बड़े घर के बच्चे, जो कैंटीन में खाने-पीने पर खूब पैसे उड़ाते थे। रिजवान को जेब खर्च ना के बराबर मिलता था। वह चाहते थे कि अपने दोस्तों की तरह वह भी कैंटीन में खाए-पिए और मौज उड़ाए। इसके लिए पिता से बात की और सुब सुबह दूध, अखबार आदि बांटने का काम पकड़ लिया। इससे उन्हें महीने में 100-150

रुपये मिल जाते थे। इससे उनका कैंटीन का खर्च निकल जाता था।

16 साल में घर चलाने की जिम्मेदारीत्र
रिजवान साजन के सर पर 16 साल में ही घर चलाने की तब जिम्मेदारी आन पड़ी, जब उनके पिताजी अक्टूबर 1980 में एक दुर्घटना के शिकार हो गए। पिता के नहीं रहने से उनकी पढ़ाई छूट गई। घर में थीं मां, 8 साल का छोटा भाई और एक बहन। पिता जहां काम करते थे, वहां नौकरी मिली, लेकिन पर्याप्त आमदनी नहीं हो पाती थी। इसलिए सुबह साढ़े चार बजे दूध बांटते थे, सात बजे से पढ़ाई और 10 बजे से शाम छह बजे तक ऑफिस। इससे घर की गाड़ी चलने लगी। यही नहीं, वह दिवाली और सबे बारात जैसे त्योहारे पर पटाखे बेचते थे तो रक्षा बंधन में राखियां। ताकि दो पैसे ज्यादा कमा सके। वह बताते हैं कि बाजार में जो भी सामान बिकता, वह उसे बेचते।

कुवैत से मिला नौकरी का ऑफर तो बदली किस्मत

इस बीच उनके एक रिश्तेदार के जरिए कुवैत में नौकरी का ऑफर मिला। काम था सेल्समैन का। वह साल था 1982 का। उस समय कुवैत के एक दीनार की कीमत भारतीय रुपए में 12.5 रुपये होती थी। भारत में तब वह 6,000 रुपये महीने की नौकरी करते थे और कुवैत में 1,500 दीनार (18,000 रुपये) महीने की पगार पर नौकरी मिली। ऊपर से सेल्स पर कमीशन भी मिलता था। मानों लॉटरी लग गई। वह सामान बेचने में माहिर थे, इसलिए खूब तरक्की पाई। तीन-चार साल में ही उनका वेतन 1,500 से 15,000 दीनार हो गया। ऊपर से हर महीने 50,000 दीनार का कमीशन अलग। इस पैसे से उन्होंने टोयोटा का लैंड क्रूजर खरीदा। अपनी बहन की शादी कराई। बांद्रा में मकान खरीदा और खुद की भी शादी की। सबकुछ सही चल रहा था कि कुवैत पर सद्दाम हुसैन का साया पड़ा। दो अगस्त 1990 को कुवैत पर इराक का हमला हो गया। उस समय उनका बेटा आदिल साजन एक साल का था। उन्हें कुवैत से जान बचा कर मुंबई भागना पड़ा। वह बताते हैं कि किसी तरह कार्गो प्लेन में बैठ कर मुंबई पहुंचे। मुंबई में कहीं नौकरी के लिए जाते तो पूछते तुम्हारे पास डिग्री क्या है? डिग्री के बिना वहां कोई नौकरी ही नहीं मिली।

दुबई से मिला ऑफर: रिजवान साजन मुंबई में जब नौकरी ढूंढते-ढूंढते थक गए, तब उन्होंने पुराने संबंधों को खंगालना शुरू किया। उनका एक दोस्त दुबई में रहता था। उन्होंने उसी दोस्त को मदद की चिट्ठी लिखी। जब वह कुवैत में थे तो उनके लिए वह काम करते थे। उस दोस्त ने उन्हें 1993 में उन्हें दुबई बुला लिया और हार्डवेयर का सामान बेचने के काम में लगा दिया। सेल्स का काम तो उन्हें भाता था ही, फिर से नए सिरे से काम शुरू कर दुबई में वह हार्डवेयर का सामान बेचने का इतना बढ़िया काम किया कि सैलेरी के अलावा 8-10 हजार दिरहम का कमीशन मिल जाता था। जब कुछ रकम जमा हुआ तो उन्होंने कंस्ट्रक्शन मैटेरियल बेचने का अपना काम शुरू किया।

मुफ्त शिक्षा के नाम पर नेपाल भेजे जा रहे आदिवासी बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के आदिवासी बहुल इलाकों से गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा, रहना-खाना और उज्ज्वल भविष्य का लालच देकर नेपाल के बौद्ध मठों में ले जाया जा रहा है। मामला सामने आने के बाद चाईबासा पुलिस ने मानव तस्करी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ऐसे 27 बच्चों की जांच कर रही है।अब सवाल उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ शिक्षा का प्रलोभन है या इसके पीछे बड़े स्तर पर धर्म परिवर्तन की कोई सुनियोजित साजिश चल रही है? दिलचस्प बात यह है कि 27 बच्चों में से रांगामाटी गांव के 11 बच्चों के परिजन चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे हैं कि उनके बच्चों को छल से ले जाया गया, वापस लाओ।

बाकी 16 बच्चों के माता-पिता ने लिखित में सहमति दे दी है कि उनके बच्चे वहीं मठ में पढ़ाई करें। आदिवासी इलाकों में गरीबी और अशिक्षा का फायदा उठा कर ही मानव तस्करी का ट्रेंड रहा है। सरकार को इनसे सख्ती से निपटना चाहिए।

- ⇨27 में से 11 बच्चे किसी तरह गिरफ्त से भागे
- ⇨लोग लगा रहे धर्म परिवर्तन कराने का आरोप
- ⇨बाहर निकलने पर पाबंदी एवं शारीरिक दंड

11 नवंबर 2025 को पश्चिमी सिंहभूम के अलग-अलग इलाकों से कुल 27 आदिवासी बच्चे (उम्र 10-16 साल) नेपाल भेजे गए। इनमें चाइबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र से 11 बच्चे, चक्रधरपुर से 10, कुमारडुंगी से 4 और झींकपानी से 2 दो बच्चे शामिल हैं।

इन बच्चों को नेपाल के नमोबुद्ध मेडिटेशन सेंटर, सेडोल भक्तपुर (द्रांड्र रिन्पोचे ब्रांच) में ले जाया गया। लालच दिया गया था कि वहां मुफ्त में अच्छी पढ़ाई, रहना-खाना और भविष्य बन जाएगा।

नेपाल से अब तक 11 बच्चे किसी तरह भागकर या नेपाल पुलिस की मदद से लौट आए हैं। इन बच्चों की आपबीती सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

वहां कोई स्कूल नहीं था, कोई किताब नहीं दी जाती थी। सिर्फ ब्लैकबोर्ड पर नेपाली, हिंदी और अंग्रेजी लिखकर पढ़ाई का नाटक होता था। दिन में दो बार ध्यान कराया जाता था, बाल मुंडवाए जाते थे, मठ की ड्रेस पहननी पड़ती थी। बाहर निकलना पूरी तरह प्रतिबंधित था। नियम तोड़ने पर हल्का शारीरिक दंड भी मिलता था। भाषा नहीं समझ आती थी, बच्चे डरे-सहमे रहते थे।

दो बच्चे तो सिर्फ 600 रुपये लेकर बस और ट्रेन बदल-बदल कर भाग निकले। चार अन्य बच्चों को नेपाल पुलिस ने 21 दिन तक सुरक्षित रखा और फिर परिजनों को सौंप दिया।

चाईबासा के आहतू और मुफस्सिल थाने में मानव तस्करी का केस दर्ज। रांगामाटी गांव के मुंडा राम जोंको, खूंटपानी के नारायण कांडेयांग औरबासिल हेम्ब्रम सहित अन्य को आरोपी बनाया गया है।पुलिस का कहना है कि बच्चों की सुरक्षित वापसी और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। नेपाल में बौद्ध मठों में आदिवासी बच्चों को ले जाकर बाल मुंडवाना, ध्यान कराना, बौद्ध धर्म की शिक्षा देना।

यह सब देखकर स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन एक ही सवाल उठा रहे हैं। क्या झारखंड-ओडिशा के आदिवासी बच्चों को मुफ्त शिक्षा के नाम पर बौद्ध बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है? पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है। नेपाल विदेश तो है, लेकिन सीमा से सटा हुआ। ऐसे में बच्चों को बिना उचित दस्तावेज और अभिभावक की लिखित सहमति के विदेश ले जाना अपने आप में गैरकानूनी है। क्या नेपाल के अलावा अन्य कोई देश तो इसमें शामिल नहीं हैं, जांच होना शेष है। 11 बच्चे सुरक्षित लौट चुके हैं। बाकी बच्चों को वापस लाने की कोशिश जारी। आदिवासी इलाकों में गरीबी और अशिक्षा का फायदा उठाकर बच्चों को इस तरह लुभाना और फिर मठों में बंद करना बेहद गंभीर मामला है। अगर यह सचमुच धर्म परिवर्तन का खेल है, तो यह झारखंड के आदिवासी समाज के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। पुलिस और प्रशासन से उम्मीद है कि बाकी बच्चे जल्द सुरक्षित घर लौटें और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

ट्रक की चपेट में आने से दंपत्ति की मौत

दो साल का बेटा घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के उरुगुट्टू गांव में गुरुवार की देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान, कोयला लोड ट्रक ने इन दोनों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उनकी जान चली गई। वहीं, उनका दो साल का बेटा घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक दंपति, सुनील उरांव और उनकी पत्नी राजमुनी देवी, बानापीढ़ी गांव के निवासी थे। वे अपने छोटे बेटे के साथ छठी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कोनकी गांव से अपने घर लौट रहे थे। यह हादसा उस वक्त हुआ जब उनका वाहन उरुगुट्टू क्षेत्र में था और अचानक सामने से आ रहे कोयला लोड ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आकर पति-पत्नी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका दो साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही ठाकुरगांव थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घायल बच्चे को पास के अस्पताल में इलाज के

लिए भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक चालक को भी हिरासत में लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

इस हादसे ने मृतक दंपति के परिवार में कोहराम मचा दिया है। उनके परिजन इस अकल्पनीय दुख से जूझ रहे हैं। बानापीढ़ी और कोनकी गांव के लोग इस घटना पर शोक व्यक्त कर रहे हैं और मृतकों के परिजनों के साथ गहरी सहानुभूति जता रहे हैं।

कफ सीरप मामले में ईडी ने दी दस्तक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीमों ने गैर कानूनी कफ सीरप मामले में मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल, उनके साथियों आलोक सिंह और अमित सिंह के कई ठिकानों पर छापा मारा है।

ईडी की टीम ने लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची के ठिकानों पर छापेमारी की है। वहीं, लखनऊ में आरोपी आलोक सिंह के ठिकानों पर भी छापा मारा गया है।

पिछले दो महीनों में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में लखनऊ, वाराणसी, सोनभद्र, सहारनपुर, गाजियाबाद सहित कोडीन आधारित कफ सीरप के अवैध भंडारण, परिवहन, व्यापार और सीमा पार व्यापार के संबंध में दर्ज 30 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईसीआईआर दर्ज की गई थी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक

मृतकों के आश्रितों को मुआवजा देने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से अन्य जिलों के उन व्यक्तियों के परिजनों को मुआवजा भुगतान पर विचार-विमर्श किया गया, जिनकी मृत्यु खूंटी जिले में पानी में डूबने अथवा सड़क दुर्घटना में हो गई थी।

बैठक में कुल 5 मामलों की समीक्षा की गई। इनमें रीमिक्स जलप्रपात में डूबने से 2 व्यक्तियों की मृत्यु, सोंमार बाजार के समीप स्थित कुएँ में डूबने से 1 व्यक्ति की मृत्यु, पांडुपुडिंग जलप्रपात में डूबने से 1 व्यक्ति की मृत्यु, तथा कुलडा पुल के समीप सड़क हादसे में 1 व्यक्ति की मृत्यु शामिल थी।

यह सभी रांची, प० सिंहभूम एवं सिमडेगा जिले के रहने वाले थे, सभी मामलों में समिति द्वारा मृतकों के आश्रितों को मुआवजा भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई। सरकारी प्रावधानों के अनुरूप पानी में डूब कर हुई मृत्यु में आश्रित को 4 लाख रुपये मुआवजा राशि एवं सड़क हादसे में हुई मृत्यु में 1 लाख रुपये मुआवजा राशि मृतक के आश्रितों को दिया जाएगा।

बैठक में उपायुक्त ने अपर समाहर्ता के माध्यम से सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने अंचलों में आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बैठक के माध्यम से आम नागरिकों को विभिन्न जलप्रपातों में अधिक जल स्तर के नजदीक न जाने की अपील की

जाए। नए साल के अवसर पर जलप्रपातों के आसपास भीड़ बढ़ने की संभावना के मद्देनजर उन्होंने अधिक जलस्तर वाले स्थानों की अनिवार्य बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

वहीं बढ़ती ठंड को देखते हुए उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत तथा संबंधित अधिकारियों को चौक-चौराहों पर अलाव की उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, सिविल सर्जन डॉ. एन. मांझी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मिस इंडिया बनी महागामा की जयंती कुमारी

ग्रैंड फिनाले में करेंगी झारखण्ड का प्रतिनिधित्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा जिला अंतर्गत महागामा अनुमंडल मुख्यालय की जयंती कुमारी ने अपनी लगन और निरंतर मेहनत के दम पर राज्य का नाम रोशन किया है। राजस्थान के जयपुर में आयोजित होने वाले फारएवर मिस इंडियन कांटेस्ट 2025 के ग्रैंड फिनाले के लिए उनका चयन हुआ है।

जयंती ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर टॉप- तीन में जगह बनाई है। आगामी 19 से 21 दिसंबर तक चलने वाली उक्त प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 21 दिसंबर को होगा, जिसमें वह झारखंड की ओर से प्रतिभागी होंगी। महागामा निवासी 28 वर्षीय जयंती बचपन से ही फैशन और ग्रूमिंग की दुनिया में कदम रखने का सपना देखती थीं। लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते उन्होंने पहले सरकारी सेवा में स्थान पाने का लक्ष्य तय किया। कठिन परिश्रम के बाद 2020 में उनका चयन एम्स कल्याणी (प. बंगाल) में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर हुआ।

जनवरी 2022 से वह अपनी सेवा दे रही हैं। सरकारी नौकरी के बाद जयंती ने अपने अधूरे सपने को साकार करना शुरू किया। रोजाना शाम पांच बजे ड्यूटी खत्म होने के बाद वे फैशन, कैटवॉक और ग्रूमिंग की तैयारी में जुट जाती थीं।

परिवार और दोस्तों के प्रोत्साहन ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। जयंती के पिता नंदकिशोर साह, जिनका एक छोटा कपड़ों का दुकान है, बताते हैं कि बेटी को बचपन से ही सजने-संवरने और मॉडलिंग का बहुत शौक था। मगर घरेलू परिस्थितियों के कारण पढ़ाई को प्राथमिकता देना आवश्यक था।आज जयंती की उपलब्धि पर पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है।

जयंती ने कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई नवोदय विद्यालय ललमटिया गोड्डा से की और इसके बाद रांची रिम्स से बीएससी नर्सिंग कर वर्ष 2020 में स्नातक किया। उसी वर्ष उनका एम्स कल्याणी में चयन हुआ था।

फॉरएवर मिस इंडियन कॉन्टेस्ट 2025 का आयोजन सीईओ राजेश अग्रवाल और डायरेक्टर जया चौहान के नेतृत्व में जयपुर में किया जा रहा है। इस मंच पर जयंती की भागीदारी झारखंड के लिए गर्व का विषय है।

पलामू के सभी सीएचसी में जल्द चालू होगी बेबी केयर यूनिट

जिले में हर माह हो रही आठ से दस नवजातों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र- चैनपुर, लेस्लीगंज, पांकी, मनातू, पाटन, विश्रामपुर और हरिहरगंज में जल्द ही बेबी केयर यूनिट शुरू किए जाएंगे।

फिलहाल जिले के किसी भी सीएचसी में बेबी केयर यूनिट उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण नवजात बच्चों को गंभीर जोखिम उठाना पड़ता है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार योजना के पहले चरण में उन सभी सीएचसी में यूनिट खोली जाएगी जहां फिलहाल बेबी केयर की सुविधा नहीं है।इसका उद्देश्य प्रसव के तुरंत बाद नवजात की विशेषज्ञ देखभाल है, ताकि जच्चा और बच्चा एक ही स्थान पर सुरक्षित रहें।

पलामू जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रति माह औसतन 200 से 300 तक प्रसव होते हैं। इनमें कई नवजात ऐसे होते हैं जिन्हें जन्म के तुरंत बाद विशेष निगरानी की आवश्यकता होती है। लेकिन बेबी केयर यूनिट नहीं होने के कारण इन बच्चों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संचालित एसएनसीयू में भेजना पड़ता है।

इसी वजह से मां और बच्चा अलग हो जाते हैं, जिससे स्तनपान प्रभावित होता है। चिकित्सकों के अनुसार, डिब्बे के दूध पर निर्भरता बढ़ने से नवजात की इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और बारम्बार बीमार पड़ने की संभावना बढ़ जाती

है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संचालित एसएनसीयू तक ले जाने में देरी और अलगाव की समस्या के कारण पलामू में प्रति माह 8 से 10 नवजातों की मौत दर्ज की जाती है। विशेषकर असामान्य या कमजोर जन्मे बच्चों के लिए प्रारंभिक कुछ घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।

बेबी केयर यूनिट स्थापित होने से इन मौतों को रोकने में बड़ी मदद मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग इन यूनिटों को प्रसूति वार्ड के ठीक पास स्थापित करेगा ताकि जच्चा और बच्चा दोनों एक ही जगह पर रह सकें।

पलामू जिले के हुसैनाबाद और छतरपुर में संचालित अनुमंडलीय अस्पताल में बेबी केयर यूनिट खोले गए थे। वहां पर जरुरी संसाधन भी उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन शिशु रोग विशेषज्ञ समेत आवश्यक स्टाफ की कमी के कारण यूनिट संचालित ही नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण इनका लाभ वहां के लोगों को नहीं मिल पा रहा हैं। यहां पर सवाल यह है कि अगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बेबी केयर यूनिट खुलता है तो वहां पर शिशु रोग विशेषज्ञ के नहीं होने से नवजात बच्चों का इलाज कैसे होगा?

छापेमारी करने गयी उत्पाद विभाग की टीम से झड़प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जिले के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के पिटरो गांव के अनुसूचित जाति टोला में अवैध शराब की बरामदगी को लेकर गुरुवार की देर शाम छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम से झड़प हो गई। छापेमारी के दौरान कथित रूप से पिटाई किए जाने से एक महिला की मौत हो गई।

मृतका 40 वर्षीय दुर्गावती देवी पिटरो गांव निवासी विनोद राम की पत्नी थी। शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल, आरा में कराया गया। इधर, महिला की मौत को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा।

आक्रोशित लोगों ने शव के साथ पीरो-अगिआंव बाजार मुख्य पथ को करीब तीन घंटे तक जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया। महिलाएं भी सड़क पर आ गई थी, जिससे यातायात पूरी तरह ठप रहा।

सूचना मिलते ही पीरो एएसपी कृष्णा कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद सड़क जाम हट सका। उन्होंने बताया कि मृतका के पति विनोद राम के बयान पर उत्पाद विभाग की टीम पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त रजनीश कुमार ने कहा कि टीम जब देर शाम छापेमारी के लिए गई थी तो ईट-पत्थर से हमला किया गया था। टीम पर मारपीट किए जाने का आरोप गलत है।

बताया जा रहा कि गुरुवार की देर शाम अवैध शराब की बरामदगी को लेकर उत्पाद विभाग की टीम पिटरो गांव में छापेमारी करने गई थी।

इस दौरान कथित रूप से करीब आधा दर्जन महिलाओं के साथ मारपीट करने एवं दो बाइक समेत घरेलू सामान को भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त किए जाने का आरोप है।

सास की मौत की खबर सुनते ही बहू की मौत

सोनारायठाढी। ईश्वर की लीला सांसारिक जीवन में कोई नहीं जान सकता। विधाता क्या रच देता है। सास-बहु के किस्से सब अपनी अपनी नजर से देखते हैं, सुनते हैं। सुनते आए हैं और आगे भी देखेंगे-सुनेंगे। लेकिन देवघर की एक घटना ने सारे मिथ्याओं को तोड़ दिया है। प्रखंड के ब्रहमोतरा पंचायत के नकटी गांव से आई है। रात्रि नकटी निवासी जिसकी उम्र 85 साल है। करीब रात्रि सात बजे के समय स्वर्गवास हो गया। सास के निधन होने की सूचना जैसे ही 54 वर्षीय बहू उषा देवी को मिली वैसे ही उनका भी निधन तकरीबन एक घंटा बाद हो गया। मौत का कारण ब्रेन हेमरेज बताया गया। एक साथ सास-बहू का निधन होने से गांव के लोग शोकाकुल हैं। वहीं स्वजनों का भी रो रोकर बुरा हाल है। दोनों को एक साथ सारवां प्रखंड स्थित अजय नदी के जियाखाडा घाट में अंतिम संस्कार किया गया। घटना की खबर सुनकर पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख व पूर्व स्पीकर शशांक शेखर भोक्ता के पुत्र पहुंचे और शोकाकुल परिवारजनों को सांत्वना दिया। बता दें कि उषा देवी का दो पुत्र देवाशीष सिंह व वैभव कुमार सिंह और दो पुत्री रिंकी कुमारी व सोनल कुमारी है।

अतिक्रमण हटाने गयी टीम को झेलना पड़ा लोगों का गुस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रिम्स परिसर को अतिक्रमणमुक्त करने को लेकर गुरुवार को प्रशासन ने अभियान तेज किया, लेकिन कार्रवाई के दौरान डीआईजी ग्राउंड इलाके में भारी विरोध देखने को मिला।

सुबह से ही बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुटे थे। बरियातू थाना प्रभारी, दंडाधिकारी और पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी के बीच जैसे ही टीम आगे बढ़ी, ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने का विरोध शुरू कर दिया।

ग्रामीणों का साफ कहना था कि पहले बड़ी-बड़ी इमारतें तोड़ी जाएं, उसके बाद हम खुद हट जाएंगे। मौके पर तनाव तब बढ़ गया जब प्रशासन ने मसना स्थल की घेराबंदी की गई बाउंड्री का एक हिस्सा ढहा दिया। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और कुछ देर के लिए स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखी।

रिम्स के नौ एकड़ जमीन पर है अतिक्रमण

हालांकि, पुलिस और दंडाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद हालात संभाल लिए गए। मालूम हो कि अब शुक्रवार को डीआइजी क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पक्के मकानों को तोड़ा जाएगा। अब प्रशासन की ओर से कड़ी तैयारी की जा रही है।

विवाद के बीच यह भी साफ दिखा कि प्रशासन ने डीआइजी ग्राउंड में बने किसी भी पक्के निर्माण को नहीं छुआ।

कोर्ट के आदेश के बावजूद यहां केवल एक रिक्शा गैरेज जैसे कच्चे निर्माण को हटाकर औपचारिक कार्रवाई कर दी गई। जबकि इसी इलाके में कई पक्के अवैध मकान मौजूद हैं और रिम्स की कुल लगभग नौ एकड़ जमीन पर अतिक्रमण बना हुआ है।

भीषण अगलगी में पांच घर जलकर राख, लाखों की क्षति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। रुस्तमपुर थाना क्षेत्र की रुस्तमपुर पंचायत स्थित हिम्मतपुर गांव के वार्ड संख्या-2 में देर रात अचानक लगी आग से पांच घर जलकर राख हो गए। अगलगी की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए और मोटर पंप एवं चापाकल की मदद से आग बुझाने में लग गए। इसकी सूचना पुलिस एवं फायर ब्रिगेड को भी दी गई। हालांकि, फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था।

आगलगी की इस घटना में घर समेत घर के अंदर रखा सारा सामान जल कर नष्ट हो चुका। आगलगी की घटना के बाद अग्निपीड़ितों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 2 के नागेंद्र राय के पुत्र शशि कुमार यादव के घर में देर रात अचानक आग लग गई। आगलगी की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में आसपास के लोग जुट गए। देखते ही देखते आग की लपटें काफी तेज हो गई और बगल के रवि राय, संतोष राय, ललन ठाकुर एवं प्रेमचंद ठाकुर का घर भी इसकी चपेट में आ गए। मौके पर जुटे लोगों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आगलगी की इस घटना में कपड़ा, चौकी, खटिया, पलंग, गेहूं, बर्तन, जरूरी कागजात समेत घर का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार के सामने अब खुले आसमान तले जीवन यापन की चिंता खड़ी हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रखंड दिव्यांग संघ के अध्यक्ष गुड्डू कुमार शुक्रवार की सुबह मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही सीओ से तत्काल सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। इस संबंध में रुस्तमपुर थानाध्यक्ष कुमार अभिषेक ने बताया कि पांच घर जलने की घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने सनहा दर्ज कराया है।

डब्ल्यूबीबीएलः

मूनी की तूफानी पारी, सिक्सर्स के खिलाफ जीत के साथ फाइनल में स्कॉर्चर्स

सिडनी, एजेंसी। पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के चैलेंजर्स मुकाबले में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ 11 रन से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। अब यह टीम शनिवार को फाइनल में होबार्ट हेरिकेंस से भिड़ेगी। नॉर्थ सिडनी ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 183 रन बनाए। इस टीम के लिए केटी मैक और बेथ मूनी ने 7.2 ओवरों में 66 रन की साझेदारी

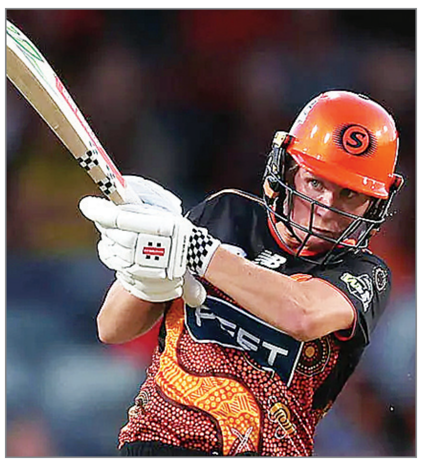

की। मैक 30 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। यहां से बेथ मूनी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने महज 44 गेंदों में 11 चौकों और 1 छक्के के साथ 76 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। इनके अलावा, पेज स्कोफील्ड ने 14 रन, जबकि अलाना किंग ने 11 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से कप्तान एशले गार्डनर ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मैतलान ब्राउन और अमेलिया केर ने 2-2 विकेट निकाले। लॉरेन चीटल ने एक विकेट हासिल किया। इसके जवाब में सिडनी सिक्सर्स की टीम 20 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इस टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। सोफी डंकले ने एलिस पेरी के साथ 7.3 ओवरों में 58 रन की साझेदारी की। एलिस 22 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सोफी ने 30 गेंदों में 41 रन टीम के खाते में जोड़े। टीम 74 के स्कोर तक तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अमेलिया केर ने कप्तान एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 53 रन जुटाते हुए टीम को 127 के स्कोर तक पहुंचा दिया था, लेकिन इसी बीच गार्डनर (26) ने अपना विकेट गंवा दिया। अमेलिया ने 29 गेंदों में 6 चौकों के साथ 42 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। विपक्षी टीम की तरफ से अलाना किंग ने 17 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि क्लोई आइन्सवर्थ, रूबी स्ट्रैंज और लिल्ली मिल्स ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप

अब अगले साल 4 जनवरी से ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर का पॉल्यूशन लोगों की सांस ही नहीं रोक रहा, बल्कि खेल कार्यक्रमों को भी प्रभावित कर रहा है। इसके चलते नोएडा में होने वाली नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तारीखों में बॉक्सिंग संघ ने बदलाव किया है। यह पहला

मौका होगा, जबकि महिला और पुरुष वर्ग के मुकाबले एक साथ हो रहे हैं। हरियाणा के कई बॉक्सर इसमें अपने पंच का दम दिखाएंगे। बॉक्सिंग संघ के अनुसार 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा।

सिर्फ एक साल नौ महीने की उम्र में कमाल!

वेदा बनीं भारत की सबसे कम उम्र की 100 मीटर तैराक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदा परेश सरफरे, रत्नागिरी, महाराष्ट्र की एक नन्ही बच्ची, 100 मीटर की की तैराकी करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की तैराक बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 1 साल 9 महीने की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना ली है। भारत की नन्ही तैराक वेदा सरफरे ने बहुत छोटी उम्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो बड़े खिलाड़ियों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। सिर्फ एक साल नौ महीने 10 दिन की उम्र में वेदा ने 100 मीटर तैराकी पूरी कर अपना नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली वे वह देश की सबसे छोटी तैराक बन गई हैं।

नौ महीने में शुरू हुआ वेदा का प्रशिक्षण- वेदा सरफरे ने औपचारिक तैराकी प्रशिक्षण की शुरुआत सिर्फ नौ महीने की उम्र में कर दी थी। बताया जाता है कि वेदा को तैराकी की दिलचस्पी अपने भाई की स्विमिंग क्लास देखकर ही मिली। उनका प्रशिक्षण कोच महेश मिल्के और उनकी पत्नी गौरी मिल्के ने शुरू कराया, जिन्होंने अगले 11 महीनों तक वेदा को तैराकी में संतुलन, सांस नियंत्रण और सहनशक्ति की ट्रेनिंग दी और वेदा की क्षमता को धीरे-धीरे विकसित किया।

रत्नागिरी के स्विमिंग पूल में पूरा किया रिकॉर्ड तैराकी प्रयास- इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को भेजे गए मेल के मुताबिक, वेदा ने 25म22 मीटर माप वाले रत्नागिरी नगर स्विमिंग पूल में चार लैप लगाते हुए कुल 100 मीटर दूरी पूरी की। उन्होंने यह कारनामा 10 मिनट आठ सेकंड में पूरा किया। उनके इंस्टाग्राम पेज पर प्रशिक्षण के कई वीडियो साझा किए जाते हैं, और वहीं पर इस रिकॉर्ड की आधिकारिक जानकारी भी दी गई है। मेल के अंश में लिखा गया, 'उन्होंने 25म22 मीटर के स्विमिंग पूल में 100 मीटर (4 लैप) की दूरी 10 मिनट 8 सेकंड में पूरी की।'

'देश की सबसे कम उम्र की तैराक'

वेदा के कोच महेश मिल्के ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'कड़ी मेहनत और लगातार प्रशिक्षण के साथ, मात्र 21 महीने की इस बच्ची ने यंगेस्ट स्विमर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।' उनके अनुसार, यह उपलब्धि न केवल वेदा बल्कि भारत में बाल प्रतिभा के विकास का भी एक बड़ा उदाहरण है।

5 छक्का लगा वर्ल्ड क्रिकेट में मचा दिया तहलका

तिलक वर्मा बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में न्यू चंडीगढ़ में जहां अन्य भारतीय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझते नजर आए वहीं तिलक वर्मा ने खूब संघर्ष किया और टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेली। भारत ने एक समय पर 67 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बादवूज तिलक वर्मा ने धैर्य बनाए रखा और अच्छी पारी खेलने में कामयाब रहे। तिलक वर्मा को अगर इस मैच में दूसरे छोर से किसी एक या दो बल्लेबाज का भी साथ मिला होता तो कहानी बदल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और भारत को 51 रन से हार मिली। तिलक वर्मा ने इस मैच में 34 गेंदों पर 62 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 5 जबरदस्त छक्के और 2 चौके भी जड़े साथ ही इन चौकों की मदद से कप्तान सूर्यकुमार यादव का बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

सूर्यकुमार यादव से आगे निकले तिलक वर्मा

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में भी जारी रहा जिसमें वो 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20आई में अब वो भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी नहीं रहे। तिलक वर्मा ने दूसरे मैच में 5 छक्के लगाए और वो अब भारत की तरफ से टी20आई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर बने।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक तिलक वर्मा ने टी20आई में 8 पारियों में 26 छक्के लगा चुके हैं जबकि सूर्यकुमार यादव ने इस टीम के खिलाफ अब तक 12 पारियों में 25 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने इस टीम के खिलाफ 4 पारियों में 19 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा ने 16 पारियों में 17 छक्के लगाए थे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर

26 छक्के - तिलक वर्मा - 8 पारी
25 छक्के - सूर्यकुमार यादव - 12 पारी
19 छक्के - संजू सैमसन - 4 पारी
16 छक्के - रोहित शर्मा - 17 पारी

हमेशा अभिषेक से उम्मीद नहीं की जा सकती

हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगाः सूर्या

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले को 51 रन से जीता। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि उन्हें और शुभमन गिल को क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकारा है कि टीम को साउथ अफ्रीका से सीखना होगा। मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'साउथ अफ्रीका को पहली इनिंग से ही पता चल गया था कि किस लेंथ पर बॉलिंग करनी है। यहां थोड़ी ओस थी। अगर पहला प्लान काम नहीं करता, तो हमें दूसरा प्लान अपनाना चाहिए था। हमें साउथ अफ्रीका से सीखना होगा।' सूर्यकुमार यादव इस मुकाबले में सिर्फ 5 ही रन बना सके, जबकि शुभमन गिल अपनी पहली ही गेंद पर लुंगी एनगिडी को विकेट दे बैठे। इस पारी में अभिषेक शर्मा ने 8 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 17 रन बनाए। भारतीय कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं और शुभमन गिल मिलकर एक अच्छी शुरुआत दे सकते थे क्योंकि हम हर समय अभिषेक शर्मा पर भरोसा नहीं कर सकते। जिस तरह से वह बैटिंग कर रहे हैं, उनका दिन खराब हो सकता है। मुझे, शुभमन और कुछ

दूसरे बल्लेबाजों को भारतीय पारी को संभालना चाहिए था। मुझे लगता है कि यह एक स्मार्ट चेज होता।

मुझे वह जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। थोड़ी और गहराई से बैटिंग करनी चाहिए थी। लेकिन हां, हम सीखते हैं, हम कोशिश करते हैं और आने वाले अगले गेम में बेहतर करते हैं। हम देखेंगे कि अगले गेम में हमारे लिए क्या होता है। इस मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 213 रन बनाए। इस पारी में क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंदों में 7 छक्कों और 5 चौकों के साथ 90 रन जोड़े, जबकि डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। इसके जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवरों में महज 162 रन पर सिमट गई। भारत की तरफ से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों में 62 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट 9 विकेट से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई; डफी ने मैच में 6 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 9 विकेट से हरा दिया है। कीवी टीम ने इस जीत के साथ 3 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला टेस्ट ड्रॉ हुआ था।

दूसरा टेस्ट महज 3 दिन में खत्म हो गया। शुक्रवार को तीसरे दिन जैकब डबी की शानदार गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 56 रन का टारगेट मिला। जिसे टीम ने सिर्फ 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। डफी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का आखिरी और तीसरा टेस्ट गुरुवार से बे ओवल में शुरू होगा।

वेस्टइंडीज दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर सकी- वेलिंगटन टेस्ट में वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 205 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने 9 विकेट के नुकसान पर 278 बनाए। फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए ब्लेयर टिकनर ने बल्लेबाजी नहीं की थी। ऐसे में टीम को 73 रन की बढ़त मिली। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी सिर्फ 128 रन पर सिमट गई और न्यूजीलैंड को 56 रन का टारगेट मिला।

डफी ने 5 और माइकल ने 3 विकेट लिए

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन की शुरुआत 32/2 के स्कोर से की। टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 128 रन बना सकी। केवेम हॉज ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स 25, ब्रेंडन किंग 22 और जॉन जॉन कैंपबेल 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बाकी 7 बैटर्स डबल डिजिट में भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी ने 5 विकेट लिए। माइकल रे ने 3 और जैक फोल्क्स ने 1 विकेट हासिल किया। 56 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कीवी टीम के लिए डेवोन कॉनवे 28 और केन विलियमसन 16 रन बना कर नाबाद लौटे। कप्तान टॉम लैथम 28 बॉल पर 9 रन बनाए। उन्हें एंडरसन फिलिप ने हॉज के हाथों कैच कराया।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप

एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

सिंधू और लक्ष्य टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। पीवी सिंधू अगले साल फरवरी में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। इसमें लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी भी हिस्सा लेगी। अगले साल चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित हो गई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट तीन से आठ फरवरी तक होगा। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है, जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं।

सिंधू करेंगी अगुआई- भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा, 'रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुआई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू करेंगी।' दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे, जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है। सात्विक-चिराग पुरुष युगल वर्ग में अगुआई करेंगे जिसमें गुवाहाटी मास्टर्स के उप विजेता साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय के साथ हरिहरन अमसाकरुणन भी शामिल हैं। महिला वर्ग में सिंधू को एकल में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री संतोष रामराज और मालविका बंसोड़ का साथ मिलेगा।

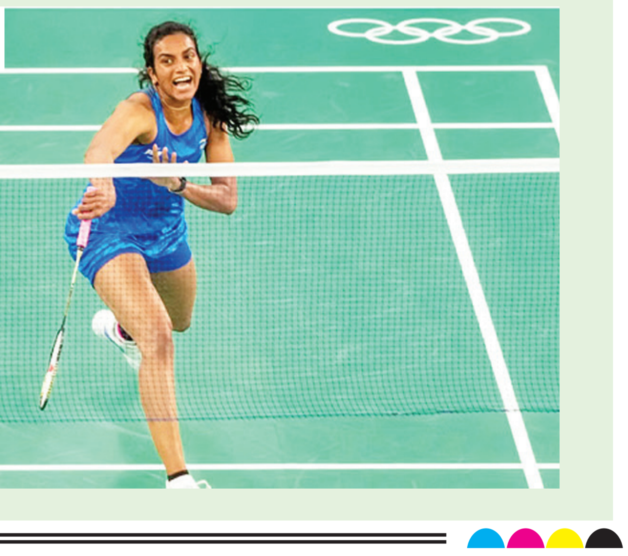

संक्षिप्त समाचार

नजफगढ़ नाले पर बनेगा कॉरिडोर, झटीकरा से बसई दारापुर तक 57 किमी का रूट मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में करीब 10 साल बाद सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान राजधानी की गतिशीलता, जल निकासी क्षमता और शहरी सुरक्षा को बदलने वाले कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक में नजफगढ़ नाले पर 57 किलोमीटर का नया मोबिलिटी कॉरिडोर बनाने का निर्णय हुआ। नाले के दोनों तटों पर कठोर दो-लेन सेवा मार्गों का निर्माण होगा। झटीकरा से छावला ब्रिज, बसई दारापुर के बीच यह मार्ग यूईआर-2, आउटर रिंग रोड और इनर रिंग रोड के समानांतर चलता है, लेकिन वर्षों से इसका उपयोग सीमित था। इस कॉरिडोर के विकसित होने पर प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक का भार कम होगा, औद्योगिक जुड़ाव बढ़ेगा और पश्चिम व दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में 453 करोड़ की लागत से झटिकरा से बसईदारापुर तक दोनों तरफ सेवा मार्गों (सर्विस लेन) के निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई। वहीं, नजफगढ़ नाले में जमा 91 लाख घन मीटर पुरानी गाद को हटाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। बोर्ड ने सड़क को चौड़ा करने, एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने और वैज्ञानिक गाद निस्तारण जैसे उन्नत मोबिलिटी उपायों की संभावनाओं का भी अध्ययन करने के निर्देश दिए। आधुनिक ड्रेनिंग सिस्टम, एंफिबियस मशीनें और हाइड्रोलिक उपकरणों से लैस अनुभवी एजेंसियों को इन कार्यों में शामिल किया जाएगा। पर्यावरण-अनुकूल और वैज्ञानिक गाद निस्तारण प्रणाली भी इस प्रक्रिया का हिस्सा होगी। मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि कई वर्षों तक नालों की अनदेखी की गई, जिसके कारण जलभराव, ट्रैफिक जाम और अस्वच्छ वातावरण की समस्या बढ़ी। हमारी सरकार मिशन मोड में इस उपेक्षा को सुधारने का काम कर रही है। इसपरजल्द कार्य शुरू होगा। घनी आबादी वाले पूर्वी दिल्ली क्षेत्रों को राहत देने के लिए ट्रंक नाला नंबर-1 के साथ एलिवेटेड रोड निर्माण का व्यवहार्यता अध्ययन भी मंजूर किया गया है। यह कॉरिडोर भीड़भाड़ कम करेगा, आवागमन सुव्यवस्थित करेगा और आवासीय व व्यावसायिक क्षेत्रों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करेगा। शाहदरा लिंक ड्रेन का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिसमें पैदल मार्ग के साथ बारापुला मॉडल पर आधारित सार्वजनिक स्थाननों का विकास होगा। इन कार्यों से गांधी नगर, सीलमपुर, मुस्तफाबाद और आसपास के क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा। इस परियोजना से सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा। इससे लोगों को अवाजाही में सहूलियत होगी। जाम की समस्या नहीं होगी।

दिल्ली सरकार में 10वीं पास के लिए एमटीएस के 714 पदों पर भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में एमटीएस यानी मल्टी टास्किंग स्टाफ के पदों पर बंपर भर्ती निकाली है। एमटीएस के 714 पदों के लिए 10वीं पास अभ्यर्थी 17 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवारों को एप्लाई करना होगा। रिक्तियों में 302 पद अनारक्षित हैं। ओबीसी के लिए 212, एससी 70, एसटी 53 और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 77 पद आरक्षित हैं। डीएसएसएसबी एमटीएस भर्ती की खास बात यह है कि इसमें सिंगल टियर एग्जाम होगा। सिर्फ एक चरण में लिखित परीक्षा होगा। सिर्फ एक चरण में लिखित परीक्षा होगी। दो घंटे की परीक्षा में 200 अंकों के 200 एमसीक्यू टाइप प्रश्न पूछे जाएंगे। पेपर 2 घंटे का होगा। पेपर में जनरल अवेयरनेस, जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग, अरिथमेटिकल व न्यूमेरिकल एबिलिटी, हिंदी भाषा व कॉम्पीहेंशन, इंग्लिश लेंग्वेज व कॉम्प्रीहेंशन से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

शानदार रात्रिभोज के बाद ही होने लगी चर्चा

अगला डिनर कब देंगे पीएम मोदी?

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार की रात को अपने आधिकारिक आवास पर डिनर आयोजित किया था। इसमें भाजपा समेत एनडीए के सभी सांसद पहुंचे थे। भाजपा नेता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि इस डिनर का मकसद कुछ और नहीं बल्कि संवाद था। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी संवाद में यकीन करते हैं। वहीं भाजपा के सीनियर सांसद अनुराग ठाकुर ने तो अगले डिनर की भी जानकारी दे दी। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार की बंपर जीत के बाद हमें डिनर पर बुलाया था। अब बिहार के बाद अगला भोज बंगाल की जीत के बाद फिर होगा।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम सभी कृतज्ञ हैं कि प्रधानमंत्री ने हमें बुलाया और वार्ता की। हम सभी को उनसे मुलाकात करने का मौका मिला। हम सभी एक-दूसरे को जानते ही हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि जब पीएम मोदी के डिनर में सांसद पहुंचे तो कितने खुश थे। सभी लोग पीएम मोदी से मिले और डिनर का आनंद लिया। जानकारी के मुताबिक ज्यादातर सांसद बसों से पहुंचे थे और उनके लिए अलग-अलग टेबलों की व्यवस्था की गई थी। एक टेबल पर 7 से 8 सांसद बैठे थे। इसके अलावा एनडीए में बेहतर समन्वय के लिए यह भी तय किया गया कि भाजपा के सांसदों के साथ टेबल पर कम से कम एक सांसद किसी सहयोगी दल का भी हो।

हर टेबल पर पहुंचकर पीएम मोदी ने किया भोजन का आग्रह

डिनर में मौजूद रहे सांसदों के अनुसार मेजबानी कर रहे प्रधानमंत्री मोदी खुद अधिकांश टेबलों तक पहुंचे और सांसदों से भोजन का आग्रह किया। प्रधानमंत्री के सरकारी आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर गुरुवार शाम को हुए इस विशेष रात्रि भोज में केंद्र सरकार के सभी मंत्री, विभिन्न सहयोगी दलों के सांसद मौजूद रहे। सभी सांसद अलग-अलग समूह में बसों के जरिए प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। आवास पर 50 से ज्यादा टेबल लगाई गई थीं, जिन पर 7 से 8 सांसदों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। व्यवस्था इस तरह की गई थी कि हर टेबल पर भाजपा के साथ कम से कम सहयोगी दलों का एक सांसद जरूर मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी जिस टेबल पर बैठे थे उसे पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और अन्य सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहे। सांसदों ने आपस में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इनमें संसद के मुद्दे, सड़क के मुद्दे, राजनीतिक मुद्दे, चुनाव नतीजों और आने वाले चुनाव, विपक्षी दलों के मुद्दे भी शामिल रहे। पार्टी के एक प्रमुख नेता ने कहा कि आपकी संवाद, सहयोग और समन्वय को मजबूत करने के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण पहल रही। खास बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम में कोई भाषण नहीं हुआ और संवाद पर जोर रहा। लगभग 2 घंटे तक चले रात्रि भोज में राजग ने अपनी एकजुटता के प्रदर्शन के साथ साफ किया कि गठबंधन और मजबूती के साथ आगे बढ़ेगा।

सफदरजंग अस्पताल में बनेगा 1000 बेड का नया मातृ एवं शिशु ब्लॉक

● 800 करोड़ रुपये की आएगी लागत

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में करीब एक हजार बेड के मातृ एवं शिशु ब्लॉक का निर्माण होगा। अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। इस परियोजना पर करीब 800 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, यह कंपनी ही मातृ एवं शिशु ब्लॉक के बहुमंजिले भवन का डिजाइन तैयार कर उसका निर्माण कराएगी। इसके मद्देनजर अस्पताल प्रशासन ने पुराने इमरजेंसी ब्लॉक को तोड़ने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। यहीं पर नए ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि नए वर्ष में इमारत का निर्माण शुरू हो जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं और विभिन्न बीमारियों से पीड़ित बच्चों को इलाज की बेहतर और अत्याधुनिक सुविधा मिल सकेगी।

इस अस्पताल के गायनी विभाग में सबसे ज्यादा मरीज आते हैं। इस वजह से अस्पताल में 30 प्रतिशत भर्ती मरीजों का बोझ गायनी विभाग उठाता है। इसके अलावा पीडियाट्रिक विभाग में भी मरीजों का दबाव अधिक रहता है। इस वजह से इन दोनों विभागों को मिलाकर अस्पताल में करीब 640 बेड आवंटित हैं। इस अस्पताल में वर्ष भर में करीब 27 हजार प्रसव होता है। इस तरह प्रतिदिन औसतन 70 से 75 प्रसव होता है। इसका कारण यह है कि दिल्ली के अलावा एनसीआर से हाई रिस्क प्रेग्नेंसी से संबंधित गर्भवती महिलाएं रेफर होकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचती हैं। इस वजह से एक-एक बेड पर दो प्रसूता महिलाएं रहने को मजबूर होती हैं। कई बार प्रसव के बाद गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं को बेड नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में वे फर्श पर भी रहने को मजबूर होते हैं। इसके मद्देनजर इस अस्पताल में लंबे समय से मातृ एवं शिशु ब्लॉक के निर्माण की जरूरत महसूस की जा रही है। भवन तोड़कर होगा निर्माण – मातृ एवं शिशु ब्लॉक का निर्माण पुराने इमरजेंसी ब्लॉक के भवन को तोड़कर होना है। लिहाजा, इस पुराने इमरजेंसी ब्लॉक को ढहाने का काम भी जल्दी शुरू हो जाएगा। इसके बाद मातृ एवं शिशु ब्लॉक का निर्माण का रास्ता काफी हद तक साफ हो जाएगा। अस्पताल प्रशासन ने इस परियोजना के लिए इस वर्ष अप्रैल में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को सलाहकार नियुक्त करने के मकसद से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट (इंडिया) लिमिटेड को परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। इस कंपनी पर परियोजना का डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट), डिजाइन और सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कराकर इस ब्लॉक का निर्माण और संचालन शुरू कराने की जिम्मेदारी होगी।

नई दिल्ली स्टेशन जाने वालों के लिए महीनेभर रहेगी जाम की मुसीबत

● दिसंबर में कनॉट प्लेस, पहाड़गंज और स्टेशन के आसपास ट्रैफिक काफी प्रभावित रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगर आप दिल्ली में रहते हैं या नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले हैं, तो ये खबर आपके लिए ही है। इस महीने नई दिल्ली स्टेशन के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या रहेगी। दरअसल स्टेशन को वर्ल्ड-क्लास बनाने का काम जोरों पर है और इसका असर सेंट्रल दिल्ली की सड़कों पर साफ दिख रहा है। खासतौर पर पहाड़गंज साइड ट्रैफिक की ज्यादा परेशानी रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि दिसंबर में कनॉट प्लेस, पहाड़गंज और स्टेशन के आसपास ट्रैफिक काफी प्रभावित रहेगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन देश का सबसे व्यस्त स्टेशन है, जहां रोजाना लाखों यात्री, सैकड़ों ट्रेनें आती-जाती हैं। पहाड़गंज साइड का गेट नंबर 1 प्लेटफॉर्म 1 के लिए मुख्य एंट्री है, लेकिन रीडेवलपमेंट के तहत यहां कंस्ट्रक्शन और यूटिलिटी शिफ्टिंग चल रही है। इसकी वजह से रोड स्पेस कम हो गया है और गाड़ियां रेंग रहीं हैं। इसकी वजह से लगातार जाम की स्थिति बन रही है। यह परेशानी 10 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगी। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि चेल्म्सफोर्ड रोड पर बैरिकेड्स लगे हैं, जिससे गाड़ियों की रफ्तार थम सी गई है।

ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस का कहना है कि स्टेशन जाने वाले यात्री अजमेरी गेट साइड का इस्तेमाल करें। पहाड़गंज साइड के गेट नंबर 1 के आसपास अनावश्यक घूमने से बचें। यात्रा पहले से प्लान करें, ताकि आखिरी मिनट में भागदौड़ न हो। साइट पर तैनात पुलिसवालों की बात मानें और टेम्परेरी डायवर्जन साइन्स फॉलो करें।

ओटीटी सब्सक्रिप्शन के नाम पर विदेश में एनआरआई लोगों से करते थे ठगी, 24 साल की सरगना समेत 6 अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा फेज-वन थाना पुलिस ने गुरुवार को एनआरआई से ठगी के लिए कॉल सेंटर चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। टीम ने गिरोह की सरगना युवती समेत छह लोगों को दबोचा। आरोपी भारत-पाकिस्तान और अन्य देशों के ओटीटी प्लैटफॉर्म का सब्सक्रिप्शन देने के नाम पर 100 से 300 डॉलर तक की ठगी कर लेते थे। डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि फेज-वन थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की है। सूचना के आधार पर सेक्टर-दो में वेबबिज सर्विस एलएलसी नाम की कंपनी में छापा मारा। मौके से छह लोगों को हिरासत में ले लिया। इनकी पहचान सेक्टर-82 स्थित केंद्रीय विहार में रहने वाली तनिष्का, वृंदावन निवासी अनिल बघेल, गौरव, राधा बल्लभ, योगेश बघेल और बिहार के सारन जिला निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को भारतीय, पाकिस्तानी और अन्य देशों के ओटीटी प्लैटफॉर्म का सब्सक्रिप्शन कम दामों में अवैध रूप से उपलब्ध कराते हैं। आरोपी अपनी कंपनी के नाम पर विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों को ओटीटी प्लैटफॉर्म के विभिन्न सब्सक्रिप्शन चैनलों के कंटेंट को बिना किसी लाइसेंस के रिकॉर्ड करते हैं। इसके बाद उसकी कॉपी को प्रसारित करते हैं, जैसे कि उपभोक्ता को वैध रूप से सब्सक्रिप्शन दिया जा रहा हो।

ऑस्ट्रेलिया में स्काई-डाइविंग के दौरान पैराशूटिस्ट हवा में लटका

कूदते समय विंग में फंसा; 15,000 फीट की ऊंचाई पर था एयरक्राफ्ट

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में स्काई डाइविंग के दौरान एयरक्राफ्ट से कूदते समय स्काई डाइवर का इमरजेंसी पैराशूट अचानक खुल गया। पैराशूट विमान के पिछले विंग में फंस गया, जिससे वह 15,000 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटका रह गया। यह घटना नॉर्थ फ्री-फॉल क्लब की उड़ान के दौरान हुई। ऑस्ट्रेलिया ट्रांसपोर्ट सेफ्टी के अनुसार, जब पैराशूट फंसा, तो प्लेन की स्पीड अचानक कम हो गई, जिससे पायलट को लगा कि प्लेन रुक गया है। इसी समय 13 पैराशूटिस्ट को एयरक्राफ्ट से कूदते हुए देखा गया। फंसे हुए पैराशूटिस्ट ने सभी 11 रस्सियां काट दीं और खुद को आजाद कराया।

विंग में फंसे हुए स्काई डाइवर ने अपना मेन पैराशूट खोलकर लैंड किया। उसे मामूली चोटें आईं। इसके बाद पायलट ने मेडे कॉल किया और प्लेन छोड़ने और खुद कूदने की तैयारी करने लगा। हालांकि, थोड़ी मशक्कत के बाद प्लेन जमीन पर लैंड हो गय। सुबह करीब 10 बजे, पायलट ने विमान की स्पीड कम कर दी और स्काई डाइवरों को कूदने का संकेत दिया। इसी बीच, पहला स्काई डाइवर, जो फ्लोट पोजीशन लेने के लिए विमान के रोलर डोर के पास पहुंच रहा था, विमान के विंग फ्लैप से टकराने के बाद अपना रिजर्व पैराशूट खोल बैठा। अचानक लगे झटके से स्काई डाइवर विमान से पीछे की ओर खिंच गया और कैमरा ऑपरेटर का भी संतुलन बिगड़ गया और वह फंस गया।

पत्नी की हत्या कर डेडबॉडी के अंगो की ब्लेंडर में बना दी प्यूरी... पूर्व मिस स्विट्जरलैंड के पति पर आरोप तय

स्विटजरलैंड, एजेंसी।
मिस स्विटजरलैंड की पूर्व फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की हत्या का आरोप उनके पति पर लगा है। स्विस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने गुस्से में आकर लाश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और फिर उन टुकड़ों को ब्लेंडर में डालकर प्यूरी की तरह बना दिया था। फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच का नाम थॉमस है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, मॉडल की बॉडी को जिगसॉ चाकू और गार्डन वाली कैंची से काटा गया था। जांचकर्ताओं ने पाया कि थॉमस ने इंडस्ट्रियल ब्लेंडर से उसके शरीर के कुछ हिस्सों को काटने से पहले उसकी बच्चेदानी भी निकाल दी थी। अधिकारियों ने बताया कि कुछ बचे हुए हिस्सों को प्यूरी करके एक केमिकल सॉल्यूशन में घोल दिया गया था। द टेलिग्राफ की एक रिपोर्ट बताती है कि पुलिस ने बाद में ब्लेंडर, इसके साथ मसल टिशू से जुड़े स्किन फ्लैप और हड्डी के टुकड़े बरामद किए। कोर्ट के दस्तावेजों में कहा गया कि थॉमस अपनी पत्नी के शरीर के टुकड़े करते समय अपने फोन पर वीडियो देख रहा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पाया गया कि थॉमस ने कथित तौर पर उसके हिप जॉइंट्स तोड़ दिए, कई हाथ-पैर हटा दिए, उसकी रीढ़ की हड्डी काट दी और आखिर में उसका सिर काट दिया।

न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, मॉडल के अवशेष शुरू में उसके पिता को मिले थे, जिन्होंने घर के लॉन्ड्री रूम में एक काले बैग से सुनहरे बाल निकलते हुए देखे थे। ये बातें एक दोस्त ने बताई थीं। थॉमस ने शुरू में दावा किया था कि उसने अपनी पत्नी को मरा हुआ पाया, लेकिन मार्च में उसने माना कि उसी ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या की थी। उसका आरोप था कि उसने खुद के बचाव में ऐसा किया जब उसने कथित तौर पर उस पर चाकू से हमला किया था।

कोट-पैंट और हैट..., लाटसाहब बनकर निकले चार अफगानी लड़के; तालिबान ने किया गिरफ्तार

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में चार युवक ब्रिटेन की फेमस टेलीविजन सीरिज पीकी ब्लाइंडर्स से प्रेरित होकर उनकी तरह कोट-पैंट और हैट पहनकर लाटसाहब बनकर घूम रहे थे। इसके बाद इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो सामने आने के बाद इन युवाओं पर तालिबानी अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए हिरासत में लिया है। तालिबानी अधिकारियों ने इन चारों अफगानी युवाओं पर विदेशी कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। हिरासत में लिए गए चारों युवाओं का नाम असगर हुसैनाई, जलील याकूबी, अशोर अकबरी और दाउद रासा है। इनकी उम्र 20 साल के करीब है। हिरासत में लिए गए चारों युवक हेरात टाउनशिप में ट्रेंच कोट और फ्लैट कैप पहनकर घूमने के लिए जाने जाते थे। इनको अक्सर जिब्राइल टाउनशिप की सड़कों पर घूमते देखा जाता था। जिसे पहले हिरासत में लिया गया और बाद में समझा-बुझाकर रिहा कर दिया गया।

एनडीटीवी में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबानी मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ-उर-इस्लाम खैबर ने कहा कि तालिबान किसी भी पश्चिमी, आधुनिक या मीडिया से प्रेरित चीज को अनुचित या गैर-इस्लामिक के रूप में देखता है। तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान सख्त धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का पालन करता है, खासकर जब कपड़ों की बात आती है। इन चारों को फिल्म अभिनेताओं की नकल करने और अफगान मूल्यों के खिलाफ जाने वाले तौर-तरीकों को दिखाने के लिए हिरासत में लिया गया था।

लिमिटेड-एडिशन मेड-इन-इंडिया सैंडल लॉन्च करने का फैसला किया है

आ रही है मेड-इन-इंडिया सैंडल, कीमत होगी 83,000 रुपए

रोम, एजेंसी।
इटली का दुनिया-भर में मशहूर लग्जरी फैशन ब्रांड प्राडा एक बार फिर सुर्खियों में है। कुछ महीने पहले उस पर आरोप लगा था कि उसने भारत की पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलों की डिजाइन को बिना क्रेडिट दिए अपने फैशन शो में पेश किया। अब कंपनी ने विवाद से सबक लेते हुए भारत के देसी कारीगरों के साथ मिलकर लिमिटेड-एडिशन मेड-इन-इंडिया सैंडल लॉन्च करने का फैसला किया है।

कैसे बनेगा नया कलेक्शन?: रिपोर्ट के मुताबिक, प्राडा भारत के महाराष्ट्र और कर्नाटक के कारीगरों से कुल 2,000 जोड़ी सैंडल बनवाएगा। हर जोड़ी की कीमत होगी 800 यूरो, यानी करीब 83,000 रुपये। कंपनी के सीनियर अधिकारी लोरेंजो बर्टेली ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि भारतीय कारीगरी और इटैलियन तकनीक को मिलाकर एक अनोखा प्रोडक्ट दुनिया के सामने लाया जाए। यह सैंडल कलेक्शन फरवरी 2026 से दुनिया भर में 40 प्राडा स्टोर्स और ऑनलाइन उपलब्ध होगा।

करीब 6 महीने पहले प्राडा ने मिलान फैशन शो में ऐसे सैंडल पेश किए जो बिल्कुल कोल्हापुरी चप्पलों जैसे लग रहे थे। इंटरनेट पर तस्वीरें वायरल होते ही भारत में लोगों ने नाराजगी जताई। लोगों ने कहा कि प्राडा ने बिना क्रेडिट दिए भारतीय डिजाइन की कॉपी की है। बाद में प्राडा ने यह स्वीकार किया कि यह डिजाइन भारतीय पारंपरिक शैली से प्रेरित थी। अब इसी विवाद के बाद कंपनी ने भारत के दो सरकारी संस्थानों के साथ समझौता किया है- इटली में होगी कारीगरों की ट्रेनिंग प्राडा ने कहा है कि यह साझेदारी कम से कम 3 साल तक चलेगी। इसमें शामिल होगा- भारत के कारीगरों के लिए विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम, इटली में शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग, प्रोजेक्ट में कई मिलियन यूरो निवेश और कारीगरों को उचित और बेहतर भुगतान। मैनेजिंग डायरेक्टर प्रेरणा देशभ्रतार ने कहा कि जब प्राडा जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड किसी कला का समर्थन करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिथिला महिला समिति ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा गुरुवार अपराह्न जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित समिति की सदस्याओं डॉ मंजू झा, शीला मिश्रा, इंदिरा झा, सीमा झा, आशा झा, बीनू चौधरी, बीणा झा, रुबी ठाकुर, पूनम झा, प्रेरणा ओझा, बंदना झा, अपर्णा झा, बबीता झा, रितु मिश्रा, किरण झा, कुमकुम झा किरण झा, अलका झा, लीला झा आदि ने सेक्टर 4 साईं मंदिर, सेक्टर 4 सिटी सेंटर व जगन्नाथ मंदिर परिसर में घूम-घूमकर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर डीडीसी ने की सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 21 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, सहकारिता विभाग, राजस्व संबंधित विवाद, अनुमंडल कार्यालय चास/बेरमो, अंचल कार्यालय , जिला समाज कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियुष आदि उपस्थित थे।

सांसद प्रतिनिधियों का पतंजलि योग केंद्र ने किया स्वागत

भुली/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधनी हटिया स्थित पतंजलि योग केंद्र में रंजीत कुमार उर्फ बिल्लू को सीएसआर कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व धनबाद कोयला खनन क्षेत्र, रजनीश तिवारी को पशुपालन विभाग और अजय सिन्हा को शिक्षा विभाग का प्रतिनिधि नियुक्त करने पर पतंजलि योग केंद्र के प्रभारी अशोक कुमार गुप्ता ने तीनों सांसद प्रतिनिधि को फूल माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर भव्य तरीके से स्वागत किया । इसके लिए योग केंद्र में पहुंचे सभी लोगों ने तीनों सांसद प्रतिनिधि को बधाई दी है। बधाई देने वालों में अशोक कुमार गुप्ता, रामेश्वर कुमार, गुरु चरण सिंह ,विजय कुमार श्रीवास्तव, भगवान दास, दीपक कुमार महतो, कमल कुमार, सचिन कुमार, अजीत कुमार, प्रवीण कुमार, रमन पांडेय, ज्ञांति मौर्य, उर्मिला देवी सभी उपस्थित थे ।

जालसाजी के मामले में तीन आरोपी बरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो की प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी सृष्टि कुमारी की अदालत ने जीआर केस नंबर 320/2020 में तीन आरोपियों को बरी कर दिया। यह मामला हरला थाना कांड संख्या 21/2020 से संबंधित है, जिसमें धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप लगाए गए थे। आरोपियों के पास से दर्जनों मोबाइल और लैपटॉप बरामद किया गया था जिसके मध्यम से ये लोग आम लोगो का पैसा धोकाधरी कर साइबर अपराध करते थे। आरोपियों के नाम नीरज शर्मा, खुबलाल मंडल और पिंटू कुमार राणा हैं। उनपर भारतीय दंड संहिता की धारा 419 (प्रतिरूपण द्वारा धोखा), 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान प्रतिभूति की जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेज को असली के रूप में उपयोग) और 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मुकदमा चल रहा था। आरोपी नीरज शर्मा की ओर से अधिवक्ता रणजीत गिरि ने पैरवी की। अदालत ने सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को सबूतों के अभाव में या अन्य आधार पर रिहा करने का फैसला सुनाया। इस फैसले से आरोपियों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है।

धान अधिप्राप्ति केंद्रों के बीच ई-पोस मशीन का वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर आपूर्ति विभाग द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में धान अधिप्राप्ति केंद्रों (पैक्स) के बीच 4जी ई-पोस मशीन का वितरण किया गया। खारिज विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति योजना के अंतर्गत जिले के सभी 18 धान अधिप्राप्ति केंद्रों को यह मशीन दिया गया है। नई मशीन की गति अधिक होने के कारण धान अधिप्राप्ति की सभी प्रक्रिया में कम समय लगेगा और भुगतान भी शीघ्र होगा। मौके पर आपूर्ति विभाग के संदीप कुमार, अमित कुमार तथा विजन टेक टेक्निकल के पिंटू कुमार सहित पैक्स के प्रतिनिधि मौजूद थे।

धनसार और भेलाटांड में कारोबारी मनोज अग्रवाल के ठिकानों पर छापेमारी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह धनबाद में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए धनसार और भेलाटांड स्थित कोयला कारोबारी मनोज अग्रवाल के आवास और कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। कार्रवाई सुबह करीब 7:30 बजे शुरू हुई, जब ईडी की चार गाड़ियां केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ धनसार और भेलाटांड स्थित दोनों जगहों पर पहुंचीं। सुरक्षा बलों ने आवास और कार्यालय को घेर लिया है, जबकि ईडी की टीम भीतर जाकर दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीम दोनों स्थानों में वित्तीय लेन-देन, कोयला कारोबार से जुड़े दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डेटा की जांच में जुटी हुई है। संभावना है कि टीम आज पूरे दिन तलाशी अभियान जारी रखेगी। गौरतलब है कि पिछले माह भी ईडी ने धनबाद में लगभग 18 ठिकानों पर छापेमारी की थी। उस अभियान के दौरान कोयला कारोबारी अनिल गोयल और लालबाबू सिंह के आवास एवं कार्यालयों से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड बरामद किए गए थे। यह एक महीने के भीतर ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसे कोयला कारोबार में संभावित अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इस छापेमारी से हड़कंप मच गया है, जबकि ईडी अधिकारियों ने आधिकारिक रूप से अभी किसी तरह की जानकारी साझा नहीं की है। जांच पूरी होने तक मनोज अग्रवाल के ठिकानों के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती जारी रहेगी।

असफलता सफलता की नींव होती है इससे घबराना नहीं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 05 डी स्थित श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। उन्होंने समारोह का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने -छात्र - छात्राओं और उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए जीवन, लक्ष्य और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए।

सफलता – असफलता खेल का हिस्सा,असफलता को सफलता में बदलें

अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, धैर्य और संघर्ष की सीख देता हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि सफलता और असफलता दोनों खेल का हिस्सा हैं। असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की नींव बनाकर आगे बढ़ें। उन्होंने छात्रों को निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाएं रखने की बात कहीं।

पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाना है – परचम लहराना है, सबों की उम्मीद हमसे

उपायुक्त ने कहा कि आप सभी बच्चें हमारे देश के भविष्य हैं,हमारी ताकत हैं।आपके दम - कुछ कर गुजरने का समर्पण देश को बहुत जरूरी है। देश के आजादी का 78 वर्ष बित चूका हैं, लेकिन जिस सपने को देखकर आजादी की लड़ाई - बलिदान - संघर्ष को किया गया, अभी बहुत कुछ करना शेष है। सब हमारे ओर देख रहे हैं, सबों को हमशे बड़ी उम्मीद है और आने वाला समय आपका है। आज पूरा विश्व भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाना है - परचम लहराना है। हमें अपने क्षेत्र, अपने विद्यालय और अपने राष्ट्र का नाम ऊंचा करना है। उन्होंने युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के विकास में योगदान करने का आग्रह किया।

बेटियों के सशक्तिकरण पर दिया संदेशः अपने लिए संघर्ष करें,आप सक्षम हैं

समारोह में उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बेटियां उन्हीं के पैर छुएं, जो उन्हें खुश रहने का आशीर्वाद दें। अपने अधिकारों, सपनों और सम्मान के लिए संघर्ष करें। आप सशक्त हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी बेटियों को स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार के प्रयासों का किया सराहना

मौके पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण उपस्थित रहे। उपायुक्त ने विद्यालय द्वारा छात्रों को सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करने के लिए संस्थान की सराहना की। उन्होंने बच्चों को भी विद्यालय की मूल भावना को समझने की बात कहीं। इस अवसर पर विद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट शशिन्द्रण कारट, मोहनन नायर, सचिव ई एस सुशीलन, ट्रेजरर बालाचंद्रण, बोर्ड सदस्य श्री सुरेश कुमार, प्रिंसिपल पी. शैलजा जय कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राहगीर : वाहन चालकों के लिए सड़क सुरक्षा में बैरिकेटिंग की भूमिका अहम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नया मोड़ में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। इस अवसर पर ओएनजीसी सीबीएम ऐसेट द्वारा ट्रैफिक विभाग को 31 बैरिकेट सौंपे गए, जिन्हें नगर के विभिन्न व्यस्त मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु लगाया जाएगा।

राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए सड़क सुरक्षा सर्वोपरि

अभियान को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि, लेट होना ज्यादा सुरक्षित है, लेकिन लापरवाही नहीं। सड़क पर हमेशा सावधानी रखें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और एहतियात के साथ चलें। ऐसा नहीं सोचें की सड़क सीर्फ उसकी है, यह सोच कर चलें कि आज सड़क पर बहुत लोग चल रहे हैं। जीवन बड़ा अनमोल है।

टैफिक प्रबंधन के लिए बैरिकेटिंग आवश्यक – सुरक्षा में होगी मजबूती

उपायुक्त ने कहा कि राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैरिकेटिंग बेहद जरूरी है। इससे दुर्घटना जोखिम कम होगा और ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनेगी। कार्यक्रम में उपस्थित ट्रैफिक अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न चौराहों और संवेदनशील मार्गों पर बैरिकेटिंग से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यातायात को नियंत्रित करना आसान होगा।

सभी प्रतिष्ठान मिल जूल कर करें काम, बोकारो आप सबका

ओएनजीसी सीबीएम ऐसेट द्वारा प्रदान किए गए 31 बैरिकेट को सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए उपायुक्त ने अन्य प्रतिष्ठानों को ऐसे कार्यों में आगे आने की बात कहीं। कहा कि बोकारो आप सबका है, बोकारो के विकास में आप सबका योगदान है। सभी जहां काम करते हैं वहा समर्पण - सेवा भाव के साथ काम करें। सड़क सुरक्षा - नागरिक सेवा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, सबों को मिलकर इस दिशा में काम करना है। यह सहयोग जन सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

सड़क सुरक्षा – जन जागरूकता पर दिया जोर

अभियान के दौरान लोगों को हेलमेट का उपयोग, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीडिंग से बचने, मोबाइल का प्रयोग नहीं करने जैसे महत्वपूर्ण निर्देशों के पंपलेट भी वितरित किए गए। उपायुक्त ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवार और समाज की सुरक्षा के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी मारूति मिंज, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर,जिला सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,संपत्ति प्रबंधक टी. आर. उन्नीकृष्णन नायर,संपत्ति सहयोग प्रबंधक बिपिन कुमार,प्रमुख मानव संसाधन दयानंद कालुंडिया, प्रभारी सीएसआर डॉली कुमारी आदि उपस्थित थे।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर जीवन ज्योति विशेष विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के विशेष विद्यालय 'जीवन ज्योति' में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर अभिभावकों एवं बच्चों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धनबाद के सचिव-सह-अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरानुसार दीप प्रज्वलन से की गई। विद्यालय की प्राचार्या अपर्णा दास ने सभी अभिभावकों एवं पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि न्यायाधीश महोदय स्वयं आकर संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। डॉ. कुमार विमलेन्दु (चीफ एलएडीसीएस) ने अपने संबोधन में

कहा कि संविधान ने नागरिकों को अनेक अधिकार प्रदान किए हैं, और उनकी जानकारी होना प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है, जिससे हम अपनी जिम्मेदारी और भागीदारी बेहतर रूप में निभा सकें। मुख्य अतिथि मयंक तुषार टोपनो ने अभिभावकों को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कानूनः दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकारों और समान भागीदारी की गारंटी देता है, दिव्यांगताओं की संख्या 7 से बढ़ाकर 21 करता है, शिक्षा, रोजगार और कानूनी सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में समानता सुनिश्चित करता है तथा केंद्र एवं राज्य स्तर पर कार्यान्वयन तंत्र स्थापित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि एन ए एल एस ए जे एच ए एल एस ए एवं डी एल एस ए द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से नागरिक निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि किसी भी कानूनी समस्या में वे निःसंकोच सहायता प्राप्त करें। उन्होंने जीवन ज्योति विद्यालय के सेवा-कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। आज उपस्थित अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के दिव्यांग प्रमाणपत्र, पेंशन एवं अन्य स्कीमों से संबंधित परेशानियों का न्यायाधीश महोदय से साझा किया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के सचिव श्री राजेश परकेरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा अतिथियों को बच्चों द्वारा बनाए गए बॉटल लैंप स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किए। आज के शिविर में डालसा के सचिव सह - अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो जी,डॉ कुमार विमलेंदु (चीफ एल ए डी सी एस, डालसा), राजेश परकेरिया (सचिव, जीवन ज्योति संस्थान), सुश्री अपर्णा दास (प्राचार्या जीवन ज्योति), अभिभावकगण एवं जीवन ज्योति विशेष विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एचई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। किशोरावस्था को काफी संवेदनशील माना गया है। इसमें उम्र के बढ़ने के साथ शारीरिक और हार्मोनल बदलाव तेजी से होते हैं। मन में कई प्रकार के चिंता और प्रश्न आने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि किसी भी विषय को लेकर चिंता और अवसाद में नहीं रहे। जिज्ञासु बने, अपने अभिभावक से जरूर शेयर करें। यह बातें शुक्रवार को हीरापुर स्थित एचई स्कूल में सदर अस्पताल की युवा मैत्री केंद्र की काउंसलर रानी प्रसाद ने कही। वह शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोरियों को जागरुक कर रही थी। उन्होंने बताया कि छात्राओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। अपने पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई बताया गया कि लगभग 50 प्रतिशत छात्राएं पोषण की कमी से एनीमिया की शिकार हो जाती है। इसके साथ ही पर्सनल हाइजीन की जानकारी दी गई। किशोरियों को तनाव प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। मौके पर प्राचार्य राजेश कुमार समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

किशोरावस्था अत्यंत संवेदनशील

रानी प्रसाद ने बताया कि किशोरावस्था में परिपक्वता मजबूत नहीं होती है। इस ग्रुप में सैद्धांतिक ज्ञान की अपेक्षा व्यवहारिक ज्ञान की कमी होती है। यही वजह है कि किशोर अवस्था में बच्चे हमेशा दुविधा की स्थिति में रहते हैं। इस अवस्था में अभिभावकों एवं शिक्षकों के अधिक केयर की जरूरत है। ऐसे में जरूरी हो जाता है किशोर किशोरियों का मार्गदर्शन करते रहें, और समय-समय पर उन्हें उचित और बेहतर काउंसलिंग करते रहें।

अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं

छात्रों को बताया गया कि सोशल साइट के उपयोग करते वक्त सावधान रहने की जरूरत है। सोशल साइट पर कई गलत सामग्रियां रहती हैं। अनजान से संपर्क नहीं करना चाहिए। कोशिश यही करें कि सोशल साइट का उपयोग कम करें। और यदि करते भी हैं तो केवल अपने परिचित के आसपास ही रहे। अपने अभिभावक से कुछ भी ना छुपाए। हर दिन की होने वाली गतिविधि से उन्हें जरूर अवगत कराएं। क्योंकि अभिभावक से अच्छा और सच्चा दोस्त कोई नहीं होता।

स्वदेशी आंदोलन के प्रथम बलिदानी बाबू गेणू सैद का बलिदान दिवस मनाया गया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में, जब भारत अंग्रेजों की औपनिवेशिक हुकूमत के दमन से जूझ रहा था, तब मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में एक सामान्य मजदूर ने अपनी वीरता, देशभक्ति और बलिदान से इतिहास को प्रेरित कर दिया। उनका नाम था बाबू गेनू, जिन्होंने स्वदेशी आंदोलन के तहत विदेशी वस्त्रों के आयात के खिलाफ आवाज उठाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उपरोक्त जानकारी मंच के क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह ने दी है। श्री सिंह नया मोड़ स्थित बिरसा चौक में स्वदेशी जागरण मंच, बोकारो आयोजित स्वदेशी आंदोलन के प्रथम बलिदानी बाबू गेणू सैद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रमणे शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बाबू गेनू का व्यक्तित्व भले ही चाटुकार इतिहासकारो के कारण इतिहास में विस्तृत रूप से दर्ज न हो, परन्तु उनका बलिदान उन्हें स्वदेशी आंदोलन का अमर प्रतीक बनाता है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश आर्थिक उत्पीड़न के खिलाफ विरोध किया, बल्कि आम जनता को अपने देश के बने स्वदेशी वस्त्रों और स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाबू गेनू का योगदान मुख्य रूप से विदेशी वस्त्रों के आयात विरोधी आंदोलनों में रहा। वहीं मंच के सह प्रांत मेला सह प्रमुख अजय सिंह ने कहा कि ब्रिटिश शासन भारतीय उद्योगों को कमजोर करने के लिए विदेशी कपड़े भारत में लाता था। इसी आर्थिक शोषण के खिलाफ बाबू गेनू ने सक्रिय विरोध किया। 12 दिसंबर 1930 को मुंबई में एक ऐतिहासिक घटना घटी। बाबू गेनू ने एक ऐसे लोरी को रोकने का प्रयास किया, जो विदेशी कपड़े बॉम्बे के बंदरगाह से भारतीय बाजार में बिक्री के लिए जा रहे थे। उनके इस साहसिक प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी गोली चलाई और लोरी से बाबू गेनू रौंद दिया

इस प्रकार बाबू गेनू शहीद हो गए। उनका यह बलिदान स्वदेशी आंदोलन के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। उन्होंने कहा कि बाबू गेनू के बलिदान को स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी द्वारा दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 12 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन का महत्व केवल उनके शौर्य को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज में देशी उत्पादों के समर्थन और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार की भावना को भी उजागर करता है। उनकी शहादत ने मजदूर वर्ग, छात्रों और आम नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपने देश के आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए खड़े हों। बाबू गेनू का योगदान यह दिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार तक सीमित नहीं थी, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। बाबू गेनू का नाम आज भी स्वदेशी आंदोलन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। उनके बलिदान ने यह संदेश दिया कि साहस और देशभक्ति से किसी भी औपनिवेशिक शक्ति का सामना किया जा सकता है। जबकि मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने कहा कि स्वदेशी दिवस पर उन्हें याद करना न केवल उनके शौर्य को सम्मानित करना है, बल्कि यह भारतीय समाज के लिए अपने उत्पादों और संसाधनों के महत्व को समझने का अवसर भी है। बाबू गेनू की कहानी हमें यह याद दिलाती है कि देशभक्ति के छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं, और उनके बलिदान का स्मरण हमें अपने समाज में स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग और समर्थन के लिए प्रेरित करता है। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आज स्वदेशी दिवस के अवसर पर अमर शहीद बाबू गेनू को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई । कार्यक्रम को क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह ने संबोधित किया। मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख अजय कुमार चौधरी प्रांत के सह मेला प्रमुख अजय कुमार सिंह, जयशंकर प्रसाद, विनोद चौधरी, राकेश रंजन, नवीन कुमार सिंह, रजनीकांत कुमार सिंह, विवेकानंद झा, मनीष कुमार श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, पुष्पा मिश्रा, कुमार संज,ए.के. सिंह, अमरिंदर सिंह, प्रेम प्रकाश, सुजीत कुमार, समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बीएसएल की हॉट स्ट्रिप मिल ने पूरा किया 50 वर्षों का गौरवशाली सफर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल ने 12 दिसंबर 2025 को अपने स्थापना के 50 वर्षों के गौरवपूर्ण संचालन का सफर पूरा किया। इस विशेष अवसर पर हॉट स्ट्रिप मिल परिसर में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स)अनूप कुमार दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) श्री पी. के. वर्मा ने सभी का स्वागत किया तथा इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी। अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन ने केक काटकर एचएसएम

समूह को इस विशेष अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने हॉट स्ट्रिप मिल के 50 वर्षीय गौरवशाली सफर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी निरंतर प्रगति, उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता तथा उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धियों के लिए संपूर्ण एचएसएम टीम की सराहना की। श्री रंजन ने कहा कि पिछले पाँच दशकों से हॉट स्ट्रिप मिल, बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन गतिविधियों का एक मजबूत और अत्यंत महत्वपूर्ण आधार स्तंभ रहा है। इस मिल ने न केवल उच्च गुणवत्ता वाले फ्लैट उत्पादों के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई है, बल्कि देश की औद्योगिक एवं अवसंरचनात्मक विकास आवश्यकताओं की पूर्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) श्री अनूप कुमार दत्त ने अपने संबोधन में कहा कि यह उपलब्धि समर्पित टीमवर्क, सतत नवाचार, तकनीकी दक्षता और कर्मियों की दृढ़ प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सुरक्षा, गुणवत्ता, उत्पादकता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति निरंतर संकल्प को बनाए रखने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी टीम एचएसएम को स्वर्ण जयंती की हार्दिक बधाई दी और आगामी वर्षों में नई उपलब्धियों एवं सतत प्रगति के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उल्लेखनीय है कि 12 दिसंबर 1975 को बोकारो स्टील प्लांट के हॉट स्ट्रिप मिल का कमिशनिंग किया गया था। तब से यह इकाई निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पाँच दशकों से देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

बीएसएल में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र में सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने तथा 'सुरक्षा सर्वप्रथम' की मूल भावना को कार्यस्थल की संस्कृति में प्रभावी रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में दिनांक 12 दिसंबर 2025 को गैस सुरक्षा पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से कुल 89 अधिकारी, कर्मचारी तथा संविदा कर्मियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री सुखदेव महतो तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री विनीत तिर्की उपस्थित थे। सत्र की शुरूआत में सुरक्षा विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री सुखदेव महतो ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला एवं सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री विनीत तिर्की ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्टील प्लांट में गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया एवं सभी प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com